door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 263 | गुवाहाटी | बुधवार, 24 अप्रैल, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

लोस चुनाव के तीसरे चरण में 94 सीटों के लिए 1351 उम्मीदवार मैदान में पेज 2
धर्मांतरण हमारे देश की ज्वलंत समस्या है : वशिष्ठ बुजरबरुवा पेज 3
यूपी में तीसरे चरण के 10 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए चुनाव मैदान में 100 प्रत्याशी पेज 5
अंपायर से बहस, विराट पर मैच फीस का 50 फीसदी जुर्माना पेज 7

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

बंगाल में गरजे अमित शाह, बोले–

न तो कांग्रेस और न ही ममता सीएए को छूने की हिम्मत कर सकती है

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को भ्रष्टाचार और घुसपैठ के मुद्दों को लेकर तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व वाली पश्चिम बंगाल सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि केवल भाजपा ही राज्य में तृणमूल कांग्रेस के कुशासन को समाप्त कर सकती है। रायगंज निर्वाचन क्षेत्र के करनदिघी में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल से 35 लोकसभा सीट जीतने का लक्ष्य रखा है। शाह ने मालदा में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में आज एक रोड शो भी किया। रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने कल एक फैसला सुनाया, जिसमें हजारों नियुक्तियों (2016 शिक्षक भर्ती परीक्षा के माध्यम से की गई) को रद्द कर दिया गया। यह शर्म की बात है कि नौकरियां लाखों रुपए में बेची गईं। पश्चिम बंगाल में यह *कट-मनी* (कमीशन) संस्कृति और भ्रष्टाचार समाप्त होना चाहिए। तृणमूल इसे कभी नहीं रोक सकती, केवल भाजपा ही इसे रोक सकती है। कांग्रेस के नेताओं की सत्ता में आने पर सीएए को रद्द करने संबंधी टिप्पणी पर शाह ने कहा कि न तो कांग्रेस और न ही ममता बनर्जी सीएए को छूने की हिम्मत कर सकती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और ममता बनर्जी सीएए के खिलाफ हैं, क्योंकि वे घुसपैठियों की मदद करना चाहते हैं। भाजपा नेता ने कहा कि वे कानून का विरोध कर रहे हैं, क्योंकि इससे हिंदू शरणार्थियों को नागरिकता पाने में मदद मिलेगी। केंद्र ने पिछले महीने संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए), 2019 लागू किया था। संसद द्वारा यह कानून पारित किए जाने के चार साल बाद इससे संबंधित नियमों को अधिसूचित किया गया था। यह कानून पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर 2014 से पहले बिना दस्तावेजों के भारत आए गैर-मुस्लिम प्रवासियों को तेजी से नागरिकता प्रदान करने के लिए बनाया गया था। उत्तर 24 परगना के संदेशखाली में तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के खिलाफ यौन शोषण के मामलों के सामने आने की हालिया घटनाओं का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि यह शर्म की बात है कि ममता बनर्जी ने एक महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद दोषियों को बचाने की कोशिश की। उन्होंने दावा किया कि वर्षों तक आपकी (ममता बनर्जी) नाक के नीचे अत्याचार होता रहा। तुष्टीकरण के माध्यम से कुछ वोट पाने के लिए आप संदेशखाली के अपराधियों को बचा रही हैं। मालदा में शाह ने मंगलवार -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस के घोषणा-पत्र पर हिमंत का तंज, कहा–

इसके सहारे पाकिस्तान में जीत सकते हैं चुनाव

एर्नाकुलम (केरल)। असम के सीएम और भाजपा के वरिष्ठ नेता हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस पार्टी के घोषणापत्र पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इस घोषणापत्र के साथ पाकिस्तान में चुनाव जीता जा सकता है। कांग्रेस के घोषणापत्र को लेकर भाजपा लगातार कांग्रेस पर निशाना साध रही है। यही नहीं कांग्रेस पर पीएम मोदी ने निशाना साधते हुए कहा था कि कांग्रेस जीत जाने के बाद लोगों की संपत्ति अधिक बच्चे वालों को बांट देगी। इस बात ने तूल पकड़ लिया। जहां इस बयान पर कांग्रेस नेताओं ने चुनाव आयोग से प्रधानमंत्री को नोटिस जारी करने की मांग की है। वहीं दूसरी ओर भाजपा नेता इस बात को सही बताते हुए कांग्रेस को घेर रहे हैं। असम के मुख्यमंत्री और भाजपा नेता हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि कांग्रेस का घोषणापत्र कहीं से भी भारत की जनता के लिए नहीं -शेष पृष्ठ दो पर

जहां हिंसा हुई, वहां चुनाव की अनुमति नहीं : एचसी

कोलकाता। रामनवमी के दिन पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हुई हिंसा को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। इस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने राज्य सरकार से हलफनामा दाखिल करने को कहा। इसके साथ ही कोर्ट ने चुनाव आयोग से मौजूदा स्थिति को देखते हुए बरहामपुर निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव स्थगित करने को कहा। दरअसल, मामले की एनआईए जांच की मांग करते हुए याचिका दायर की गई थी। अब -शेष पृष्ठ दो पर

रंगिया में सीएम का रोड शो, दिलीप सैकिया के लिए किया प्रचार अभियान

रंगिया (नि.सं.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को रंगिया में एक विशाल रोड शो के साथ आगामी 26 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण के लिए चुनाव अभियान चलाया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भाजपा इसबार भी भारी बहुमत से विजयी होगी और सभी के आशीर्वाद से नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। उनके रोड शो में लाखों की संख्या में लोग शामिल हुए। वही इस मौके -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
कार्य के मध्य में अति विलंब और आलस्य उचित नहीं है।
– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

ताइवान में छह घंटे में लगे 80 भूकंप के झटके

ताइपे/टोक्यो (हि. स.)। ताइवान में सोमवार शाम 5 बजे से देररात 12 बजे तक 80 से ज्यादा भूकंप के झटके महसूस किए गए। इनमें सबसे ज्यादा 6.3 तीव्रता का भूकंप रहा, जो भारतीय समय के मुताबिक रात करीब 12 बजे आया। मौसम विभाग के अनुसार भूकंप का केंद्र पूर्वी काउंटी हुलिएन में धरती से 5.5 किलोमीटर नीचे था। भूकंप के कारण -शेष पृष्ठ दो पर

राजनीतिक दलों के तल्ख होते बोल से परेशान चुनाव आयोग

नई दिल्ली। हिदायत, चेतावनी और कार्रवाई के बाद भी राजनीतिक दलों के तल्ख होते जा रहे बोल से निर्वाचन आयोग परेशान है। फिलहाल आयोग ने इस पर बड़ी कार्रवाई से पहले अपने मैदानी अमले को सतर्क किया और कहा कि वह चुनावी रैलियों पर पैनी नजर रखे और उनकी अनिवार्य रूप से वीडियोग्राफी कराए। साथ ही इनमें की जाने वाली किसी तरह की -शेष पृष्ठ दो पर

चकमा-हाजोंग को असम में बसाने का कोई प्रस्ताव नहीं : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि अरुणाचल प्रदेश में रह रहे पांच लाख चकमा-हाजोंग शरणार्थियों को असम में लाकर बसाने संबंधी कोई भी प्रस्ताव उन्हें केंद्र सरकार से नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में रह रहे असमिया लोगों को असम में लाने की जरूर कोशिशें से की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को स्पष्ट किया कोई भी चकमा-हाजोंग से संबंधित मामला उनके सामने नहीं आया है, न ही इस सिलसिले में किसी ने उनसे कुछ कहा है। उल्लेखनीय है कि वरिष्ठ भाजपा नेता किरण रिजिजू द्वारा अरुणाचल प्रदेश में एक पत्रकार सम्मेलन के दौरान कहा गया कि नागरिकता संशोधन कानून बन जाने के कारण अब चकमा-हाजोंग अरुणाचल प्रदेश में नहीं रह सकते हैं। उन्हें असम में बसाने के लिए असम के मुख्यमंत्री से बातचीत की गई है। रिजीजू ने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी असम के मुख्यमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस नेता अंग्रेज साहबों की तरह हैं : सीएम

नगांव (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस नेता अंग्रेज साहबों की तरह हैं। कांग्रेस नेताओं से बात करने के लिए जनता को पहले अंग्रेजी सीखनी होगी। मुख्यमंत्री मंगलवार को नगांव लोकसभा क्षेत्र के जुरिया में भाजपा उम्मीदवार सुरेश बोरा के समर्थन में एक विशाल चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने नगांव के निर्वतमान सांसद तथा कांग्रेस उम्मीदवार प्रद्युत बरदलै पर तंज कसते हुए कहा कि प्रद्युत बरदलै अंग्रेज साहबों की तरह सूटकेस लेकर नगांव पहुंचते हैं और फिर सूटकेस लेकर वापस चले जाते हैं। उनकी पहचान असम में सूटकेस नेता के रूप में है। उन्होंने कहा की प्रद्युत बरदलै अंग्रेज साहबों की तरह गरीब लोगों से हाथ न तो मिलाते हैं, न ही उनसे मिलते हैं। कभी यदि किसी गरीब से उन्हें हाथ मिलाना भी पड़ा तो वह साबुन से हाथ धोते हैं। उन्होंने कहा कि सूटकेस सांसद को वोट देकर जनता को कोई लाभ नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार के समय में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा दिया गया है। कांग्रेस के जमाने में एक आंगनबाड़ी कर्मी की नौकरी के लिए भी रिश्वत देना पड़ता था, लेकिन आज स्थितियां बदल गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मेधा के आधार पर गरीब लोगों को भी नौकरियां मिली हैं। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार की संस्कृति असम में अब समाप्त हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार विकास के साथ-साथ जनता की समस्याओं के प्रति भी गंभीर है। यही वजह है कि हमने वसुंधरा योजना के जरिए लोगों को भूमि -शेष पृष्ठ दो पर

आरक्षण न खत्म होगा और न ही उसे धर्म के नाम पर बांटने दिया जाएगा : पीएम

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि देश में दलितों, पिछड़ों व आदिवासियों का आरक्षण न खत्म होगा न ही उसे धर्म के नाम पर बांटने दिया जाएगा। मोदी ने आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस को ललकारते हुए कहा कि क्या कांग्रेस एलान करेगी कि वे संविधान में दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों के आरक्षण को कम करके इसे मुसलमानों को नहीं बांटेगी? मोदी ने टोंक के उनियारा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सच्चाई यह है कि जब कांग्रेस और उसका गठबंधन सत्ता में था तो ये लोग दलितों, पिछड़ों के आरक्षण में सेंधमारी कर वोट बैंक की राजनीति के लिए अपनी खास जमात को अलग से आरक्षण देना चाहते थे, जो संविधान के बिलकुल खिलाफ है। उन्होंने कहा कि आरक्षण का जो हक बाबा साहब ने दलित, पिछड़ों और आदिवासियों को दिया कांग्रेस और उसका गठबंधन उसे मजहब के आधार -शेष पृष्ठ दो पर

बदलते विश्व में भारत-आसियान के बीच अधिक सहयोग की आवश्यकता : विदेश मंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि दुनिया धीरे-धीरे एक बहुध्रुवीय एशिया और बहुध्रुवीय विश्व की ओर बढ़ रही है। ऐसे में उभरती विश्व व्यवस्था में आसियान और भारत की महत्वपूर्ण भूमिका होने वाली है। यह इस बात को भी रेखांकित करती है कि भारत और आसियान के बीच अधिक सहयोग और समन्वय की आवश्यकता है। विदेश मंत्री ने प्रथम आसियान फ्यूचर फोरम को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने वियतनाम के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री को इसके सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि क्वाड नेता आसियान केंद्रीयता और एकता को अटूट समर्थन देते हैं। हमारा मानना है -शेष पृष्ठ दो पर

पर्याप्त संसाधनों के बिना मुफ्त उपहार का वादा करने से बचें राजनीतिक दल : नायडू

नई दिल्ली (हि.स.)। पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने कहा कि राजनीतिक दलों को पर्याप्त संसाधनों के बिना मुफ्त उपहार का वादा करने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब पार्टियां बड़े-बड़े वादे करती हैं तो उन्हें यह भी बताना चाहिए कि उन्हें संसाधन कहां से मिलेंगे। नायडू ने कहा कि लोगों को उन पार्टियों से भी सवाल करना चाहिए जिनके पास संसाधनों के बारे में कुछ नहीं है, लेकिन सत्ता हासिल करने के लिए उन्होंने खोखले वादे किए। पूर्व उपराष्ट्रपति ने मंगलवार को नई दिल्ली के त्यागराज मार्ग स्थित अपने आवास पर मीट-एंड-ग्रीट गेट-टुगेदर में ये टिप्पणियां कीं। बातचीत के आयोजकों को धन्यवाद देते हुए नायडू ने कहा कि पद्म विभूषण सम्मानित होने पर वह विनम्र और संतुष्ट महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के प्रति मेरे विनम्र योगदान की यह मान्यता -शेष पृष्ठ दो पर

मलेशिया में नौसेना के दो हेलीकॉप्टर आसमान में टकराए, 10 मरे

कुआलालंपुर (हि.स.)। मलेशियाई नौसेना के दो हेलीकॉप्टर बीच हवा में टकरा गए। इस हादसे में तीन महिलाओं समेत 10 लोगों की मौत हो गई है। यह हादसा मंगलवार को रॉयल मलेशियाई नौसेना परेड की रिहर्सल के दौरान हुआ। नौसेना ने बयान में पुष्टि की है कि रॉयल मलेशियाई नौसेना परेड रिहर्सल के लिए एक साथ कई हेलीकॉप्टर्स ने उड़ान भरी। इस दौरान दो हेलीकॉप्टर अचानक बहुत करीब आ गए और अनहोनी घट गई। यह हेलीकॉप्टर दुर्घटना के समय अगले महीने नौसेना की 90वीं वर्षगांठ के जश्न के लिए उत्तरी पेराक राज्य में एक नौसैनिक अड्डे पर प्रशिक्षण ले रहे थे। रॉयल मलेशियाई नौसेना के हवाले -शेष पृष्ठ दो पर

दूसरे चरण में राजस्थान के हाई प्रोफाइल नेताओं की अग्निपरीक्षा

दांव पर गहलोत और वसुंधरा की विरासत

जयपुर। लोकसभा चुनाव में राजस्थान की 12 सीटों पर पहले चरण में चुनाव हो चुके हैं। अब बारी दूसरे चरण में 13 सीटों की है। राजस्थान का यह फाइनल चरण है। 26 अप्रैल को वोटिंग होनी है। दूसरे चरण की 13 सीटों पर 152 उम्मीदवार मैदान में हैं। भाजपा लगातार दो लोकसभा चुनाव से क्लीन स्वीप कर रही है। इसके चलते उसके सामने फिर से सभी सीटें जीतने की चुनौती है। वहीं, कांग्रेस इस बार अपना खाता खोलने के लिए बेताब नजर आर रही है। राजस्थान के अंतिम और फाइनल चरण के लोकसभा चुनाव में दो पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे भी मैदान में हैं। इसमें अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे अपने-अपने बेटों को जिताने के लिए उनकी सीटों पर डेरा जमाए हुए हैं। इसके अलावा दूसरे चरण में कुछ हाईप्रोफाइल सीटें ऐसी हैं, जहां मुकाबला रोमांचक है। कई बड़े नामों की प्रतिष्ठा दांव पर है। इसके चलते राजस्थान चुनाव के दूसरे चरण की सीटों पर सभी की निगाहें लगी हुई हैं। देखना है कि 2024 के चुनाव में राजस्थान का सियासी ऊंट किस करवट बैठता है? राजस्थान के दूसरे चरण में टोंक-सवाई माधोपुर, अजमेर, पाली, जोधपुर, बाड़मेर, जालोर, उदयपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, भीलवाड़ा, कोटा और झालावाड़-बारा सीट पर वोटिंग होगी। भाजपा इन सभी 13 सीटों पर चुनावी मैदान में है जबकि कांग्रेस 12 सीटों पर लड़ -शेष पृष्ठ दो पर

तेलंगाना में तेज हवाओं के कारण ढहा पुल

हैदराबाद। तेलंगाना के पेद्दापल्ली जिले में मनैर नदी पर एक निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा सोमवार और मंगलवार की मध्यरात्रि को ढह गया। हालांकि, इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। यह घटना मुथारम मंडल के ओडेडु गांव में घटी। जिसमें तेज हवाओं के कारण दो गार्डर गिर गए। गनीमत यह रही कि यह घटना देर रात को घटी, जिस समय घटनास्थल पर कोई मौजूद नहीं था। ग्रामीणों ने मंगलवार को घटना के बारे में पुलिस को जानकारी दी। एक किलोमीटर लंबे पुल पर काम 2016 से चल रहा है। हालांकि, बदलते ठेकेदारों और -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

लोस चुनाव के तीसरे चरण में 94 सीटों के लिए 1351 उम्मीदवार मैदान में

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के लिए 07 मई को होने वाले मतदान को लेकर नामांकन प्रक्रिया पूरी हो गई। इस चरण में 12 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों की 94 सीटों के लिए 1351 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। इसमें मध्य प्रदेश के बैतूल (एसटी) लोकसभा क्षेत्र के आठ उम्मीदवार भी हैं। इसके अतिरिक्त गुजरात के सूरत लोकसभा क्षेत्र का चुनाव निर्विरोध होने के कारण इसका आंकड़ा शामिल नहीं है। चुनाव आयोग के अनुसार तीसरे चरण में 95 संसदीय क्षेत्रों (बैतूल लोकसभा क्षेत्र) के लिए कुल 2963 नामांकन दाखिल किए गए थे। इस चरण के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 19 अप्रैल और नाम वापसी की अंतिम तारीख 22 अप्रैल थी। दाखिल किए गए सभी नामांकन पत्रों की जांच के बाद 1563 नामांकन वैध पाए गए। गुजरात में 26 संसदीय क्षेत्रों से अधिकतम 658 नामांकन फॉर्म थे, जिसमें से सूरत सीट पर चुनाव निर्विरोध हुआ है। इस कारण तीसरे चरण में गुजरात में सिर्फ 25 सीटों पर मतदान होगा। महाराष्ट्र में 11 संसदीय क्षेत्रों से 519 नामांकन थे। महाराष्ट्र में उस्मानाबाद क्षेत्र में अधिकतम 77 नामांकन फॉर्म प्राप्त हुए। छत्तीसगढ़ में लासपुर संसदीय क्षेत्र में 68 नामांकन फॉर्म प्राप्त हुए। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश के बैतूल लोकसभा सीट पर दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होना था लेकिन बसपा प्रत्याशी अशोक भलावी के निधन के कारण इस सीट पर चुनाव स्थगित कर दिया गया। अब इस चरण का मतदान तीसरे चरण में यानी 07 मई को होगा। इस चरण में इन सीटों पर होगा मतदान-असम की कोकराझाड़ (एसटी), धुबड़ी, बरपेटा, गुवाहाटी; बिहार की झंझारपुर, सुपौल, अररिया, मधेपुरा, खगड़िया; छत्तीसगढ़ की सरगुजा (एसटी), रायगढ़ (एसटी), जांजगीर-चांपा (एससी), कोरबा, बिलासपुर, दुर्ग और रायपुर। गोवा की उत्तरी गोवा और दक्षिणी गोवा। गुजरात की कच्छ (एससी), बनासकांठा, पाटण, महेसाणा, साबरकांठा, गांधीनगर, अहमदाबाद पूर्व, अहमदाबाद पश्चिम (एससी), सुरेंद्रनगर, राजकोट, पोरबंदर, जामनगर, जूनागढ़, अमरेली, भावनगर, आणंद, खेड़ा, पंचमहाल, दाहोद (एसटी), वडोदरा, छोटाउदेपुर (एसटी), भरूच, बारडोली (एसटी), नवसारी, बलसाड (एसटी)। कर्नाटक की चिक्कोडी, बेलगाम, बागलकोट, बीजापुर (एससी), गुलबर्गा (एससी), रायचूर (एसटी), बीदर, कोप्पल, बेल्लारी (एसटी), हावेरी, धारवाड़, उत्तर कन्नड़, दावणगेरे, शिमोगा। मध्य प्रदेश की मुरैना, भिंड (एससी), ग्वालियर, गुना, सागर, विदिशा और भोपाल। महाराष्ट्र की रायगढ़, बारामती, उस्मानाबाद, लातूर (एससी), शोलापुर (एससी), माधा, सांगली, सतारा, रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग, कोल्हापुर और हातकणंगले। उत्तर प्रदेश की सम्भल, हाथरस (एससी), आगरा (एससी), फतेहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, मैनपुरी, एटा, बदायूं, आँवला और बरेली। पश्चिमी बंगाल की मालदा उत्तर, मालदा दक्षिण, जंगीपुर और मुर्शिदाबाद। दादरा और नागर हवेली तथा दमन और दीव की दमन और दीव और दादरा और नागर हवेली (एसटी)। जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग-राजौरी।

पीएम मोदी के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रहा ईसी : श्रीनेत

गुवाहाटी। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि निर्वाचन आयोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ *संपत्ति के पुनर्वितरण* संबंधी उनकी टिप्पणी को लेकर की गई शिकायत पर कार्रवाई नहीं कर रहा है और ऐसे में पार्टी कानूनी उपाय तलाश रही है। श्रीनेत ने कहा कि निर्वाचन आयोग जैसी संस्थाओं पर लोगों का पूरा विश्वास होना चाहिए और अगर भरोसा हिल गया है तो उन्हें उसे बहाल करने के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान में नफरती भाषण दिए। मेरे सहयोगियों ने सोमवार को निर्वाचन आयोग से मुलाकात की और हमने उनके खिलाफ आरोप लगाए हैं। क्योंकि वे हमारी शिकायत पर कार्रवाई नहीं कर रहे हैं, हम कानूनी उपायों पर विचार कर रहे हैं। कांग्रेस ने सोमवार को राजस्थान में एक चुनावी रैली में *संपत्ति के पुनर्वितरण* वाली टिप्पणी के लिए मोदी के खिलाफ *उचित कार्रवाई* की मांग करते हुए निर्वाचन आयोग का रुख किया और आरोप लगाया कि टिप्पणियां *विभाजनकारी, दुर्भावनापूर्ण* थीं और एक विशेष धार्मिक समुदाय को लक्षित करती थीं। रविवार को, प्रधानमंत्री ने यह दावा करके एक राजनीतिक विवाद पैदा कर दिया था कि कांग्रेस के घोषणापत्र में सर्वेक्षण करने के बाद संपत्ति के *पुनर्वितरण* का वादा किया गया है। श्रीनेत ने कहा कि हमें उम्मीद है कि यह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होगा। लेकिन हमें इसके बहुत कम सबूत मिलते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के खिलाफ निर्वाचन आयोग की कार्रवाई के बारे में जितना कम कहा जाए, उतना बेहतर है। ईवीएम के उचित कामकाज पर श्रीनेत ने कहा कि भले ही एक व्यक्ति कहे कि उसका वोट उसे नहीं मिला जिसे देने का उसका इरादा था, लोगों का विश्वास बहाल करना निर्वाचन आयोग जैसी संस्थाओं का दायित्व है। उन्होंने बताया कि विपक्षी दल 100 प्रतिशत वीवीपैट गणना के लिए दबाव डाल रहे हैं, लेकिन निर्वाचन आयोग ने इसे स्वीकार नहीं किया है।

मणिपुर में हथियार के साथ दो यूकेएलएफ उग्रवादी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। मणिपुर में हथियार और गोला-बारूद की बरामदगी के साथ ही उग्रवादियों के पकड़े जाने का सिलसिला भी लगातार जारी है। इसी सिलसिले में सुरक्षा बलों के अभियान में यूकेएलएफ संगठन के दो उग्रवादियों को पकड़ा गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि सुरक्षा बलों ने चुराचांदपुर जिले के संगाईकोट थाने के पास यूकेएलएफ के इन दोनों सक्रिय कैडरों को पकड़ा। पकड़े गए कैडरों की पहचान टोंगहौखुप बाइट (27) और कामखोलुन गुइटे (45) के रूप में हुई है। अभियान में उनके कब्जे से मैगजीन के साथ एक 9 एमएम बेरेटा पिस्तौल, पांच जिंदा राउंड, एक दोपहिया वाहन, एक चाकू और दो मोबाइल फोन के साथ ही कुछ आपत्तिजनक वस्तुएं बरामद की गईं। आगे की जांच के लिए, मामला दर्ज कर लिया गया है।

निर्वाचन अधिकारी की प्रेक्षक उम्मीदवार के साथ बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। कामरूप (मेट्रो) जिला निर्वाचन अधिकारी ने गुवाहाटी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव 7 मई को पारदर्शी, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न करने के लिए आज एक बैठक बुलाई। कामरूप (मेट्रो) जिला आयुक्त कार्यालय मीटिंग हॉल में यह एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कामरूप (मेट्रो) जिला आयुक्त और जिला रिटर्निंग अधिकारी सुमित सत्तावन, सामान्य पर्यवेक्षक केशव सिंघानिया, पुलिस पर्यवेक्षक के रघुराम रेड्डी और व्यय पर्यवेक्षक टी जेम्स सिंघन ने भाग लिया। सामान्य प्रेक्षक ने सभी दलों से आग्रह किया कि वे चुनाव आचार संहिता के अनुसार कार्य करें और कोई शिकायत या आपत्ति होने पर तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित करें। इसी तरह पुलिस पर्यवेक्षक ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित सभी नियमों और विनियमों के अनुसार चुनाव कार्य किया जाएगा। बैठक में व्यय प्रेक्षक ने बताया कि चुनाव के लिए प्रत्येक प्रत्याशी के नाम पर पृथक बैंक खाता होना आवश्यक है तथा नामांकन पत्र दाखिल करने से लेकर मतदान के दिन तक उनके खातों की तीन बार जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक दल और प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवारों के चुनाव प्रचार, परिवहन आदि के खर्च की नियमित निगरानी की जा रही है। उल्लेखनीय है कि निर्वाचन व्यय से संबंधित शिकायतों के लिए व्यय प्रेक्षक का मोबाइल नंबर-98642-22411, सामान्य शिकायत के लिए सामान्य प्रेक्षक का मोबाइल नंबर- 60037-75696 में, पुलिस प्रेक्षक को कोई शिकायत की जाने की स्थिति में मोबाइल नंबर-99890-93764 पर संपर्क करें। बैठक में कामरूप (मेट्रो) जिला निर्वाचन अधिकारी सुमित सत्तावन ने चुनाव प्रक्रिया के सुचारू संचालन में सभी दलों का सहयोग मांगा।

ग्वालपाड़ा में ड्रग्स के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा पुलिस द्वारा चलाए जा रहे हैं ड्रग्स के विरुद्ध अभियान में लगातार सफलता मिल रही है। इसी सिलसिले में दो ड्रग्स तस्करों को हेरोइन के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। ग्वालपाड़ा पुलिस द्वारा मंगलवार को दी गई जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान में दोनों तस्करों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उनके कब्जे से 36.6 2 ग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद किया। दोनों ही तस्करों की तलाश पुलिस को काफी समय से थी। गिरफ्तार तस्करों के विरुद्ध एक प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

कटिहार और आनंद विहार टर्मिनल के बीच स्पेशल ट्रेन

गुवाहाटी (हिंस)। गर्मी में भीड़ के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने कटिहार और आनंद विहार टर्मिनल के बीच समर स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का निर्णय लिया है। समर स्पेशल ट्रेन संख्या 05721/05722 (कटिहार-आनंद विहार टर्मिनल-कटिहार) दोनों दिशाओं में दस-दस ट्रिप के लिए चलाई जाएगी। इस मार्ग पर चलने वाली अन्य ट्रेनों की प्रतीक्षा सूची वाले यात्री इन विशेष ट्रेनों में गरमी के दौरान आरामपूर्वक यात्रा करने के अवसर का लाभ उठा सकते हैं। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे आज बताया है कि स्पेशल ट्रेन संख्या 05721 (कटिहार-आनंद विहार टर्मिनल) 24 अप्रैल से 26 जून तक प्रत्येक बुधवार को कटिहार से 17:25 बजे रवाना होगी और गुरुवार को आनंद विहार टर्मिनल 18:50 बजे पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 05722 (आनंद विहार टर्मिनल-कटिहार) 25 अप्रैल से 27 जून तक प्रत्येक गुरुवार को आनंद विहार टर्मिनल से 23:25 बजे रवाना होगी और शनिवार को 01:30 बजे कटिहार पहुंचेगी। इन स्पेशल ट्रेनों में यात्रियों की सुविधा के लिए एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सीटिंग कोच रहेंगे। दोनों तरफ की यात्रा के दौरान यह स्पेशल ट्रेन वाया नवगछिया, बरौनी जंक्शन, छपरा, गोरखपुर जंक्शन, गोंडा जंक्शन, चंदौसी जंक्शन और हापुड़ जंक्शन आदि होकर चलेगी। टिकट उपलब्ध हैं।

मणिपुर पुलिस ने 189 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय दंड संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 189 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 253 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं।

पृष्ठ एक का शेष

न तो कांग्रेस ...

को आरोप लगाया कि तृणमूल शासन के तहत पश्चिम बंगाल में घुसपैठ बेरोकटोक जारी है। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के शासन में घुसपैठ बेरोकटोक जारी है। ममता दीदी सीएए का विरोध कर रही हैं और शरणार्थियों को नागरिकता नहीं मिलने दे रही हैं। अगर आप घुसपैठ और भ्रष्टाचार रोकना चाहते हैं, तो भाजपा को वोट दें। रोड शो अपराह्न करीब एक बजे मालदा दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र में प्रधान डाकघर मोड़ से रवींद्र प्रतिमा तक हुआ। फूलों और पार्टी के बैनरों से सजी गाड़ी के ऊपर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के नेताओं के साथ खड़े शाह ने भीड़ की ओर हाथ हिलाते देखा गया। भाजपा समर्थकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शाह की प्रशंसा में नारे लगाए। सड़क के दोनों ओर सैकड़ों लोग जमा थे। इस सीट पर तीसरे चरण में सात मई को मतदान होगा।

इसके सहारे पाकिस्तान...

बना है। यह पाकिस्तान की जनता के लिए सटीक है। कांग्रेस इस घोषणापत्र के साथ पाकिस्तान में चुनाव जीत सकती है। कांग्रेस का घोषणापत्र ऐसा है जो कि आम आदमी के संसाधनों को छीनेगा और देश की अर्थव्यवस्था को तबाह कर देगा। उन्होंने दावा कि भाजपा ने कांग्रेस के घोषणापत्र की सच्चाई जनता को बता दी है। सीएम हिमंत ने कहा कि वे कांग्रेस का चुनौती देते हैं कि सार्वजनिक मंच पर आएं और साबित करें कि ये घोषणापत्र तुष्टीकरण है या नहीं। सीएम विश्व ने पीएम मोदी के राजस्थान में दिए बयान को सही बताते हुए कहा कि हम सभी का देश के संसाधनों पर पूरा हक है। अब कांग्रेस पार्टी को यह बताने की जरूरत है कि उनकी ओर से बयान क्यों आया कि देश के संसाधनों पर कुछ समुदाय विशेष का पहला हक है। इसके साथ ही उन्होंने राहुल गांधी का भी मजाक उड़ाया।

रंगिया में सीएम ...

पर दरंग, उदालगुड़ी लोकसभा क्षेत्र के भाजपा के मनोनीत प्रार्थी दिलीप सैकिया, रंगिया के विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता, भाजपा जिलाध्यक्ष सुबल पाल और असंख्य भाजपा कार्यकर्ता शामिल रहे।

जहां हिंसा हुई...

अगली सुनवाई 26 अप्रैल को होगी। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सख्त निर्देश दिए कि यह उन निर्वाचन क्षेत्रों में लोकसभा चुनाव की अनुमति नहीं देगा, जहां रामनवमी के दौरान सांप्रदायिक हिंसा हुई थी। अदालत ने कहा कि अगर लोग 8 घंटे शांति से किसी भी पर्व का आनंद और जश्न नहीं मना सकते, तो हम चुनाव आयोग को ऐसे निर्वाचन क्षेत्रों में लोकसभा चुनाव नहीं कराने की सिफारिश करेंगे। अदालत ने सख्त लहजे में कहा कि यदि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बावजूद दो समूहों के लोग लड़ रहे हैं तो एक-दूसरे को अपने प्रतिनिधि को वोट देने का कोई हक नहीं है।

चकमा-हाजोंग को...

से इस सिलसिले में बात की है। किरण रिजिजू के इस बयान के बाद असम के विपक्षी दलों द्वारा इस मुद्दे को लेकर हो-हल्ला शुरू कर दिया गया है। कांग्रेस समेत राज्य के कई राजनीतिक दलों एवं गैर राजनीतिक संगठनों के नेताओं ने इस पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। चुनाव के मौके पर इस मुद्दे को भुनाने की पूरी कोशिशें की जा रही हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री ने इस सिलसिले में अपनी बात स्पष्ट रूप से कह दी है।

कांग्रेस नेता अंग्रेज...

का अधिकार दिया। अरुणोदय योजना के तहत महिलाओं को प्रत्येक महीने सहायता दी जा रही है। किसानों को कृषक सम्मान निधि के तहत सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घरों के जियो टैग के लिए अब रिश्वत देने की आवश्यकता नहीं है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भाजपा सरकार की कई योजनाओं की चर्चा की तथा पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर एक से बढ़कर एक आरोप लगाए।

आरक्षण न खत्म ...

पर मुसलमानों को देना चाहते थे। मोदी ने कहा कि मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं, क्या कांग्रेस एलान करेगी की संविधान में दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के आरक्षण को कम कर इसे मुसलमानों को नहीं बांटेगी। वे देश की जनता से वादा करें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस वालों से पूछो... कर्नाटक, आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में इन्होंने आरक्षण को मजहब के आधार पर बांटने का खेल क्यों शुरू किया था? प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की इन साजिशों के बीच मोदी आपको खुले मंच से गारंटी दे रहा है कि दलितों, पिछड़ों व आदिवासियों का आरक्षण खत्म नहीं होगा। ये मोदी की गारंटी है। मोदी ने कहा कि आरक्षण न खत्म होगा और न ही उसे धर्म के नाम पर बांटने दिया जाएगा। ये मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि मोदी, संविधान को समझता है। मोदी संविधान को समर्पित है, मोदी बाबा साहब आंबेडकर की पूजा करने वाला व्यक्ति है।

बदलते विश्व में ...

कि क्वाड इन्फ्रास्ट्रक्चर और एसटीईएम छात्रवृत्ति जैसे जनकेंद्रित लाभों के वितरण से क्षेत्र को समृद्ध मिलेगी। हमारा मानना है कि अब समय आ गया है कि ग्लोबल साउथ अपना दृष्टिकोण पेश करे और अंतर्राष्ट्रीय मामलों में बड़ी भूमिका निभाए। पिछले साल जी20 अध्यक्ष के रूप में हमने कई आसियान सदस्य देशों की भागीदारी के साथ वर्चुअल वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन आयोजित किया था। विदेश मंत्री ने कहा कि आसियान हमारी एक्ट ईस्ट पॉलिसी के केंद्र में है और भारत की व्यापक इंडो-पैसिफिक दृष्टि में एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। हम आसियान एकता, केंद्रीयता और इंडो-पैसिफिक पर आसियान आउटलुक का समर्थन करते हैं। भारत का मानना है कि एक मजबूत और एकीकृत आसियान हिंद-प्रशांत की उभरती क्षेत्रीय व्यवस्था में रचनात्मक भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत दक्षिण पूर्व एशिया में मैत्री और सहयोग की संधि को स्वीकार करने वाले पहले देशों में से एक था, जो क्षेत्र में शांति, समृद्धि और स्थिरता बनाए रखने के प्रति हमारे सामूहिक संकल्प को दर्शाता है। यह महत्वपूर्ण है कि नौवहन और हवाई उड़ान की स्वतंत्रता और निर्बाध वाणिज्य का सम्मान किया जाए और उसे सुगम बनाया जाए। समुद्र के कानूनों पर 1982 का संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन एक व्यापक कानूनी ढांचा प्रदान करता है और समुद्र के संविधान के रूप में कार्य करता है जिसके भीतर महासागरों और समुद्रों में सभी गतिविधियां की जानी चाहिए।

पर्याप्त संसाधनों के ...

नए जोश के साथ समाज की सेवा करने के मेरे संकल्प को मजबूत करती है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में नायडू को पद्म विभूषण से अलंकृत किया था। नायडू ने राजनेताओं में एक पार्टी से दूसरी पार्टी में जाने की प्रवृत्ति की निंदा की। उन्होंने कहा कि यह इतना व्यापक हो गया है कि कभी-कभी एक राजनीतिक दल से दूसरे राजनीतिक दल में जाने के कारण यह निर्धारित करना मुश्किल हो जाता है कि अमुक राजनेता किस दल से संबंधित है। राजनीति में इस तरह की पार्टीबाजी एक अस्वस्थ प्रवृत्ति का संकेत है। अपना स्वयं का उदाहरण देते हुए नायडू ने कहा कि वह अपने पूरे करियर में अपनी पार्टी के प्रति वफादार रहे और कभी भी किसी अन्य राजनीतिक दल में शामिल होने के बारे में नहीं सोचा। उन्होंने बताया कि यह स्थिति तब भी थी जब उनकी पार्टी बेहद कमजोर स्थिति में थी। नायडू ने कहा कि इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए दल-बदल विरोधी कानून को मजबूत करने की जरूरत है। पूर्व उपराष्ट्रपति ने देश के युवाओं से आगे आने और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की। उन्हें विकास और स्वस्थ्य समाज की आधारशिला बताते हुए नायडू ने भारत के युवा पुरुषों और महिलाओं से अपने तरीके से और अपने स्तर पर समाज की सेवा करने में रुचि लेने की अपील की। उन्होंने बताया कि समाज की सेवा ही राष्ट्रवाद और देशभक्ति का सार है और इसका मतलब राजनीति में जाना नहीं है।

मलेशिया में नौसेना...

से रिपोर्ट में कहा गया है कि मृतकों में तीन महिलाओं सहित चालक दल के सात सदस्य शामिल हैं। सभी के शव पोस्टमार्टम के लिए इपोह के राजा पेरमासुरी बैनुन अस्पताल भेजे गए हैं। पेराक पुलिस प्रमुख कामरेड दातुक सेरी मोहम्मद युसरी हसन बसरी ने कहा है कि घटना की जांच शुरू कर दी है। जांच का नेतृत्व नौसेना, अग्निशमन बचाव विभाग और पुलिस विभाग के अधिकारी कर रहे हैं। रॉयल मलेशियाई नौसेना के स्क्वाड्रन 503 ने हादसे में हताहत अपने चार सहयोगियों के निधन पर शोक व्यक्त किया है। सेपंगार में रॉयल मलेशियाई नौसेना के जनसंपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कमांडर मोहम्मद फदजिल सलेह ने कहा है कि हादसे में हताहत स्क्वाड्रन 503 के कमांडिंग ऑफिसर कमांडर मुहम्मद फिरदौस रामली अनुभवी पायलट थे। पीड़ित परिवारों को दोपहर 1:20 बजे रॉयल मलेशियाई वायुसेना के विमान से कोटा किनाबालु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 के माध्यम से कुआलालंपुर के लिए रवाना किया गया।

दूसरे चरण में राजस्थान ...

रही है। बांसवाड़ा में बाप की तरफ से राजकुमार रोत मैदान में हैं। दूसरे चरण में ज्यादातर सीटों पर कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधी जंग है तो बाड़मेर में निर्दलीय प्रत्याशी रविंद्र सिंह भाटी ने त्रिकोणीय मुकाबला बना दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत साल 2019 का लोकसभा चुनाव हार गए थे। इस बार वैभव को जोधपुर की जगह पर जालोर सीट से कांग्रेस ने मैदान में उतारा है। भाजपा ने पूर्व जिलाध्यक्ष लुम्बाराम चौधरी पर भरोसा जताया है। जालोर सीट पर अशोक गहलोत ने अपने पुराने अनुभव और मशीनरी को झोंक रखा है। वैभव के लिए इस सीट पर जीत की राह उतनी आसान नहीं है, क्योंकि पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी मात खानी पड़ी थी। जालोर सिरोही सीट पर माली समाज बड़ी संख्या में है। माली समाज के यहां एक लाख से सवा लाख के बीच मतदाता हैं, जो परंपरागत भाजपा के वोटर माने जाते हैं। पिछला चुनाव कांग्रेस यहां पर 2 लाख 61 हजार वोटों से हारी थी। इस बार ये तय है कि वोट तो बंटेंगे, लेकिन कितने? सांचौर को जिला बनाने का फायदा भले सुखराम विश्नोई को नहीं मिला, लेकिन कांग्रेस को जरूर मिल रहा है। इसी के चलते गहलोत ने अपने बेटे वैभव को उतारा है ताकि सियासी लाभ लिया जा सके। वसुंधरा राजे के बेटे दुष्यंत सिंह झालावाड़ लोकसभा सीट पर पांचवीं बार मैदान में हैं। वो चार बार सांसद रह चुके हैं। दुष्यंत के सामने इस बार भी मुकाबला करने वाला मजबूत प्रत्याशी नहीं है। गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे प्रमोद भाया जैन की पत्नी उर्मिला चुनावी मैदान में हैं। वसुंधरा के चुनावी प्रचार की कमान संभालने के बाद झालावाड़ इलाके में कांग्रेस के लिए चुनौती बढ़ गई है। यह इलाका वसुंधरा राजे का मजबूत गढ़ माना जाता है। वसुंधरा ने जब से सियासत में कदम रखा है, कांग्रेस अभी तक सेंधमारी नहीं कर सकी है। बाड़मेर लोकसभा सीट राजस्थान की सबसे चर्चित सीटों में से एक है। इसके पीछे वजह हैं यहां से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे रविंद्र सिंह भाटी। भाटी के नामांकन से लेकर रैलियों तक जिस तरह की भीड़ जुट रही है, उससे कांग्रेस और भाजपा दोनों के लिए टेंशन बन गई है। यहां भाजपा से केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी मैदान में हैं, जबकि कांग्रेस ने इस सीट पर उम्मेदा राम बेनीवाल को उम्मीदवार बनाया है। उम्मेदा राम बेनीवाल की भी यहां अच्छी पकड़ है। ऐसे में रविंद्र भाटी ने मुकाबले को त्रिकोणीय बना दिया है। जोधपुर लोकसभा सीट राजस्थान की हाई प्रोफाइल सीटों में है, जहां मुकाबला एकतरफा नहीं, बल्कि करीबी है। जोधपुर सीट पर भाजपा की तरफ से केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत चुनाव लड़ रहे हैं। शेखावत यहां से 2014 और 2019 में भी जीत दर्ज कर चुके हैं। पिछली बार उन्होंने प्रदेश के पूर्व सीएम अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को हराया था। इस बार कांग्रेस ने यहां से करण सिंह उचियारड़ा को टिकट दिया है। करण सिंह भी गहलोत की तरह राजपूत समुदाय से आते हैं, जिसके चलते भाजपा के लिए टेंशन बने हुए हैं। गजेंद्र सिंह शेखावत अपनी सीट से बाहर निकल नहीं पा रहे हैं। कोटा लोकसभा सीट भी हाई प्रोफाइल सीटों में एक है। यहां से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को भाजपा ने लगातार तीसरी बार अपना उम्मीदवार बनाया है। ओम बिरला ने पिछले दो चुनावों यानी 2014 और 2019 में अच्छे खासे वोटों से जीत दर्ज की, लेकिन इस बार जीत इतनी आसान नहीं मानी जा रही है। ओम बिरला के खिलाफ कांग्रेस ने प्रह्लाद गुंजल को उतार रखा है। प्रह्लाद गुंजल चुनाव से पहले भाजपा छोड़कर कांग्रेस में आए हैं। गुंजल गुर्जर समुदाय से आते हैं। इतना ही नहीं गुंजल किसी समय ओम बिड़ला के विश्वस्त माने जाते थे, लेकिन बदली सियासी परिस्थितियों के चलते अब वह बिरला को ही चुनौती दे रहे हैं। इस सीट के सियासी समीकरण और 10 सालों का काम काज ओम बिरला के अनुकूल हैं लेकिन गुंजल के चुनावी मैदान में आने से जातीय समीकरण के आधार पर इस सीट पर भी मुकाबला दिलचस्प हो गया है। चित्तौड़गढ़ लोकसभा सीट पर इस बार सबकी नजर टिकी है, यहां मुकाबला काफी रोचक है। एक तरफ भाजपा से प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी एक बार फिर से चुनावी मैदान में हैं। कांग्रेस से अंजना उदयलाल और बहुजन समाज पार्टी से मेघवाल राधेश्याम मैदान है। जोशी के सामने गहलोत सरकार के पूर्व मंत्री उदयलाल आंजना के उतरने से कांटे की लड़ाई बन गई है। विधानसभा चुनाव से ही चंद्रभान सिंह आक्या के साथ उनकी सियासी अदावत चल रही है और आक्या का टिकट कटने के बाद उन्हें विधानसभा चुनाव में निर्दलीय के रूप में जीत मिली थी। इस तरह समीकरणों से जोशी को भितरघात का खतरा बना हुआ है। पाली लोकसभा सीट पर भाजपा की पीपी चौधरी मैदान में है तो कांग्रेस से संगीता बेनीवाल चुनावी मैदान में उतरी है। भाजपा प्रत्याशी मोदी के नाम और काम के दम पर वोट मांग रहे हैं तो कांग्रेस की संगीता ने स्थानीय मुद्दों को उठा रही हैं। वहीं, बांसवाड़ा लोकसभा सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला बनता नजर आ रहा है। कांग्रेस प्रत्याशी अरविंद डामोर भी मैदान में हैं। प्रत्याशी की मौजूदगी के बावजूद अब कांग्रेस का एक धड़ा बीएपी प्रत्याशी राजकुमार रोत के समर्थन में वोटिंग करने की अपील कर रहा है। कांग्रेस से भाजपा में आए गहलोत सरकार के पूर्व मंत्री और इस इलाके के बड़े नेता महेंद्रजीत सिंह मालवीय मैदान में हैं। भीलवाड़ा लोकसभा सीट पर कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी मैदान में हैं। डॉ. जोशी के सामने उतरने से भाजपा के दामोदर अग्रवाल के लिए चुनौती बढ़ गई है। वहीं, राजसमंद लोकसभा सीट पर भाजपा से विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ की पत्नी महिमा सिंह मेवाड़ को प्रत्याशी बनाया है। ये सीट भाजपा के लिए सुरक्षित मानी जाने वाली सीटों में गिनी जाती है। इस सीट पर कांग्रेस ने प्रत्याशी को बदल कर दामोदर गुर्जर को उतारा है, लेकिन इस बदलाव के बाद सियासी समीकरण बदले हुए नजर आ रहे हैं। मेवाड़ लोकसभा सीट भाजपा खुद के लिए मजबूत मानती है। दर्जी कन्हैयालाल की बर्बर हत्या के बाद से यहां धर्म और भी बड़ा मुद्दा बन गया है। यहां भाजपा से मन्नालाल रावत मैदान में है तो कांग्रेस से प्रत्याशी ताराचंद मीणा है। यहां गठबंधन के बावजूद बीएपी से प्रकाशचंद्र बुझ खड़े हुए हैं। कांग्रेस का वोट बैंक में सेंध का पूरा खतरा है। टोंक सवाईमाधोपुर भी उन सीटों में से एक है, जहां चुनाव फंसा हुआ है। भाजपा से सांसद सुखबीर सिंह जोनापुरिया मैदान में हैं और उनके सामने विधायक हरीश मीणा ताल ठोक रखी है। यहां गुर्जर-मीणा वोटों का ध्रुवीकरण देखने को मिल रहा है। मीणा सचिन पायलट खेमे के होने के कारण यहां गुर्जर वोट बैंक में कांग्रेस अच्छी सेंध लगाती नजर आ रही है। अजमेर लोकसभा सीट से रामचंद्र चौधरी कांग्रेस मैदान में है तो भाजपा से भगीरथ चौधरी किस्मत आजमा रहे हैं।

तेलंगाना में तेज...

पैसों की कमी के कारण निर्माण कार्य में लगातार देरी हो रही थी। इस बीच, स्थानीय लोगों ने अंतरिम रूप से एक अस्थायी मार्ग का उपयोग करना शुरू कर दिया है। इस पुल का निर्माण जयशंकर भूपालपल्ली जिले के ओडेडु को गार्मिलपल्ली गांव से जोड़ने के लिए किया जा रहा है। पुल की नींव 2016 में रखी गई थी। इसकी अनुमानित लागत 47.40 करोड़ रुपए है और इसे एक साल के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था। पुल का निर्माण पूरा होने पर मंथनी और परकल तथा भूपालपल्ली और जम्मीकुंटा कस्बों के बीच की दूरी लगभग 50 किलोमीटर कम होने की उम्मीद है। पुल के नीचे एक अस्थायी सड़क का उपयोग स्थानीय लोगों द्वारा आवागमन के लिए किया जा रहा था। गुस्साए स्थानीय लोगों ने कहा कि आठ साल बाद भी पुल पूरा नहीं हो सका क्योंकि ठेकेदार ने बीच में ही काम बंद कर दिया था।

ताइवान में छह ...

राजधानी ताइपे में कई इमारतें झुक गई हैं। जापान, चीन और फिलिपींस में भी हल्के झटके महसूस किये गए। फिलहाल किसी नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है। इससे पहले इसी माह 3 अप्रैल को ताइवान में 7.2 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें करीब 14 लोगों की मौत हो गई थी। तब से अब तक ताइवान में सैकड़ों झटके महसूस किए हैं। फायर डिपार्टमेंट ने बताया कि काउंटी हुलिएन में 3 अप्रैल को आए भूकंप में क्षतिग्रस्त हुआ होटल ताजा झटकों के कारण थोड़ा और झुक गया है। ताइवान की टेक्टोनिक प्लेटों के जंक्शन पर बसा देश है, जो भूकंप के लिहाज से सेंसिटिव माना जाता है। 2016 में दक्षिणी ताइवान में आए भूकंप में 100 से अधिक लोग मारे गए थे। इससे पहले 1999 में 7.3 तीव्रता के भूकंप में 2,000 से अधिक लोग मारे गए थे।

राजनीतिक दलों के ...

आपत्तिजनक टिप्पणी पर तुरंत सूचित करें। ऐसी शिकायतों पर आयोग की ओर से पूर्व में भाजपा व कांग्रेस पार्टी के नेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी की जा चुकी है। इस दौरान कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला को प्रचार के लिए बैन करने जैसी कार्रवाई भी की गई है।

अजमल ने चुनावी मंच पर पटका माइक

हैलाकांदी (हिंस)। एआईयूडीएफ प्रमुख तथा निर्वतमान सांसद मौलाना बदरुद्दीन अजमल ने मंगलवार को बराक घाटी के हैलाकांदी में एक चुनावी कार्यक्रम के दौरान मंच पर माइक को पटक कर फोड़ दिया। घटना के अनुसार अपनी पार्टी के उम्मीदवार के समर्थन में अजमल एक चुनावी कार्यक्रम को संबोधित करने के लिए मंच पर पहुंचे। वे बार-बार माइक में बोलने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन आवाज नहीं आ रही थी। इस पर पहले तो अजमल ने मंच पर मौजूद अपनी पार्टी के तीन विधायकों को अक्षम कहा और उन्हें खड़ी-खोंटी सुनाई। इतने पर ही अजमल नहीं रुके। वह गुस्से में आकर माइक को मंच पर पटक दिया, जिससे माइक चकनाचूर हो गया। माइक को पटकने के बाद अजमल मंच पर से उतरे और कार्यक्रम स्थल से वापस चले गए। लोगों की भीड़ वहां जुटी ही रह गई। सांसद अजमल द्वारा इस तरह का व्यवहार पहले भी कई बार होता रहा है। मंच पर वे अचानक कई बार गुस्से में आकर कथित रूप से अजीब हरकतें किया करते हैं। वहीं, अजमल पत्रकारों के सवालों के जवाब हमेशा ही कड़वे अंदाज में देते हैं।

धर्मांतरण हमारे देश की ज्वलंत समस्या है : वशिष्ठ बुजरबरुवा

गुवाहाटी (हिंस)। दस राष्ट्रीय संगठनों के सदस्यों ने मंगलवार को उदालगुड़ी जिले के खैराबारी में सामुदायिक हॉल में विभिन्न प्रकार के राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए बैठक की। विशेष रूप से संगठनों ने भाषा, संस्कृति और परंपरा के क्षेत्र में संकट पर गहरी चिंता व्यक्त की। आने वाले वर्षों में, वे विशेष रूप से सोचते हैं कि वे अपनी संबंधित भाषा और सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करने के लिए एक ही मंच पर एक साथ कैसे काम करेंगे। हर कोई मानता है कि यह समाज के लिए अच्छा संकेत नहीं है कि कैसे हमारा समाज धीमे जहर की तरह पश्चिमी संस्कृति की चपेट में आए दिन अपना स्वाभिमान भूलता जा रहा है। ज्ञात हो कि आज की बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, असम क्षेत्र के क्षेत्र प्रचारक वशिष्ठ बुजरबरुवा ने भाग लिया। बैठक में संगठनों ने अपने-अपने संगठनों की कार्यप्रणाली

के बारे में प्रस्तुति दी और उनसे उनके द्वारा उठाए गए कदमों में सभी की मदद करने का आग्रह किया। दूसरी ओर, वशिष्ठ बुजरबरुवा ने अपने भाषण में कहा कि धर्मांतरण हमारे देश में एक ज्वलंत समस्या है और इस धर्मांतरण के पहले शिकार हमारे समाज के गरीब आदिवासी लोग हैं। उन्होंने कहा कि उनकी गरीबी का फायदा उठाते हुए और विभिन्न प्रलोभनों के साथ धर्मांतरण की प्रक्रिया ने उनकी जातीय भाषा, धर्म और संस्कृति के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा पैदा कर दिया है। उन्होंने कहा कि धर्म और संस्कृति के बिना राष्ट्र कभी भी पूर्ण राष्ट्र के रूप में पहचाना नहीं जा सकता। धर्मांतरण करते ही व्यक्ति ने पहले धार्मिक रीति-रिवाजों को बदला और धीरे-धीरे पूर्व के पारंपरिक रीति-रिवाजों को बदल दिया, जैसे कि पारंपरिक आदिवासी रीति-रिवाज जैसे शादी, मृतकों का दाह संस्कार आदि, और अंत में सब कुछ त्याग दिया। यदि यह धर्मांतरण प्रक्रिया इसी तरह जारी रही तो असम की जनजातियां- बोड़ो, तिवा, कार्बी, डिमासा, गारो, राभा, मिसिंग आदि शीघ्र ही अपनी मूल भाषा, धर्म, संस्कृति और पारंपरिक रीति-रिवाजों को खो देंगी। उन्होंने कहा कि पारम्परिक रीति-रिवाजों को भूलकर केवल पोशाक ही बोड़ो, तिवा, कार्बी, दिमासा, गारो, राभा, मिशिंग आदि रह जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी की अपनी भाषा, धर्म, संस्कृति के पारंपरिक रीति-रिवाज किसी राष्ट्र की पहचान के प्रमुख तत्व हैं। धर्म परिवर्तन का अर्थ है संस्कृति में परिवर्तन। यही कारण है कि धर्म खो जाने पर संस्कृति खो जाती है। धर्म संस्कृति के बिना राष्ट्र नहीं हो सकता। जैसे-जैसे धर्म बदलता है, संस्कृति बदलती है। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र की अपनी भाषा, धर्म, संस्कृति और परंपरा को एक दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता है और कहा कि अगर वह अपनी भाषा, धर्म, संस्कृति और पारंपरिक रीति-रिवाजों को त्याग देता है, तो उस राष्ट्र का अस्तित्व गायब हो जाता है।

किशोरी को भगाकर ले जानेवाला मस्जिद का इमाम गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। किशोरी को भगाकर ले जानेवाले मस्जिद के इमाम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हाजो के कन्या थाना क्षेत्र के धुहीबाला में मस्जिद के इमाम मिन्हाज अहमद की करतूतों ने इलाके के लोगों को शर्मशार कर दिया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि चौमुखा मस्जिद के इमाम मिन्हाज द्वारा एक किशोरी को भगाकर ले जाने संबंधी शिकायत मिली। घटना के बाद लड़की के परिजनों ने पुलिस से संपर्क किया। परिवार की प्राथमिकी के आधार पर कन्या पुलिस ने असम-बंगाल सीमा से इमान मिन्हाज को गिरफ्तार किया और किशोरी को बचाया। पुलिस को इस बात का शक है कि इमाम मिन्हाज महिला को बेचने वाले गिरोह में शामिल हो सकता है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। खबर आने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय एक व्यक्ति ने कहा कि मुस्लिम समाज में इमामों को धर्मगुरु कहा जाता है। मस्जिद में पांच वक्त की नमाज अदा करते समय बच्चों को धर्म का ज्ञान दिया जाता है। लेकिन, इस तरह के पवित्र पेशे में होकर इमाम मिन्हाज ने मुस्लिम समाज के साथ बहुत बड़ा विश्वासघात किया है।

नगरबेड़ा के होली चाइल्ड अकादमी से पास आउट विद्यार्थियों का सम्मान

नगरबेरा (विभास)। कामरूप जिले के बोको-छयगांव निर्वाचन क्षेत्र के नगरबेरा में एक निजी क्षेत्र के शैक्षणिक संस्थान होली चाइल्ड अकादमी से इस बार हाई स्कूल फाइनल परीक्षा में इस बार सभी परीक्षार्थी अच्छा फल प्राप्त करने पर उन्हें सम्मानित करने के लिए आज स्कूल परिसर में एक सम्मान सभा आयोजित की गई। गौरतलब है कि इस बार घोषित परिणामों के अनुसार वह स्कूल से 100 प्रतिशत पास होकर स्कूल का नाम रोशन करने में सफल रहे हैं। हाल ही में घोषित हाईस्कूल परीक्षा में अकादमी से 2 स्टार अंकों के साथ कुल 6 प्रथम श्रेणी और 1 द्वितीय श्रेणी उत्तीर्ण हुई। स्कूल के प्रांगण में आयोजित सम्मान सभा की अध्यक्षता स्कूल के प्रधानाचार्य निर्मल चंद्र भोई ने की। बैठक में स्कूल से पास होने वाले छात्रों ने फूलम गमोसे से सम्मानित किया। बैठक में अकादमी के प्राचार्य निर्मल चंद्र भोई और प्रबंध निदेशक उपस्थित थे। अमजद हुसैन ने उद्देश्य के शैक्षिक पहलू पर छात्रों को महत्वपूर्ण भाषण दिए। कार्यक्रम में स्कूल के उप-प्रधानाचार्य धर्मेंद्र तालुकदार, मुख्तार अली, रफीकुल हक, शिक्षक, छात्र और माता-पिता के एक वर्ग ने भाग लिया। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि अकादमी के अधिकारियों ने कहा है कि वे उन गरीब छात्रों को विशेष सहायता प्रदान करेंगे जो अकादमी में अध्ययन करना चाहते हैं।

लोकसभा चुनाव के लिए रंगिया में प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह से तैयार

रंगिया (विभास)। आगामी 26 अप्रैल, 2024 को आयोजित होने वाले दूसरे चरण के लोकसभा चुनाव 2024 के लिए रंगिया निर्वाचन जिले में समूची प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह से तैयार हो गई है। रंगिया के महकमाधिपति तथा जिला निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय में टोल फ्री नंबर 1950 और मोबाइल नंबर 88760-80419 के माध्यम से जनता की किसी भी समस्या के समाधान के लिए 24×7 नियंत्रण कक्ष और शिकायत निवारण प्रणाली सक्रिय की गई है। रंगिया चुनावी जिले के अंतर्गत दो निर्वाचन क्षेत्रों क्रमशः रंगिया विधानसभा क्षेत्र संख्या 31 और कमलपुर विधानसभा क्षेत्र संख्या 32 में कुल 3,92,291 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। कुल मतदाताओं में 1,98,423 पुरुष और 1,93,868 महिलाएं

हैं। कुल 476 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें से 252 मतदान केंद्र 31वें रंगिया विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत हैं और 224 मतदान केंद्र 32वें कमलपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत हैं। सात (7) मतदान केंद्रों की पहचान जटिल मतदान केंद्रों के रूप में की गई है; जिनमें से पांच (5) रंगिया विधानसभा क्षेत्र और दो (2) कमलपुर विधानसभा के अंतर्गत हैं। आज जिला निर्वाचन अधिकारी देवाशीष गोस्वामी ने मीडिया को संबोधित करते हुए मतदाताओं से बड़ी संख्या में आगे आकर मतदान करने की अपील की। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि क्षुद्र पर्यवेक्षकों के साथ जटिल मतदान केंद्रों में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए केंद्रीय सशस्त्र सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। इसके अलावा सभी जटिल मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की जाएगी। सभी महिला मतदान कर्मचारियों द्वारा संचालित 40 मतदान केंद्रों के साथ, 31वें रंगिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र और 32वें कमलपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में दो दो कुल (4) आदर्श मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। रंगिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के तहत मतदान केंद्र संख्या 26 गुरुकुची जेबी स्कूल (दायी शाखा) और कमलपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के तहत मतदान केंद्र संख्या 40 पर दो नगांव एलपी स्कूल (बायीं शाखा) में (2) युवा मतदान केंद्र युवाओं द्वारा संचालित किए जाएंगे इसके अलावा, मतदान केंद्र संख्या 27 गुरुकुची जेबी स्कूल (बायीं शाखा) विशेष रूप से सक्षम मतदाता केंद्र स्थापित किया गया। निर्वाचन जिले में चुनाव प्रक्रिया में लगे सभी मतदान कर्मियों का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। चुनाव प्रक्रिया के सफल संचालन के लिए 1904 पीठासीन अधिकारी (आरक्षित श्रेणी के बाहर) और 160 महिला मतदान अधिकारी लगाए गए हैं। इसके अलावा, कानून और व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए 30 क्षेत्रीय बल और 210 यूनिट बल तैनात किए गए हैं। इसके अलावा 6 क्षेत्रीय मामलों और 42 खंड अधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

45वां बेलतला निर्माण महोत्सव संपन्न

गुवाहाटी। बेलतला बोहागी उत्सव समिति ने पिछले वर्षों की तरह, की तरह इसबार 19, 20 और 21 अप्रैल को बेलतला स्कूल मैदान में एक रंगारंग तीन दिवसीय कार्यक्रम के साथ 45वें बोहागी उत्सव का आयोजन किया। बेलतला बोहागी उत्सव समिति भारत रत्न सुधाकांत डॉ. भूपेन हजारिका के सम्मान में 2012 से साहित्यिक और सांस्कृतिक जगत के दिग्गजों को पुरस्कार प्रदान कर रही है। इस वर्ष, प्रसिद्ध अभिनेता जॉर्ज बेकर, जो असमिया फिल्म उद्योग में एक प्रमुख व्यक्ति हैं, को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रसिद्ध गायक समर हजारिका ने 21 अप्रैल की रात को मिस्टर बेकर को पुरस्कार प्रदान किया। इस पुरस्कार में 2,00,000 रुपए का नकद पुरस्कार, एक प्रशस्ति पत्र, एक स्मारिका, एक पैट गामुसा, एक चेलेंग साडोर, एक राइनो स्मृति चिन्ह और एक फूलम शामिल है। जापी, और अन्य वस्तुओं के अलावा डॉ. भूपेन हजारिका की एक प्रतिमा। पुरस्कार प्राप्त करने पर, प्रसिद्ध अभिनेता जॉर्ज बेकर ने समिति के प्रति आभार व्यक्त किया और निरोध चौधरी, अब्दुल माजिद और भूपेन हजारिका जैसे व्यक्तियों के योगदान को स्वीकार किया। बेकर ने उस घटना को बड़े चाव से याद किया जब भूपेन हजारिका ने उन्हें मंच पर आमंत्रित किया था और उन्हें अपने बेटे के रूप में पेश किया था। इस अवसर पर वर्ष 2021 के लिए डॉ. भूपेन हजारिका पुरस्कार के लिए चयनित प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता एवं प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. सुशील कुमार जैन ने इस वर्ष यह पुरस्कार प्राप्त किया। उन्होंने विनम्रतापूर्वक पुरस्कार स्वीकार किया और भविष्य में अपनी सामाजिक सेवा जारी रखने का वादा करते हुए समिति के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह में बेलतला बोहागी उत्सव समिति के मुख्य संरक्षक रतुल बरुआ और नारायण डेका उपस्थित थे। 2024 के लिए पटमदोई उपाधि नगांव के निर्जुमा काकाती को प्रदान की गई, जिन्हें एक प्रशस्ति पत्र और एक स्मृति चिन्ह के साथ 2,00,000 रुपए का नकद पुरस्कार मिला। इसी तरह, सर्वश्रेष्ठ बिहू हुसोरी टीम का पुरस्कार रंगमन अंजोरी बिहू हुसोरी टीम ने जीता। दूसरा पुरस्कार रंगहार बिहू हंचरी टीम को दिया गया, जिसे 51,0 रुपए का नकद पुरस्कार मिला। गायक रूपम भुइयां को अप्रैल में मन्मथ वैश्य मेमोरियल अवार्ड प्रदान किया गया।

राज्यभर के साथ महानगर में भी धूमधाम से मना हनुमान जन्मोत्सव

गुवाहाटी (विभास)। श्री मारुति मंडल दिसपुर एवं श्री हनुमान मंदिर गणेशगुड़ी के संयुक्त तत्वावधान में गणेश उद्यान प्रांगण में हनुमान जयंती उत्सव का पालन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। समारोह की शुरुआत प्रात: पूजा, हवन एवं अभिषेक से की गई एवं दोपहर 12:30 बजे महा आरती की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्राइड ईस्ट एंटरटेनमेंट की सीएमडी रिनीकी भुइयां ने बाबा की ज्योत लेकर आशीर्वाद ग्रहण किया। श्रीमती भुंईया को मारुति मंडल के सदस्यों ने दुपट्टा पहना कर श्री राम की प्रतिमूर्ति भेंट की। हनुमान मंदिर प्रांगण में भी पूजा के दौरान मंदिर के पुजारी ने श्रीमती भुंईया को दुपट्टा पहना कर आशीर्वाद दिया। श्रीमती भुंईया ने हनुमान जी की पूजा कर हनुमान जी को माला अर्पण की। इसके अलावा स्थानीय महिला संगठनों ने भी उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर श्रीमती भुंईया ने अपने संबोधन में सभी को हनुमान जन्मोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गणेश उद्यान में सभी समुदायों के कार्यक्रम होते रहते हैं। जैसे बिहू, गणेश पूजा, हनुमान जयंती आदि। यहां गणेश मंदिर ट्रस्ट ने हनुमान मंदिर की स्थापना कर इस क्षेत्र के लिए मंगल कार्य किया है। इस मंदिर में सालासर धाम की ज्योति की प्रतिष्ठा से सालासर बाबा के दर्शन यही ही हो जाते हैं। इस अवसर पर उनके साथ प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर पायल चड्ढा भी थी। दोपहर भंडारे में असंख्य श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। एक बजे से से भजनों का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। जिसमें कोलकाता के आकाश पोद्दार, सोनू सिंह और शेखर शर्मा ने भजनों की श्रृंखला प्रस्तुत की। हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में संपूर्ण मंदिर व गणेश उद्यान को सजाकर तैयार किया गया था। बाबा की ज्योत प्रज्ज्वलित करके छप्पन भोग का प्रसाद लगाया गया। बाबा के दर्शन के लिए काफी लंबी लाइन लगी हुई थी एवं कई सवामणी प्रसाद का भोग भी हनुमान जी को लगाया गया। **गुवाहाटी** से हमारे संवाददाता के अनुसार आठ गांव स्थित श्री गौहाटी गौशाला के प्राचीन हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में यजमान के रूप में पीतराम व शारदा केडिया ने हनुमान जी की पूजा अर्चना कर लड्डू का भोग लगाया। इसके पश्चात हनुमान जी की ज्योत प्रज्ज्वलित कर आरती की गई तथा भक्तों के बीच खीर और लड्डू का प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर गौशाला के ट्रस्टी इंचार्ज अशोक धानुका के अलावा घनश्याम धानुका, गौतम शर्मा, पवन गुप्ता पंकज केडिया, सुनील बाजोरिया एवं अन्य कई श्रद्धालु उपस्थित थे। **होजाई** से हमारे संवाददाता के अनुसार होजाई के श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति के बैनर तले तीन दिवसीय हनुमान जन्मोत्सव का शुभारंभ नैना भीराम झांकियां के साथ हुआ। श्री बालाजी इंजीनियरिंग से निकली शोभा यात्रा में माताएं बहने बच्चे हाथों में ध्वजा लिए शहर के जेके केडिया रोड से होते हुए नया बाजार चारआली तक पहुंचे और उसके पश्चात वहां से शोभा यात्रा है पुन: लक्ष्मी नारायण मंदिर पहुंची। शोभा यात्रा के दौरान हनुमान भक्तों द्वारा लगाए जा रहे जयकारों से शहर गूंजयमन हो रहा था। वही झांकियां को देखने के लिए शहर के दोनों और लोगों की भीड़ उम्र पड़ी और लोगों ने जमकर अपने मोबाइल में झांकियां के दृश्य को कैद किया। उल्लेखयोग्य है कि श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति मारवाड़ी पंचायती के तत्वाधान में इस बार अपना रजत जयंती वर्ष धूमधाम से आयोजित कर रही है। वही आज महापूर्णिमा के उपलक्ष पर श्री बालाजी महाराज का सहस्त्रभिषेक, सिंगार, पूर्णिमा की महजोत, महा आरती आयोजित हुई। जहां विद्वान पंडित सुरेंद्र जोशी व सुनील शास्त्री ने यजमान विनय नेहा सरावगी से विधिवत पूजा अर्चना करवाई। मंदिर पेरिस भक्तों की भीड़ से खचाखच भरा हुआ था व मंदिर का वातावरण राम, हनुमान में हो गया। आज मंदिर में समाजसेवी जगदीश सुरेका व परमानंद सुरेका के कर कमलों से झांकियां का उद्घाटन हुआ। इस कार्यक्रम से पहले दोनों महानुभावों का व उनके पुत्र अभिषेक सुरेका व राजा सुरेका का स्वागत किया गया। इस दौरान मारवाड़ी पंचायती के अध्यक्ष लावण्या अग्रवाला, सचिव रमेश मुंदडा, कार्यक्रम संयोजक प्रवीण सरावगी, दिनेश दीक्षित, मनोज केजरीवाल, राजेश बजाज सहीत समाजसेवी मनोज शर्मा, भगवान सन, निखिल कुमार मूंदड़ा, कृष बजाज भारी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित थी। वहीं शहर के विभिन्न हनुमान मंदिरों में महापूर्णिमा के दिन भक्तों की भीड़ देखी गई। **गुवाहाटी** से हमारी संवाददाता के अनुसार फैंसी बाजार एसआरसीबी रोड स्थित सीताराम ठाकुरबाड़ी पंचमुखी हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में विशेष पूजा अर्चना करके महाअभिषेक किया गया। इस अवसर पर मंदिर को गुब्बारों से आकर्षक रूप से सजाया गया। महाप्रसाद का भोग लगाकर भक्तों में वितरित किया गया। **कोकराझाड़** से हमारे संवाददाता के अनुसार जिले में धूमधाम से हनुमान जयंती मनाया गया। जिले के कोकराझाड़, गोसाईगांव, फकीराग्राम, सालाकाटी श्रीरामपुर आदि इलाकों के हनुमान मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ी रही। वहीं जिले के फकीराग्राम पुराणिक शिव मंदिर में मारवाड़ी समाज के द्वारा हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में भव्य आयोजन किया गया। इसके अलावा शिव मंदिर से एक रैली निकाला गया। रैली में काफी संख्या में भक्तगण उपस्थित थे। यह रैली फकीराग्राम शहर के विभिन्न इलाकों से होकर गुजरा और भक्तिमूल्क ध्वनि से पूरा इलाका गूंज उठा। दूसरी ओर फकीराग्राम रेलवे हनूमान मंदिर में भी धूमधाम से हनुमान जयंती मनाया गया। यहां भी एक भव्य रैली निकाली गई। इस रैली में काफी संख्या में भक्तगणों ने भाग लिया। वहीं फकीराग्राम संकटमोचन मंदिर में हनुमान जयंती के मोके पर भारी संख्या में भक्तगण पहुंचे, जहां हनीमान चालिसा का पाठ किया गया। साथ ही यज्ञ और कीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.
No.222PSC/DR-21/5/2022-23

NOTIFICATION

It is for information to all concerned that the Assam Public Service Commission will hold the Interview/Viva-Voce for the post of **Junior Manager (Electrical) in Assam Power Distribution Company Limited (APDCL)** (Advt. No.08/2023, dated 30th March/2023) as per programme given below at its office at Jawaharnagar, Khanapara, Guwahatt-22. The detailed programme for the Interview/Viva-Voce is given below:

Sl. No.	Name of the Post & Department	Date of Interview / Viva-Voce	Reporting Time
1	**Junior Manager (Electrical) in Assam Power Distribution Company Limited (APDCL)**	**2th, 3rd, 4th, 9th, 10th, 13th, 14th & 15th May, 2024**	**9.00 AM**

Kindly note that the candidates appearing the interview/viva-voce **must bring the following testimonials in original along with self attested photocopies in chronological order, thereof for verification/scrutiny on the day of the interview :**

i. H.S.L.C Admit/Pass Certificate as a proof of age.
ii. H.S.L.C Marksheet and Pass Certificate.
iiii. H.S.S.L.C Marksheet and Pass Certificate(if applicable).
iv. Diploma Marksheet (All Semester) and Pass Certificate
v. Degree Marksheet (All Semester) and Pass Certificate (if applicable).
vi. CGPA Conversion Formula of the respective universities
vii. Permanent Residential Certificate/Employment Exchange Registration/Voter ID.
viii. **State Government Employees of Assam must submit No Objection Certificate from their respective employer or Permanent Residential Certificate/Employment Exchange Registration/Voter ID as domicile proof.**
ix. Caste/PwBD certificate/BPL Card (if applicable).
x. Declaration Form A *("May be downloaded from APSC's website").*
xi. **Ex-Servicemen Identity Card issued by Zila Sainik Welfare Office of the state of Assam and Discharge Book (for Ex-Servicemen category candidates).**
xii. Any other documents that may be relevant for their candidature.

No intimation letter to the eligible candidates shall be sent separately by post. **The intimation letters shall be uploaded on 26- 04-2024 in the APSC's website (www.apsc.nic.in).** The candidates shall have to download their own intimation letter from the aforesaid website.

Sd/-
Deputy Secretary,
Assam Public Service Commission
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/354/24/24-Apr-24

संपादकीय

ईवीएम का औचित्य

आम चुनाव, 2024 के लिए मतदान की शुरुआत हो चुकी है। देश के 17 राज्यों और 7 संघशासित क्षेत्रों की 102 लोकसभा सीटों पर प्रथम चरण का मतदान हो चुका है। जनादेश का एक हिस्सा उन ईवीएम में ही दर्ज हो चुका है, जिन पर अधिकतर विपक्षी दल प्रलाप कर रहे हैं। वे दल चुनावी दौड़ में शामिल हैं, उनके सांसद और विधायक चुने जाने हैं, लेकिन वे ईवीएम पर अब भी संदेह कर रहे हैं। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने यहां तक दावा किया है कि यदि ईवीएम में गड़बड़ी नहीं की गई है, तो भाजपा को 180 से कम सीटें मिलेंगी। यानी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' मुगालते में है कि ईवीएम के जरिए ही जो मतदान होगा, उससे जनादेश उन्हें ही मिलने वाला है। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और पंजाब आदि राज्यों में गैर-भाजपा दलों की आज भी सरकारें हैं, जो ईवीएम के जरिए ही बनी हैं। चुनावी पराजय से पूर्व राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में भी 2018 में कांग्रेस सत्तारूढ़ हुई थी। तब भी मतदान ईवीएम के जरिए ही हुआ था। एक बार फिर यह मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। दो न्यायाधीशों की खंडपीठ ने फैसला सुरक्षित रखा है। दरअसल सवाल यह है कि विपक्ष इतना दोगला क्यों है? संवैधानिक व्यवस्थाओं के ही खिलाफ क्यों है? ईवीएम का इस्तेमाल छोड़ कर मतपत्रों वाले मतदान के पाषाणकाल की ओर लौटना क्यों चाहता है? हालांकि बूथ छापने, लूटने और फर्जी मतदान के उस दौर को सर्वोच्च अदालत खारिज कर चुकी है। ईवीएम की शुरुआत कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के ही दौरान हुई थी। 2004 के उस दौर से लेकर आज तक करीब 340 करोड़ मतदाता अपने संवैधानिक मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके हैं और 4 लोकसभा चुनाव ईवीएम के जरिए सम्पन्न कराए जा चुके हैं। 26 विधानसभा चुनावों और एक लोकसभा चुनाव में वीवीपैट पर्ची का भी इस्तेमाल किया जा चुका है। एक आम चुनाव में 55 लाख से अधिक ईवीएम का इस्तेमाल किया जाता है और करीब 1.5 करोड़ चुनावकर्मी मतदान प्रक्रिया में हिस्सा लेते हैं। सभी एक विशेष पार्टी के पक्षधर हो जाएं या ईवीएम का प्रोग्राम एक ही पार्टी के पक्ष में तय कर दिया जाए और इतने चुनावकर्मी एक साथ 'भ्रष्ट' हो जाएं, यह बिल्कुल भी संभव नहीं है। ईवीएम किसी लैपटॉप, कम्प्यूटर अथवा इंटरनेट नेटवर्क से जुड़ी हुई नहीं है, उसे हैक करना या छेड़छाड़ करना भी संभव नहीं है, अलबत्ता मशीन में तकनीकी खराबी जरूर आ सकती है। उस स्थिति में ईवीएम बदलने की पारदर्शी व्यवस्था है। चुनाव आयोग ने अदालत में अपना समूचा पक्ष रखा है। वीवीपैट पर्ची और वोटिंग के आपसी मिलान पर भी स्पष्टीकरण दिया है। पर्ची 7 सेकंड के लिए दिखती है। उसके बाद पर्ची मशीन में ही चली जाती है। न्यायिक पीठ को बताया गया कि पर्ची को मतदाता को देना जोखिम का काम है। इससे गोपनीयता भंग हो सकती है और बाहर निकालने पर पर्ची का दुरुपयोग भी किया जा सकता है। याचिकाकर्ता एडीआर ने मतदान और पर्ची की 100 फीसदी क्रॉस चेकिंग की मांग की है। अब चुनाव की निष्पक्षता, ईमानदारी बरकरार रहे, मतदाताओं के जेहन में लेशमात्र भी संदेह नहीं होना चाहिए और आयोग की संवैधानिक स्वायत्तता भी बनी रहे, उस संदर्भ में अदालत को निर्णय देना है। ईवीएम को लेकर अक्सर प्रलाप मचाया जाता रहा है और चुनाव आयोग को भी कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है, यह प्रवृत्ति दुराग्रहपूर्ण है। आयोग ने ईवीएम को हैक करने या उसके सिस्टम से छेड़छाड़ करने के मद्देनजर सभी राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया था, कुछ दल गए भी, लेकिन कोई भी आपत्ति नहीं उठा सका या गड़बड़ी को साबित नहीं कर सका। अपने पक्ष के विजयी जनादेशों को विपक्ष शानदार हुंकार के साथ स्वीकार भी करता रहा। क्या एक संवैधानिक व्यवस्था ऐसे काम कर सकती है? न्यायिक पीठ के सामने चुनाव आयोग ने खुलासा किया कि 4 करोड़ ईवीएम वोट और वीवीपैट पर्चियों के मिलान कराए गए हैं। बहरहाल अदालती फैसले की प्रतीक्षा है।

जनादेश का एक हिस्सा उन ईवीएम में ही दर्ज हो चुका है, जिन पर अधिकतर विपक्षी दल प्रलाप कर रहे हैं। वे दल चुनावी दौड़ में शामिल हैं, उनके सांसद और विधायक चुने जाने हैं, लेकिन वे ईवीएम पर अब भी संदेह कर रहे हैं। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने यहां तक दावा किया है कि यदि ईवीएम में गड़बड़ी नहीं की गई है, तो भाजपा को 180 से कम सीटें मिलेंगी। यानी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' मुगालते में है कि ईवीएम के जरिए ही जो मतदान होगा, उससे जनादेश उन्हें ही मिलने वाला है। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और पंजाब आदि राज्यों में गैर-भाजपा दलों की आज भी सरकारें हैं, जो ईवीएम के जरिए ही बनी हैं। चुनावी पराजय से पूर्व राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में भी 2018 में कांग्रेस सत्तारूढ़ हुई थी। तब भी मतदान ईवीएम के जरिए ही हुआ था। एक बार फिर यह मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। दो न्यायाधीशों की खंडपीठ ने फैसला सुरक्षित रखा है।

नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में छत्तीसगढ़ पुलिस से भी मदद मिल रही है

नक्सलवाद पर कब लगेगी नकेल?

योगेंद्र योगी

नक्सलियों के समूह को देखने के बाद पुलिस ने फायरिंग शुरू की थी। जब बंदूकें शांत हुईं, तो जंगल के फर्श पर सूखे पत्तों के बीच 29 माओवादी मृत पड़े थे। इनमें ललिता, शंकर और दूसरे कमांडर विनोद गावड़े के शवों की पहचान सबसे पहले की गई। मृतकों में पंद्रह महिलाएं भी थीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों के खिलाफ मिली सफलता को केन्द्र और राज्य में भाजपा सरकार की उपलब्धि बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बहुत कम समय में देश से नक्सलवाद को उखाड़ फेंका जाएगा। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद से इस अभियान को गति मिली है। नक्सली इलाकों में सुरक्षा बल कैंप लगाए जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में सुरक्षाबलों ने 29 नक्सलियों को ढेर कर दिया। इस ऑपरेशन के लिए सुरक्षाबलों को कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। जवान नक्सलियों के अड्डे तक पहुंचने के लिए 20 घंटे तक पैदल चले हैं। नक्सलियों के समूह को देखने के बाद पुलिस ने फायरिंग शुरू की थी। जब बंदूकें शांत हुईं, तो जंगल के फर्श पर सूखे पत्तों के बीच 29 माओवादी मृत पड़े थे। इनमें ललिता, शंकर और दूसरे कमांडर विनोद गावड़े के शवों की पहचान सबसे पहले की गई। मृतकों में पंद्रह महिलाएं भी थीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों के खिलाफ मिली सफलता को केन्द्र और राज्य में भाजपा सरकार की उपलब्धि बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बहुत कम समय में देश से नक्सलवाद को उखाड़ फेंका जाएगा। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद से इस अभियान को गति मिली है। नक्सली इलाकों में सुरक्षा बल कैंप लगाए जा रहे हैं। 19 के बाद इनकी संख्या 250 हो गई है। नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में छत्तीसगढ़ पुलिस से भी मदद मिल रही है। राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद तीन महीने में 80 से ज्यादा नक्सली मारे गए हैं। 125 गिरफ्तार हुए हैं और 150 ने आत्मसमर्पण किया है। देश के 10 राज्यों में 70 जिलों में नक्सलवाद का प्रभाव है। इनमें सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य झारखंड है, जहां 16 जिले हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में नक्सल प्रभावित 14 जिले शामिल हैं। छत्तीसगढ़ में पिछले 14 सालों के भीतर 1582 नक्सली मुठभेड़ें हुई हैं। इन मुठभेड़ों के दौरान 1452 नक्सली मारे गए हैं। इस बीच 1002 आम नागरिकों की भी मौत हुई है। वहीं इन हमलों में 1222 जवान शहीद हो चुके हैं। छत्तीसगढ़ में नई सरकार के गठन के बाद नक्सलियों को आशंका थी कि सरकार उनके खिलाफ अभियान तेज करेगी और हुआ भी ऐसा ही। राज्य की नई सरकार ने शांति का प्रस्ताव भी सामने रखा था, लेकिन नक्सल नेताओं की तरफ से इस प्रस्ताव पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं आई। वहीं दूसरी तरफ पुलिस और सुरक्षाबलों को बस्तर में फ्री हैंड कर दिया गया है। ऐसे

में पिछले तीन महीनों में नक्सलियों को कई बड़े नुकसान उठाने पड़े हैं। अब तक जहां माओवादियों के बटालियन स्तर के नेता ही ढेर हुए थे, तो इस बार शंकर राव जैसे डिवीजन लेवल का नेता पुलिस की गोली का शिकार हुआ है। ऐसे में नक्सली प्रदेश में पूरी तरह से बैकफुट में हैं। अब लगातार सवाल किए जा रहे हैं कि आखिर कब तक छत्तीसगढ़ को इस नक्सल दंश से छुटकारा मिल पाएगा और बस्तर में खून की होली थमेगी? सरकार, सुरक्षा बलों एवं स्थानीय लोगों की संयुक्त कोशिशों का परिणाम है कि पिछले एक दशक में वामपंथी अतिवाद संबंधी घटनाओं, मौतों और उनके भौगोलिक प्रसार में काफी कमी आई है। जहां वर्ष 2010 में वामपंथी अतिवाद से प्रभावित जिलों की संख्या 96 थी, वहीं वर्ष 2018 में प्रभावित जिलों की संख्या 60 रह गई है। वर्ष 2009 में जहां नक्सलवाद की घटनाओं और इन घटनाओं में मरने वालों की संख्या क्रमश 2258 व 1005 थी, वहीं वर्ष 2018 में यह संख्या घटकर क्रमश 833 एवं 240 रह गई। देश के जिन 8 राज्यों के लगभग 60 जिलों में यह समस्या बनी हुई है, उनमें ओडिशा के 5, झारखंड के 14, बिहार के 5, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 10, मध्य प्रदेश के 8, महाराष्ट्र के 2 तथा बंगाल के 8 जिले शामिल हैं। वर्ष 2015 के बाद से नक्सलियों के 90 प्रतिशत हमले लगभग चार राज्यों- छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार और ओडिशा में हुए हैं। माओवादियों के थिंक टैंक और प्रथम पंक्ति के नेता या तो मारे जा चुके हैं या इस विचारधारा को छोड़ चुके हैं। भारत में नक्सली हिंसा की शुरुआत वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग जिले के नक्सलबाड़ी नामक गांव से हुई और इसीलिए इस उग्रपंथी आंदोलन को नक्सलवाद के नाम से जाना जाता है। जमींदारों द्वारा छोटे किसानों के उत्पीडऩ पर अंकुश लगाने के लिए सत्ता के खिलाफ चारू मजूमदार, कानू सान्याल और कन्हाई चटर्जी द्वारा शुरू किए गए इस सशस्त्र आंदोलन को नक्सलवाद का नाम दिया गया। यह आंदोलन चीन के कम्युनिस्ट नेता माओ त्से तुंग की नीतियों का अनुगामी था। आंदोलनकारियों का मानना था कि भारतीय मजदूरों और किसानों की दुर्दशा के लिए सरकारी नीतियां जिम्मेदार हैं। ये लोकतंत्र एवं लोकतांत्रिक संस्थाओं के खिलाफ हैं और जमीनी स्तर पर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को खत्म करने के लिए हिंसा का सहारा लेते हैं। ये समूह देश के अल्प विकसित क्षेत्रों में विकासात्मक कार्यों में बाधा उत्पन्न करते हैं और लोगों को सरकार के प्रति भड़क़ाने की कोशिश करते हैं। केंद्र और राज्य सरकारें माओवादी हिंसा को मुख्यतः कानून-व्यवस्था की समस्या मानती रही हैं, लेकिन इसके मूल में गंभीर सामाजिक-आर्थिक कारण भी रहे हैं। नक्सलियों का कहना है कि वे उन आदिवासियों और गरीबों के लिए लड़ रहे हैं, जिनकी सरकार ने दशकों से अनदेखी की है। वे जमीन के अधिकार एवं संसाधनों के वितरण के संघर्ष में स्थानीय सरोकारों का प्रतिनिधित्व करते हैं। माओवाद प्रभावित अधिकतर इलाके आदिवासी बहुल हैं और यहां जीवनयापन की बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन इन इलाकों की प्राकृतिक संपदा के दोहन में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों ने कोई कमी नहीं छोड़ी है। यहां न सडक़ें हैं, न पीने के लिए पानी की व्यवस्था, न शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं और न ही रोजगार के अवसर। नक्सलवाद के उभार के आर्थिक कारण भी रहे हैं। नक्सली सरकार के विकास कार्यों के कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न करते हैं। वे आदिवासी क्षेत्रों का विकास नहीं होने देते और उन्हें सरकार के खिलाफ भडक़ाते हैं। वे लोगों से वसूली करते हैं एवं समांतर अदालतें लगाते हैं।

दृष्टि कोण

आज के युग में परिवार में संतुलन जरूरी

परम पिता परमेश्वर ने जब सृष्टि की रचना की तो अपनी अलौकिक शक्ति व दिव्य दृष्टि से प्रत्येक कमी को जांचा-परखा और प्राणियों में एक ऐसा संतुलन बनाया जिससे सभी प्रकार के प्राणी एक-दूसरे के पूरक बनकर आनंदमय जीवन व्यतीत कर सकें। मनुष्य समाज की इकाई बना। मानव से परिवार और परिवार से समाज की स्थापना हुई। मानव समाज के लिए परिवार न केवल आवश्यक है, अपितु एक सुरक्षित एवं आदर्श संस्था भी है। पर विगत कुछ वर्षों में इस संस्था की जड़ें कुछ हिलने लगी हैं। रचयिता ने जब अविकसित बचपन, पूर्ण विकसित युवावस्था और जीर्ण-शीर्ण वृद्धावस्था की तस्वीर बनाई तो उन्हें लगा कि बच्चे तो नन्हे-मुन्ने से प्यारे-प्यारे कोमल खिलौने उनके मां-बाप और अन्य सभी के आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे। उनके अविकसित तन और नादान मन को विकसित होने में सभी प्यार से सहयोग करेंगे। पर जब बचपन के बाद जवानी और बुढ़ापा आया तो उन्हें लगा कि जवानी तो स्वयं ही फौलाद होगी जो सबको संभालेगी पर बुढ़ापा कुरूप, निर्बल, मृत्यु की कगार पर डगमगाता सा एक पेड़ जिसके सभी पत्ते और शाखाएं थक कर और सूख कर गिरने वाले होंगे, उसे भी सहारा चाहिए। तो वृद्धावस्था को सुरक्षित रखने के लिए बचपन और बुढ़ापे में एक संतुलन बनाया गया। अंत में वैसे भी वृद्धों के मन बच्चों की तरह हो जाते हैं और वे घर में रहकर बच्चों को संभाल सकते हैं, क्योंकि बच्चे कोमल और वृद्ध निर्बल होते हैं। परिवार में बुजुर्गों को सम्मान दिया गया। बच्चों के माता-पिता बुजुर्गों का सम्मान करते और बुजुर्ग अपने अनुभवों और ज्ञान को साझा कर अगली पीढ़ी को जीना और कार्य करना सिखाते थे। नई पीढ़ी भी उनकी सेवा और आज्ञापालन करना अपना कत्तव्य समझती थी और बच्चों को भी यह सिखाया जाता था। मां-बाप अपने बच्चों को बुजुर्गों के पास सौंप कर निश्चिंत होकर घर अंदर-बाहर के कार्य करने निकल पड़ते थे। पहाड़ी भाषा में एक कहावत है कि मूल से प्यारा ब्याज होता है क्योंकि बुजुर्गों को नाती-पोते अपने बच्चों से अधिक प्यारे होते हैं। जब मां-बाप बच्चों की शरारतों पर पिटाई करने लगते तो बच्चे दादी-नाना की गोद में छिप जाते हैं और दादा-दादी बच्चों को मारने वाले मां-बाप को पिटाई करने से रोकते और डांटते। इस प्रकार बच्चे बुजुर्गों के साथ मिलकर खूब आनंद और मस्ती करते तथा बुजुर्ग भी बच्चों के साथ बच्चे ही बन जाते और अपनी मनपसंद खानपान की चीजें चोरी-छुपे बच्चों के साथ खूब चटकारे भरकर खाते। बच्चे अपनी दादी-नानी से रामायण, महाभारत, परियों की कहानियां, पहेलियां बड़े शौक-प्यार से सुनते थे। बच्चों में बचपन से ही संयुक्त परिवार में रहकर बड़ों का सम्मान और छोटे से प्यार करने की भावना का विकास होता था। उनमें मिल-जुलकर बांट कर खाने की भावना और सहनशीलता होती। इस प्रकार आयु की रेल पर जीवन रूपी यात्रा वृद्ध रूपी गार्ड के संचालन में बचपन, किशोरावस्था, यौवनावस्था और वृद्धावस्था रूपी स्टेशनों को पार करती हुई मृत्यु रूपी निश्चित स्टेशन पर बड़े आराम से पहुंच जाती थी। पर आज के इस भौतिकवादी युग में बच्चों का बचपन वीडियो गेम में खो गया है और उन्हें सिखाया जाता है कि मिट्टी से हाथ-पैर गंदे हो जाते हैं। आज पढ़े-लिखे बुजुर्गों को भी दरकिनार कर दिया जाता है, क्योंकि वे नए जमाने का ज्ञान नहीं रखते। बच्चे एक ऐसे परिवार में रहते हैं जहां न दादा-दादी हैं, न चाचा-ताया या परिवार के अन्य सदस्य। अगर किसी परिवार में बुजुर्ग हैं भी तो किसी के भी पास उनके साथ बैठने के लिए समय नहीं है। बच्चों को उनके पास बैठने से मां-बाप मना करते हैं कि वृद्ध उन्हें आधुनिक बातें नहीं सीखा पाएंगे और हमारे बच्चे पिछड़ जाएंगे। उनके मां-बाप भी वृद्धों को यही कहकर चुप करा देते हैं कि आपको आधुनिक ज्ञान नहीं है। हमें आपसे ज्यादा ज्ञान है। जैसे घर में पड़े पुराने सामान को कबाड़ी को बेच दिया जाता है, ऐसे ही वृद्धों को वृद्धाश्रमों में छोड़ा जा रहा है, जहां वे अपने परिवार के लिए खून के आंसू रोते हैं। यहां तक कि उनके क्रिया-कर्म को भी उनकी संतान के पास समय नहीं है। यौवन के नशे में चूर उनकी संतानें यह क्यों नहीं समझती कि ये वृद्ध भी कभी उनकी तरह बलशाली जवान थे, पर जवानी में फौलाद सा शरीर एक दिन बुढ़ापे की जंग लगकर जर्जर हो जाएगा, तब उन्हें भी सहारे की आवश्यकता होगी। इस बात को भी क्यों नहीं सोच पाते कि हम भी कभी बुजुर्ग होंगे, तब हमारे बच्चे भी हमारा अनुकरण करते हुए हमारे साथ भी वही व्यवहार करेंगे जो हमने अपने बुजुर्गों के साथ किया है। हर बुजुर्ग के पास अपने कुछ ऐसे अनुभव और सीख होती है जो कि गूगल में भी नहीं मिलती। एकल परिवार में अकेलेपन के शिकार बच्चे कई प्रकार की मानसिक विकृतियों का शिकार हो रहे हैं। बुजुर्ग अपने संघर्ष के बारे में जो बताते थे तो बच्चे प्रोत्साहित होते थे और विषम से विषम परिस्थितियों को संभालने की क्षमता रखते थे। पर आज छोटी-छोटी बातों पर आत्महत्या या दूसरों की हत्या एक आम बात हो चुकी है। बच्चे कई प्रकार के नशे के जाल में फंस कर अपना जीवन बर्बाद कर रहे हैं। जैसे कि बूढ़े से बूढ़े पुराने तरु भी छाया और फल देते हैं, वैसे ही बुजुर्गों के पास भी प्यार, आशीर्वाद, जीवन के अनुभवों का अमूल्य खजाना होता है। तो क्यों न आधुनिकता और सोशल मीडिया के भीड़ भरे बाजार में बिखरती बचपन की कोमल शाखाओं को वृद्धों की छत्रछाया में रखकर, उनके प्यार के सागर से सींचकर उनके सर्वांगीण विकास के साथ एक बलशाली तन-मन, मस्तिष्क के साथ राम, लक्ष्मण, अर्जुन, युधिष्ठिर जैसी बहादुर पीढ़ी का अवतरण किया जाए, जिनके संस्कारों की छत्रछाया में न जाने कितने लोगों को आश्रय देने की क्षमता हो।

कुछ अलग

जागरूकता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास जरूरी

वर्तमान समय में विज्ञापन बाजार की दुनिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022 में वैश्विक विज्ञापन बाजार का आकार 615.2 अरब अमेरिकी डॉलर था, जिसके आगामी कुछ वर्षों में 800 अरब डॉलर होने का अनुमान है। आंकड़ों के अनुसार, औसत व्यक्ति प्रतिदिन 200 से 300 विज्ञापन तक देखता है। विज्ञापन लोगों को सूचना देने और उत्पादों आदि के बारे में जागरूक करने का एक प्रभावी माध्यम है। लेकिन वर्तमान समय में जिस प्रकार से भ्रामक विज्ञापनों की बाढ़-सी आई है, यह समाज के लिए समाधान कम, समस्या ज्यादा बनते जा रहे हैं। विज्ञापनदाता का इरादा मनोवैज्ञानिक रूप से आपको प्रभावित करते हुए आपके विचारों और निर्णयों को प्रभावित करना होता है। सिर्फ पांच दिनों में काले से गोरा करने, या मात्र एक खुशबू वाले डियोड्रेंट के स्प्रे मात्र से महिलाओं को आपके प्रति आकर्षित करने का दावा करने वाले विज्ञापन आपने खूब देखे होंगे। अभी कुछ दिन पहले साइंस जर्नल 'मेडिसिन' ने भारत में बेचे जाने वाले और उपभोग किए जाने वाले सबसे लोकप्रिय प्रोटीन पाउडर के 36 विभिन्न ब्रांडों पर किए गए विश्लेषण के निष्कर्ष प्रकाशित किए थे। विश्लेषण से पता चला कि 36 पूरकों में से लगभग 70 प्रतिशत में प्रोटीन की गलत जानकारी थी, कुछ ब्रांड अपने दावे का केवल आधा हिस्सा ही पेश कर रहे थे। इसके अलावा, लगभग 14 प्रतिशत नमूनों में हानिकारक फंगस थे, जबकि 8 प्रतिशत में कीटनाशकों के अवशेष दिखाई दिए। ये नतीजे भ्रामक जानकारी, पारदर्शिता की कमी और ऐसे उत्पादों से उत्पन्न संभावित स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में बढ़ती चिंता को दर्शाते हैं। पर्यावरणीय स्थिरता और सचेत उपभोग के बारे में चिंतित दुनिया में ग्रीनवाशिंग एक बढ़ती हुई चिंता बन गई है। ग्रीनवॉशिंग, जिसे उत्पादों या सेवाओं के बारे में भ्रामक पर्यावरणीय दावे के रूप में परिभाषित किया गया है, ने नियामकों, उपभोक्ताओं और वकालत समूहों का समान रूप से ध्यान आकर्षित किया है। हाल ही में, यूरोपीय संसद और भारतीय न्यायपालिका, दोनों ने इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए निर्णायक कदम उठाए, जो सख्त नियमों और विपणन प्रथाओं में अधिक जवाबदेही की ओर वैश्विक बदलाव का संकेत है। इसी तरह, भारतीय न्यायपालिका द्वारा उत्पादों की प्रभावकारिता के बारे में भ्रामक और निराधार दावे करने के लिए पतंजलि समूह की निंदा करना कंपनियों को उनकी मार्केटिंग के प्रति जवाबदेह बनाने के महत्व को रेखांकित करता है। न्यायपालिका का निर्णय उपभोक्ताओं को गलत जानकारी के आधार पर विकल्प चुनने से बचाता है और यह सुनिश्चित करता है कि कंपनियां अपने विपणन संचार में नैतिक मानकों का पालन करें। ग्रीनवाशिंग या भ्रामक विज्ञापन न केवल उपभोक्ताओं को गुमराह करते हैं, बल्कि टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देने और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के प्रयासों को भी कमजोर करते हैं। भ्रामक विज्ञापनों पर नकेल कस कर नियामक कंपनियों को अधिक जिम्मेदार और पारदर्शी विपणन रणनीति अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। भ्रामक विज्ञापनों को संबोधित करने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें नियामकों, उद्योग हितधारकों, उपभोक्ता वकालत समूहों और जनता के बीच सहयोग शामिल होता है।

देश दुनीया से

अस्मिता का सवाल उठाने से नहीं चूकते दक्षिण के क्षेत्रीय दल

चुनावी अभियान ही नहीं, सामान्य दिनों में भी दक्षिण के क्षेत्रीय दल अपनी भाषायी अस्मिता का सवाल उठाने से नहीं चूकते। तमिलनाडु इस मामले में अगुआ रहा है। अक्सर ऐसे अभियानों में केंद्र सरकार और भाजपा जैसी पार्टियां ही निशाने पर रहती हैं। लेकिन भाषायी अस्मिता को चुनावी मुद्दा बनाने में उस कांग्रेस का नाम भी जुड़ गया है, जिसने स्वाधीनता आंदोलन के दौरान हिंदी को देश की प्रमुख भाषा बनाने का अभियान चलाया था। कोयंबटूर की चुनावी सभा में राहुल गांधी ने तमिल लोगों को समझाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी देश में एक ही भाषा चाहते हैं। यानी प्रधानमंत्री मोदी और उनकी पार्टी तमिल के खिलाफ हैं। इस पर विवाद खड़ा होना स्वाभाविक है।

चुनावी अभियान के बीच आरोप-प्रत्यारोप कोई नई बात नहीं है। जब प्रचार तमिलनाडु जैसे राज्य में हो, तो भाषा अपने आप मुद्दा बन जाती है। चुनावी अभियान ही नहीं, सामान्य दिनों में भी दक्षिण के क्षेत्रीय दल अपनी भाषायी अस्मिता का सवाल उठाने से नहीं चूकते। तमिलनाडु इस मामले में अगुआ रहा है। अक्सर ऐसे अभियानों में केंद्र सरकार और भाजपा जैसी पार्टियां ही निशाने पर रहती हैं। लेकिन भाषायी अस्मिता को चुनावी मुद्दा बनाने में उस कांग्रेस का नाम भी जुड़ गया है, जिसने स्वाधीनता आंदोलन के दौरान हिंदी को देश की प्रमुख भाषा बनाने का अभियान चलाया था। कोयंबटूर की चुनावी सभा में राहुल गांधी ने तमिल लोगों को समझाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी देश में एक ही भाषा चाहते हैं। यानी प्रधानमंत्री मोदी और उनकी पार्टी तमिल के खिलाफ हैं। इस पर विवाद खड़ा होना स्वाभाविक है। भाजपा ने राहुल गांधी के इस बयान की शिकायत चुनाव आयोग से की है। वैसे राहुल गांधी कांग्रेस के पहले नेता नहीं हैं, जिन्होंने भाषा को लेकर ऐसा बयान दिया है। केरल के तिरूवनंतपुरम सीट से चुनाव लड़ रहे शशि थरूर भी चुनाव प्रचार में भाजपा पर ऐसे आरोप लगा चुके हैं। हालांकि उनके बयान को उतनी तवज्जो नहीं मिली, क्योंकि केरल में हिंदी को लेकर तमिलनाडु जैसा माहौल नहीं रहा है। तमिलनाडु में तो हिंदी विरोध में पिछली सदी के साठ के दशक के आखिरी दिनों में आंदोलन तक हो चुका है, लेकिन केरल में ऐसा नहीं है। चाहे राहुल हों या शशि थरूर, दोनों के बयानों का एकमात्र मकसद यही है कि वे अपने वोटरों को इस आधार पर अपने समर्थन में खड़ा करें और उनका मत हासिल करें। लेकिन सवाल यह है कि क्या ऐसे विभाजनकारी बयानों की चुनाव में जरूरत है? भारत की राजभाषा या राष्ट्रभाषा हिंदी हो, इसके खिलाफ पहला सवाल तमिलनाडु से ही उठा। तमिल विरोध के चलते संविधान के प्रावधान में हिंदी को जो हैसियत 26 जनवरी, 1965 को मिलनी चाहिए थी, नहीं मिल पाई। तमिलनाडु में हुए हिंदी विरोधी आंदोलन की वजह से हिंदी देश की आधिकारिक रूप से संपर्क भाषा भी नहीं बन पाई। लेकिन तब से लेकर अब तक कावेरी और कृष्णा नदियों में काफी पानी बह चुका है। राजनीतिक बुनियाद पर भले ही दक्षिणी राज्यों में सीमित हिंदी विरोधी मानसिकता बची हुई हो, लेकिन इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि अब दक्षिणी राज्यों की सोच भी बदल रही है। अगर ऐसा नहीं होता, तो टूटी-फूटी ही सही, दक्षिणी राज्यों में भी हिंदी लिखने-बोलने की कोशिश नहीं होती। हिंदी सिनेमा के गाने दक्षिणी राज्यों में पसंद नहीं किए जाते। हिंदी की राह में सबसे बड़ी बाधा राजनीति रही है। अपने फायदे-नुकसान को ध्यान में रखते हुए वही स्थानीय लोकभावनाओं को कभी पक्ष, तो कभी विपक्ष में भड़काती है। महात्मा गांधी का सपना था कि आजाद भारत की अपनी भाषा हो, वह केंद्रीय भाषा बने। गुजरातीभाषी होते हुए भी उन्हें हिंदी में ही यह ताकत और संभावना नजर आई। लेकिन स्वाधीन भारत के राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते हिंदी आधिकारिक रूप से केंद्रीय भाषा नहीं बन पाई। राजनीति ने हिंदी विरोध के लिए अब नया बहाना ढूंढ़ लिया है। बहुभाषिकता और भाषायी लोकतंत्र को बनाए रखने के नाम पर उसका

विरोध किया जाता है। दिलचस्प है कि केंद्रीय भाषा के तौर पर विदेशी भाषा तो स्वीकार्य हो सकती है, लेकिन अपनी हिंदी नहीं। तमिलनाडु की सत्ताधारी पार्टी द्रमुक हिंदी की घोषित विरोधी है। जब भी उसे मौका मिलता है, हिंदी विरोध में अपनी आवाज मुखर करने से वह नहीं हिचकती। जब नई शिक्षा नीति लागू हो रही थी, तब भी उसने आरोप लगाया था कि हिंदी को थोपने की कोशिश की जा रही है। द्रमुक इंडिया गठबंधन का प्रमुख हिस्सा है। लेकिन गौर किया जाना चाहिए कि तमिलनाडु में जब प्रधानमंत्री मोदी या अमित शाह या फिर योगी आदित्यनाथ प्रचार में उतरते हैं, तो हिंदी में बोलते हैं। उनके भाषणों का तमिल में अनुवाद होता है। अगर तमिल जनता हिंदी विरोधी होती, तो वह धैर्य से इन नेताओं का भाषण नहीं सुनती। लेकिन कभी ऐसा नहीं लगा कि तमिल लोगों ने इन नेताओं के हिंदी भाषणों में अरुचि दिखाई हो। साफ है कि हिंदी को लेकर दक्षिण का लोकमानस बदल रहा है, अगर नहीं बदल रही है, तो वह है राजनीति। हालांकि कांग्रेस तर्क दे सकती है कि एक भाषा थोपने की उसके नेताओं की बात के पीछे हिंदी विरोध नहीं है। लेकिन केंद्रीय भाषा के रूप में एक भाषा का मतलब स्वतंत्र भारत में हिंदी ही है। ऐसे बयानों से

आप का नजरीया

सियासी आस्था से परे

बेशक मुकेश अग्रिहोत्री की बेटी आस्था ने चुनाव लडऩे में अनिच्छा जाहिर की, लेकिन कुछ तो ऐसा रहा कि कांग्रेस के सियासी तराजू में उसका वजन देखा गया। जिस सौम्यता, सादगी और तहजीब का इजहार करती हुई आस्था ने राजनीतिक परंपराओं में खुद को अंकित कर लिया, वहां नई संभावनाओं के अक्स खुलते हैं। राजनीतिक शास्त्र में हिमाचल का अध्ययन फिलहाल इस स्तर का नहीं है कि पूरी तरह मूल्यांकन किया जाए, लेकिन कुछ तो ऐसे चेहरे आ रहे हैं जिनके कारण परिपाटी निश्चित रूप से बदलेगी। यहां आस्था बनाम कंगना के बीच बंटी हुई राजनीति का मूल्यांकन जरूर एक दिन होगा। आक्रामकता के मायनों में सियासत जिस चरित्र को खोज रही है, उसके विपरीत एक श्रृंखला आस्था अग्रिहोत्री से शुरू होती है। जाहिर है डिप्टी सीएम ने राजनीतिक परिवार होने से पहले सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठ भूमि का पालन पोषण किया है। इस बेटी के उद्गार एक दिन राजनीतिक क्षेत्र के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं, लेकिन तात्कालिक अवसर से दूर रह कर अग्रिहोत्री परिवार ने कांग्रेस का शिखर जरूर पैदा किया है। बतौर नेता प्रतिपक्ष मुकेश अग्रिहोत्री की पिछली पारी से एकदम भिन्न वर्तमान सत्ता में उनका अंदाज व एहसास अपराजेय साबित होता है। भले ही उप मुख्यमंत्री के रूप में उनकी प्रशासनिक क्षमता के अनुपात में सरकार के विभाग न बंटे हों, लेकिन राजनीति का बड़ा इतिहास वह जीत चुके हैं। एक पिता के रूप में, बेटी में उसकी मां की विरासत पुनः जीवंत और मर्यादित दिखाई देती है, तो इस तरह वह राजनीति की वर्तमान स्थिति से कहीं मीलों आगे हो जाते हैं। तमाम सियासी पंडितों और कांग्रेस प्रेमियों के लिए हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की तारणहार अगर आस्था को माना गया, तो यह दर्जा मुकेश अग्रिहोत्री की सियासत को परिपक्व, संतुलित और सहज स्वीकार्य बनाता है। यह केवल कांग्रेस के लिए ही नहीं, बल्कि तमाम राजनीतिक दलों के लिए भी एक प्रेरक प्रसंग की तरह याद किया जाना चाहिए, लेकिन इसी कांग्रेस के दूसरे पक्ष में तमाम घमासान व टिकट के इंतजार में इंतकाम के सबब सामने आ रहे हैं। अब कांग्रेस के बीच पार्टी के कार्यकर्ता नहीं, कोई राजपूत, कोई ब्राह्मण, कोई ओबीसी, कोई गद्दी, तो कोई दलित बना बैठा है। सोशल मीडिया पर राजनीतिक चरित्र के फटेहाल न देखे जा सकते और न ही समझे जा सकते। इन तमाम बुराइयों के बावजूद कुछ चेहरे सिद्धांत और मर्यादा की बात करने और कहने सियासत में आए हैं। विलुप्त होती परंपराओं के बीच जब कभी शांता कुमार सरीखा सियासी दिग्गज अपनी ही पार्टी और केंद्र सरकार पर प्रश्न उठाता है, तो लोकतंत्र की आत्मा जी उठती है। वह कांग्रेस सरकार के मुखिया वर्तमान मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू की कुछ योजनाओं व संकल्पों की तारीफ करते हैं, तो हिमाचल के संदर्भ सकारात्मक हो जाते हैं, लेकिन जिस तरह के आदान-प्रदान के बीच वर्तमान चुनाव के बोल सामने आ रहे हैं, उससे सामाजिक मूल्यों की न जाने कितनी अर्थियां उठ रही हैं।

भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर गिरफ्तार हुआ पाकिस्तानी घुसपैठिया

श्रीगंगानगर (हिंस)। भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर श्रीगंगानगर में सीमा सुरक्षा बल ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिया पकड़ा है। अब उसे जॉइंट इंक्वायरी सेंटर ले जाया जाएगा, जहां उससे पूछताछ की जाएगी। अभी घुसपैठिए के भारतीय सीमा में आने के कारणों का पता नहीं लग पाया है। बीएसएफ के मुताबिक श्रीकरणपुर इलाके के गांव 14 एस माझीवाला और नग्गी के बीच तारबंदी पार करके भारतीय सीमा में घुस रहे घुसपैठिए को जवानों ने ललकारा तो वह रुक गया। बीएसएफ जवानों ने उसे गिरफ्तार कर लिया। घुसपैठिया बहादुर अली (25) पुत्र मोहम्मद हनीफ पाकिस्तान के पाक पतन जिले के मोहजा बाहरा का निवासी है। पुलिस अधीक्षक गौरव यादव ने बताया कि घुसपैठिए को श्रीकरणपुर सीमा पर पकड़ा गया है। उसे जॉइंट इंक्वायरी सेंटर ले जाकर पूछताछ की जाएगी।

यूपी में तीसरे चरण के 10 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए चुनाव मैदान में 100 प्रत्याशी

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रदेश में लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के तीसरे चरण के 10 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए प्रत्याशियों के नामांकन पत्रों की जांच व प्रत्याशियों के नाम वापसी के पश्चात 100 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। सम्भल लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए कुल 12 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। समाजवादी पार्टी से जियाउर्रहमान, भारतीय जनता पार्टी से परमेश्वर लाल सैनी, बहुजन समाज पार्टी से चौधरी सौलत अली, जनता शासन पार्टी से जयगमुल इस्लाम, लोग पार्टी से पवन कुमार, पीस पार्टी से डॉ. राशिद, किसान क्रांति दल से सन्तोष, निर्दलीय प्रत्याशियों में अनुज वार्ष्णेय, तौफीक अहमद, महेन्द्र सिंह, मो. वसीम पुत्र मो. फरीद, वसीम पुत्र मु. शमीम हैं। हाथरस (सुरक्षित) लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए कुल 10 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। भारतीय जनता पार्टी से अनूप प्रधान बाल्मीकी, समाजवादी पार्टी से जसवीर वाल्मिकी, बहुजन समाज पार्टी से हेमबाबू धनगर, स्वराज भारतीय न्याय पार्टी से घनश्याम सिंह, राष्ट्र उदय पार्टी से डॉ. जयवीर सिंह धनगर, निर्दलीय प्रत्याशियों में जयपाल माहौर, दिनेश सांई, मुन्नालाल जाटव, रवि कुमार, राजपाल सिंह हैं। आगरा (सुरक्षित) लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए कुल 11 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। बहुजन समाज पार्टी से पूजा अमरोही, भारतीय जनता पार्टी से प्रोफेसर एस.पी. सिंह बघेल, समाजवादी पार्टी से सुरेश चन्द कर्दम, पीपल्स पार्टी ऑफ इण्डिया (डेमोक्रेटिक) से आराम सिंह, भारतीय किसान परिवर्तन पार्टी से कुलदीप कुमार, आदर्श समाज पार्टी से चन्द्र पाल, लोकप्रिय राष्ट्रवादी पार्टी से जितेन्द्र गौतम, भारतीय मजदूर जनता पार्टी से सर्वेश कुमार, निर्दलीय प्रत्याशियों में अम्बेडकरी हसनूराम अम्बेडकरी, पूजा, महेन्द्र सिंह हैं। फतेहपुर सीकरी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए कुल 09 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। भारतीय जनता पार्टी से राजकुमार चाहर, इंडियन नेशनल कांग्रेस से रामनाथ सिंह सिकरवार, बहुजन समाज पार्टी से पं. रामनिवास शर्मा, प्राउटिस्ट ब्लॉक इंडिया से गिर्राज सिंह धाकरे, राष्ट्रीय जनसंचार दल से वेद प्रकाश, भारतीय मजदूर जनता पार्टी से संगीता तोमर, राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी से होतम सिंह निषाद तथा निर्दलीय प्रत्याशियों में कल्लन कुम्हार, डॉ. रामेश्वर सिंह हैं। फिरोजाबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए कुल 07 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। समाजवादी पार्टी से अक्षय यादव, बहुजन समाज पार्टी से चौधरी बशीर, भारतीय जनता पार्टी से विश्वदीप सिंह, भारतीय किसान परिवर्तन पार्टी से उपेन्द्र सिंह, राष्ट्र उदय पार्टी से प्रेमदत्त, परिवर्तन समाज पार्टी से रश्मि कांत, निर्दलीय प्रत्याशी में राजवीर हैं। मैनपुरी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए कुल 08 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। भारतीय जनता पार्टी से जयवीर सिंह, समाजवादी पार्टी से डिम्पल यादव, बहुजन समाज पार्टी से शिव प्रसाद यादव, वोटर्स पार्टी इंटरनेशनल से नंद राम बागड़ी, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी से मंजू पाल, सर्व समाज जनता पार्टी से सुनील कुमार मिश्रा, निर्दलीय प्रत्याशियों में प्रमोद कुमार, सुरेश चन्द्र हैं। एटा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए कुल 10 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। समाजवादी पार्टी से देवेश शाक्य, बहुजन समाज पार्टी से मोहम्मद इरफान एडवोकेट, भारतीय जनता पार्टी से राजवीर सिंह (राजू भैय्या), किसान क्रांति दल से अनुपम कुमार, पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक) से उदय वीर सिंह, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी से वैभव मिश्रा, निर्दलीय प्रत्याशियों में अमर सिंह, अशोक कुमार, कैलाश कुमार एवं दानवीर हैं। बदायूं लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए कुल 11 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। समाजवादी पार्टी से आदित्य यादव, भारतीय जनता पार्टी से दुर्विजय सिंह शाक्य, बहुजन समाज पार्टी से मुस्लिम खां, राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी से नीलम रानी पाल, स्वराज भारतीय न्याय पार्टी से सुलेमान, लोग पार्टी से हरीराज सिंह उर्फ सीपू यादव, निर्दलीय प्रत्याशियों में इसरत अली, दिनेश कुमार, राम प्रताप मौर्या, लता यादव, संदीप कुमार हैं। आंवला लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए कुल 09 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। बहुजन समाज पार्टी से आबिद अली, भारतीय जनता पार्टी से धर्मेन्द्र कश्यप, समाजवादी पार्टी से नीरज मौर्य, पीस पार्टी से कौसर खां, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी से निर्मोद कुमार सिंह, वंचितसमाज इंसाफ पार्टी से प्रेमपाल सागर, भारत जोड़ो पार्टी से मोहम्मद आमिर खाँ, सरदार पटेल सिद्धांत पार्टी से राज कुमार पटेल, निर्दलीय प्रत्याशी में मक्खन लाल हैं।

चुनाव आयोग से शिकायत पर गिरिराज ने फिर कहा

उन्हें देशद्रोहियों और पाकिस्तान परस्तों का वोट नहीं चाहिए

पटना (हिंस)। केंद्रीय मंत्री और बेगूसराय से भाजपा उम्मीदवार गिरिराज सिंह ने एक बार फिर दोहराया कि वह देशद्रोहियों और पाकिस्तान परस्त लोगों का वोट नहीं लेंगे। दरअसल, नामांकन के दिन चुनावी मंच से भाषण देने के दौरान गिरिराज सिंह ने देशद्रोहियों और पाकिस्तान परस्त का वोट नहीं लेने का भाषण दिया था, जिसकी शिकायत सीपीआई ने चुनाव आयोग से की है। सीपीआई की ओर से चुनाव आयोग को भेजे गए पत्र पर गिरिराज सिंह ने जोरदार पलटवार किया है। गिरिराज सिंह ने मंगलवार को कहा कि उनके बयान को लेकर शत्रुघ्न प्रसाद सिंह ने चुनाव आयोग को पत्र लिखा है। इंडिया गठबंधन और कम्युनिस्ट पार्टी बताए कि क्या वे देशद्रोहियों और पाकिस्तान परस्तों का वोट लेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने जो कहा है वह डंके की चोट पर कहा है। बिल्कुल, गिरिराज आजादी के बाद से देश का पहला शख्स है, जिसे पाकिस्तान परस्तों का वोट नहीं चाहिए। गिरिराज देश को टुकड़े-टुकड़े होते हुए नहीं देख सकता। गिरिराज भारत में रहकर पाकिस्तान का गुणगान करने वालों का कभी वोट नहीं मांग सकता। उन्होंने साफ शब्दों में दोहराया कि राष्ट्र विरोधी और पाकिस्तान परस्त लोगों का मत उन्हें नहीं चाहिए। पूर्णिया के चुनावी सभा में तेजस्वी के बयान कि यदि महागठबंधन प्रत्याशी को वोट नहीं तो सीधे एनडीए को वोट करें पर गिरिराज सिंह ने चुटकी लेते हुए कहा कि इंडी गठबंधन को अपने प्रत्याशी पर भरोसा ही नहीं है। आईएनडीआई के लोगों ने चुनाव के नतीजे आने से पहले ही हथियार डाल दिए हैं। साथ ही कहा कि तेजस्वी यादव ने हार को स्वीकार कर लिया है। इसीलिए, उन्होंने ऐसी बात कही हैं। मुझे खुशी है कि तेजस्वी यादव हमलोगों के लिए जनता से अपील कर रहे हैं।

लोकसभा चुनाव : शेखावत का तंज कांग्रेस में जादूगरों की कमी नहीं

जोधपुर(हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री और भाजपा प्रत्याशी गजेन्द्र सिंह शेखावत ने मंगलवार को लोहावट विधानसभा क्षेत्र में जनसभाएं कीं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में जादूगरों की कमी नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तो पहले से जादूगर हैं, लेकिन कुछ नए जादूगर भी बन गए हैं, जो कहते हैं कि चांद तक पहुंचने के लिए सोने की सीढ़ी लगाएंगे, लेकिन कैसे? सोना कहां से लाएंगे? लगता है मशीन में एक तरफ से आलू डालेंगे और दूसरी तरफ से सोना निकल आएगा। शेखावत ने पूर्ववर्ती गहलोत सरकार पर राज्य की जनता को प्यासा रखने का आरोप लगाया। पीलवा, छीला, शैतानसिंह नगर, लोहावट, पल्ली, नौसर और भिकमकौर की जनसभाओं में शेखावत ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने जल जीवन मिशन को बेपटरी करने का काम किया। केंद्र द्वारा राजस्थान को सबसे अधिक बजट देने के बाद भी कांग्रेस ने प्रदेश की जनता को प्यासा रखा। न तो टंकियां लगाने का काम ठीक से किया गया और न ही पाइप लाइन ठीक से बिछाई गईं। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत पूर्ववर्ती गहलोत सरकार ने जितना भी काम किया है, उसका रि-सर्वे कराकर दोबारा काम शुरू किया गया है, क्योंकि पिछली सरकार के समय में जो गड़बड़ियां की गई हैं, उसकी बारीकी से जांच की जा रही है। शेखावत ने कहा कि जिस सनातन संस्कृति को हमारे पूर्वजों ने बचाए रखा। ये कांग्रेसी उस सनातन संस्कृति की तुलना कोरोना से करते हैं और कामना करते हैं कि सनातन समाप्त हो जाए। हमारे लिए ऐसे लोगों का मुंह देखना तक पाप है। जब 500 साल पहले बाबर के सेनापति ने राम मंदिर गिराकर मस्जिद बनाई थी, तब से ही भारत का सूर्य अस्तांचल में चला गया था, लेकिन राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद भारत के भाग्य का उदय हो गया है, जिसके बाद पूरी दुनिया में सनातन के मान बिंदुओं-गाय, गंगा, गौरी, भारत के ज्ञान-विज्ञान और मोटे अनाज का सम्मान बढ़ गया है। शेखावत ने कहा कि अब हम हनुमान चालीसा भी गायेंगे और रामनवमीं भी मनायेंगे। कांग्रेस राज में हनुमान चालीसा पढ़ने तक पर मानों पाबंदी थी। हनुमान जी के भक्तों से मारपीट होती थी। अब वो दिन नहीं लौट कर आयेंगे। इस दौरान जीव जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह विश्नोई, फलोदी विधायक पब्बाराम बिश्नोई, ओसियां विधायक भैराराम सियोल, सीकर सांसद स्वामी सुमेधानंद, पूर्व कैबिनेट मंत्री लालचन्द कटारिया, भाजपा देहात उत्तर के अध्यक्ष मनोहर पालीवाल, पूर्व प्रधान भागीरथ बेनीवाल, किशनाराम महाराज, रावल ज्यानी, केसर सिंह, सरोज, सत्यनारायण विश्नोई सरपंच, भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शहर में धूमधाम से मनाई जा रही हनुमान जयंती

जोधपुर (हिंस)। शहर में मंगलवार का हनुमान जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। शहर के बालाजी मंदिर में भक्तों का रैला उमड़ पड़ा है। अल सुबह से ही बालाजी के मंदिरों में भक्तों पहुंचने शुरू हो गए। राम हनुमान मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठान के रूप में सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा, रात्रि भजन संध्या और सवामणी तथा प्रसादी का आयोजन चल रहा है। शहर के पाल बालाजी मंदिर, पंचमुखी बालाजी मंदिर, रौटरी चौराहे बालाजी मंदिर, प्रत्याश बालाजी मंदिर, शुगालेश्वर बालाजी मंदिर, जूना खेडापति बालाजी मंदिर, शेखावती जी का तालाब बालाजी मंदिर, हेमु कालानी चौराहे पर स्थित बालाजी मंदिर तथा अन्य मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी है। मंदिरों को आकर्षक रोशनी से सजाया गया है। इसके अलावा फूल मंडली सजाई गई है। शाम को मंदिरों में भव्य संध्याओं का आयोजन भी होगा।

सीएम ने राजद पर साधा निशाना

कहा, इन लोगों को इतना मौका मिला लेकिन कोई काम नहीं किए

किशनगंज (हिंस)। सीएम नीतीश कुमार ने मुजाहिद आलम के समर्थन में मंगलवार को रैली की। इस दौरान उन्होंने बिना नाम लिए लालू परिवार पर निशाना साधा। सीएम ने लालू राज की याद दिलाते हुए कहा कि उनलोगों को बहुत मौका मिला लेकिन कोई काम नहीं किया। हमने कई बार मौका दिया लेकिन ये लोग काम नहीं कर रहे थे तो हम 1994 में अलग हो गए। 2005 में हम पूरी तरह से भाजपा के साथ आ गए। उसके बाद भी हमने कई बार मौका देने का काम किया लेकिन ये लोग कुछ नहीं करते थे। सीएम नीतीश कुमार ने जंगलराज की ओर इशारा करते हुए कहा कि 2005 के पहले क्या हाल था? उससे पहले कोई घर से नहीं निकलता था। हिंदू-मुस्लिम के बीच झगड़ा होता था। उन्होंने कहा कि ये लोग (राजद) मुस्लिम का वोट लेंगे। ये लोग हिंदू मुस्लिम के बीच झगड़ा क्यों खत्म नहीं किए थे। मेरी सरकार में कोई झगड़ा नहीं हुआ। शिक्षा को लेकर नीतीश कुमार ने कहा कि पहले कोई पढ़ाई नहीं होती थी। स्वास्थ्य की स्थिति खराब थी। इन लोगों को इतना मौका मिला लेकिन कोई काम नहीं किए। जब हमलोगों को मौका मिला तो शुरू से ही काम करना शुरू किए। उनको जब

मौका दिए तो उन्होंने कोई काम नहीं किया। कई बार मौका दिए अंत में हम अलग हो गए। 2005 से पहले कोई घर से नहीं निकलता था। हिंदू-मुस्लिम के बीच झगड़ा होता था उसे क्यों खत्म नहीं किया गया। लेकिन हम सरकार में आए तो सब कुछ ठीक किए। अब हिंदू-मुस्लिम में कोई झगड़ा नहीं होता है। सीएम नीतीश कुमार ने किशनगंज के 67 फीसदी मुस्लिम बहुल इलाके में सभा को संबोधित किया। शेरशाहबादी समुदाय को जदयू के पक्ष में गोलबंद किया। बिहार में रोजगार के मुद्दा पर कहा कि हमने 2020 तक 8 लाख नौकरी दी। 2025 तक और दस लाख नौकरी देंगे जिसमे 4 लाख नौकरी दे चुके हैं और कांग्रेस पर परिवारवाद को लेकर निशाना साधते हुए कहा की दोनों ही पार्टियों में परिवार का कब्जा है। हमने अपने घर के बच्चों को कुछ नहीं बनाया। तेजस्वी यादव द्वारा नेताओं के भाई बहनों की संख्या को लेकर दिए गए बयान पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी। मौके पर मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल, मो. जमा खान, मुजाहिद आलम सहित अन्य नेता मौजूद थे।

मुरादाबाद : हर्षोल्लास के साथ मनाया गया श्री हनुमान जन्मोत्सव

मुरादाबाद (हिंस)। जिले भर में मंगलवार को श्री हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम और हर्षोल्लस के साथ मनाया गया। पूरा जनपद बालाजी की भक्ति रूपी सागर में समाया रहा। जगह-जगह हवन, कीर्तन, सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा पाठ, भजन संध्या, बालाजी जागरण व भंडारे आदि हुए। श्रद्धालुओं ने भी बाबा बजरंग की भक्ति से सराबोर होकर भक्ति रूपी सागर में खूब गोते लगाए। श्री बालाजी का जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में सीता रसोई परिवार के द्वारा दिल्ली रोड पर अस्पताल के सामने भोजन रथ पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस भंडारे में आज की पूजा अर्चना शरद माथुर और जूही माथुर जी ने की इसके साथ ही साथ मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम की आराधना की गई हनुमान चालीसा का पाठ किया गया एवं महाराज बालाजी की पूजा पाठ के साथ ही भंडारे का आयोजन शुरू कर दिया गया। सीता रसोई के अध्यक्ष उदयभान सिंह ने बताया कि वैसे तो सीता रसोई के द्वारा निरंतर गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के लिए भोजन वितरण का कार्य किया जाता है लेकिन आज विशेष महापर्व था। भंडारा में सहयोग के लिए श्रीमती बृजबाला यादव शोभित अग्रवाल सुनील कुमार शर्मा सुधांशु

कौशिक दीपक गुप्ता विवेक पांडे राजेंद्र प्रसाद सक्सेना रूपचंद मित्तल शिवम गुप्ता धीरज गुप्ता संजीव शर्मा जूही माथुर शरद माथुर सुनील कपूर सुप्रीत सिंह छाया गुप्ता जूही शर्मा रामानंद बाजपेई सहित सीता रसोई परिवार ने अपनी सेवाए दी कानून गोयान स्थित सहस्त्रत्त ज्योतिष संस्थान में डा. एसडी शर्मा ने बालाजी को चोला अर्पित किया। कानून गोयान ही स्थित श्रीमति रहसो देवी (प्रचलित राम मंदिर राम सरन) में महंत सुधीर गुप्ता एवं उप महंत आशीष कुमार ने बाबा को चोला चढ़ाया। सागर भाटिया, श्रवण गुप्ता, अरुण गुप्ता, प्रखर सक्सेना, दीपक सक्सेना, सफल अरोड़ा, मधूप सरस्वत, तरुण सेठी का सहयोग रहा। हनुमान मूर्ति माता मंदिर सेवा समिति ने वैष्णो देवी मंदिर में सुबह यज्ञ किया। अध्यक्ष शिव चचरन लाल प्रजापति सहित गोविंद राम, नवनीत चौहान, बब्लू आदि का सहयोग रहा। श्री माता महाकाली एवं श्री बालाजी सेवा समिति के संकट मोचन पार्क विजय नगर में चल रहे रामायण के पाठ को विश्राम दिया गया। महंत अमित दुबे और अध्यक्ष राजेश त्रिपाठी सहित शुभरंग दुबे, अशोक गुप्ता आदि रहे। लाइनपार स्थित गोयल ट्रेडर्स पर सुबह महायज्ञ किया गया। अरविंद गुप्ता, सीए शिवम गुप्ता, सीए दिव्या, प्रमोद गुप्ता आदि का सहयोग रहा। श्री बालाकी सराय स्थित प्राचीन शिव मंदिर में पंडित इंद्रदेव शर्मा ने बालाजी का श्रृंगार किया। व्यवस्था में अमित गुप्ता, रागिनी गुप्ता, पवन यादव, गगन गुप्ता, राजेश आदि रहे। शिव शक्ति मंदिर में पुरोहित हेमंत भट्ट और देवेंद्र ओझा ने पूजन कराया। ज्ञान चंद्र गुप्ता, संदीप जिंदल, गोरखनाथ प्रसाद, निशांत गुप्ता, राधे मोहन आदि सहयोग रहा। प्राचीन श्री हनुमान मंदिर दिलवाली गली में पंडित प्रवीण शर्मा ने पूजन कराया। पंडित सुबोध शर्मा, सिद्धार्थ शर्मा, निमित्त, कार्तिकेय शर्मा, रूपेश शर्मा का सहयोग रहा।

ट्रक-बोलेरो के बीच टक्कर में पिता, पुत्र समेत तीन की मौत, तीन घायल

पटना (हिंस)। बिहार में खगड़िया जिले के मानसी थाना क्षेत्र अंतर्गत एकनियां के पास सोमवार की देर रात बोलेरो और ट्रक के बीच भीषण टक्कर में दो मासूम बच्चे समेत तीन की मौत हो गई है, जबकि तीन घायल हो गय े बच्चे की मौत सदर अस्पताल में उपचार के दौरान हुई, जबकि 32 साल के अमर कुमार की मौत इलाज के लिए बेगूसराय जाने के रास्ते में हुई। मरने वालों में पिता, पुत्र और भतीजा शामिल है, जबकि तीन बाराती घायल हुए है। जिसका सदर अस्पताल में उपचार जारी है। पुलिस के मुताबिक सन्नी कुमार की शादी थी। बारात बांका से खगड़िया के शोभनी गांव आ रही थी। बोलेरो पर दुल्हा का भाई अमर कुमार अपने पांच साल के बेटे शिबू कुमार , 2 साल का भतीजा राज कुमार समेत अन्य रिश्तेदार के साथ सवार था। इसी दौरान एन एच 31 पर बोलेरो सड़क दुर्घटना का शिकार हो गई।

रांची में सनातन महापंचायत की गीता पाठ प्रतियोगिता

रांची (हिंस)। श्री सनातन महापंचायत कला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में मंगलवार को रांची के हेहल स्थित डीएवी आनंद स्वामी पब्लिक स्कूल में गीता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों ने गीता के कई श्लोकों और अध्यायों को पढ़कर उसका विवेचन भी किया। गीता पाठ में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। श्री सनातन महापंचायत कला प्रकोष्ठ के संयोजक आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों के बीच गीता के उचित ज्ञान को बढ़ाना था। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत गीता भारत के सभी प्राचीन योग और ज्ञान का निचोड़ और समन्वय है। गीता वास्तव में चरित्र निर्माण का सबसे बड़ा और उत्तम शास्त्र है। जीवन में बढ़ रहे तनाव को कम करने की एकमात्र विधि गीता है। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि के तौर पर डीएवी आनंद स्वामी पब्लिक स्कूल की प्राचार्य रोशी वाधवानी, श्री सनातन महापंचायत झारखंड के युवा संयोजक डॉ. अनिल कुमार, समाजसेवी शुभम चौधरी सहित अन्य उपस्थित थे।

धारा 370 के हटने से जम्मू-कश्मीर में आया बदलाव : पूर्व विधायक

रियासी (हिंस)। रियासी के साथ लगते दासानू गांव में भारतीय जनता पार्टी ने एक कार्यक्रम आयोजित किया गया यह कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधायक बलदेव राज शर्मा की देखरेख में किया गया जिसमें उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि आने वाले 26 अप्रैल को आप सब ने अपने पोलिंग बूथ पर जाकर कमल का बटन दबाकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर देश का प्रधानमंत्री बनाना है। बलदेव राज शर्मा ने कहा की 370 हटाने के बाद जम्मू कश्मीर में बदलाव की लहर दौड़ रही है मोदी सरकार ने जम्मू कश्मीर के लोगों के लिए बहुत ही अच्छे-अच्छे काम किए हैं जिसमें आयुष्मान कार्ड मुख्य रूप से है। उन्होंने कहा आजकल कोई भी गरीब व्यक्ति भी अपना इलाज मुफ्त में करवा सकता है क्योंकि देश के प्रधानमंत्री ने तमाम जम्मू कश्मीर के लोगों को 5 लाख का सालाना आयुष्मान कार्ड दिया है इसके साथ अनेक काम आप लोगों के लिए किए हैं पिछले 10 सालों में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जातिवाद छोड़कर धर्म मजहब से ऊपर उठकर सबको एक समान का दर्जा दिया है अब हम लोगों की जिम्मेदारी बनती है कि जो देश के प्रधानमंत्री ने हम लोगों पर उपकार किए हैं अब उसका हिसाब हम अपना वोट देकर चुकाएं। बलदेव राज शर्मा ने कहा पिछली इलेक्शन में दसानू के लोगों ने 90 प्रतिशत वोट भारतीय जनता पार्टी को दिए थे और इस बार आपको 100 प्रतिशत वोट भारतीय जनता पार्टी को देना है और नरेंद्र मोदी को एक बार फिर देश का प्रधानमंत्री बनाना है।

लोस चुनाव : बिहार के पटना साहिब से भाजपा उम्मीदवार रविशंकर को टक्कर देंगे अंशुल अविजित

पटना (हिंस)। लोकसभा चुनाव-2024 में बिहार की 40 लोकसभा सीटों में चार सीटों पर बीते 19 अप्रैल को मतदान संपन्न हुआ, जिसमें 47 प्रतिशत मतदान हुआ। दूसरी ओर बची हुई 36 लोकसभा सीटों पर कांग्रेस ने सभी उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। इनमें सबसे हॉट सीटों में एक पटना साहिब से कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा की पूर्व स्पीकर मीरा कुमार के बेटे डॉक्टर अंशुल अविजित को उम्मीदवार बनाया है। टिकट के ऐलान के बाद ये तय हो गया है कि पटना साहिब सीट से अब अंशुल का मुकाबला सीधे भाजपा उम्मीदवार रविशंकर से होगा। इस सीट से भाजपा ने रविशंकर प्रसाद को उम्मीदवार बनाया है। अंशुल भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री और दलित नेता जगजीवन राम के पोते भी हैं। अंशुल अविजित ने कैम्ब्रिज से डॉक्टरेट की पढ़ाई पूरी की है। इससे पहले कांग्रेस पार्टी ने इन्हें राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया था। पिछले लोकसभा चुनाव में रविशंकर प्रसाद इसी सीट से सांसद चुने गए थे। इस बार भी भाजपा ने इन्हें दोबारा चुनावी मैदान में उतारा है। इससे पहले कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए सात उम्मीदवारों की घोषणा की थी। इसमें पांच उम्मीदवार बिहार के ही थे। 1. कटिहार- यहां से पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के कद्दावर नेता तारिक अनवर मैदान में हैं। उन्होंने शरद पवार के साथ मिलकर अलग पार्टी एनसीपी भी बनाई थी लेकिन फिर एनसीपी छोड़ वापस कांग्रेस में आ गए थे। पिछली बार उन्हें कटिहार में जदयू के दुलाल चंद गोस्वामी ने हरा दिया था। इस बार जदयू ने फिर से दुलाल चंद गोस्वामी को टिकट दिया है। तारिक अनवर पांच बार सांसद रह चुके हैं। वे फिर से जीतते हैं तो राजनीति को क्रिकेट में उनका छक्का होगा। उनकी भिड़ंत जदयू के दुलालचंद गोस्वामी से है। 2. किशनगंज- यहां से जदयू के उम्मीदवार मुजाहिद आलम हैं। यहां एआइएमआइएम के उम्मीदवार अख्तरुल ईमान भी मैदान में हैं। कांग्रेस ने यहां फिर से मो जावेद को टिकट दिया है। पिछले लोकसभा चुनाव 2019 में मो. जावेद ने ही महागठबंधन की प्रतिष्ठा बचाई थी। उन्होंने जदयू के सैयद महमूद अशरफ को हराया था। 3. भागलपुर-यहां कांग्रेस के अजीत शर्मा के सामने जदयू से अजय मंडल मैदान में हैं। अजय मंडल ने पिछले लोकसभा चुनाव में आरजेडी के शैलेश कुमार को हराया था। कांग्रेस ओबीसी के इलाके में भूमिहार जाति के अजीत शर्मा को उतारकर

सोशल इंजीनियरिंग का बड़ा प्रयोग कर रही है। शर्मा भागलपुर से विधायक हैं। 4. महाराजगंज- यहां कांग्रेस आकाश प्रसाद सिंह के सामने भाजपा के जनार्दन सिंह सिग्रीवाल हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह पहले को खुद को दूसरी बार राज्य सभा भेजने में सफल हुए और उसके बाद अपने पुत्र आकाश को महाराजगंज से टिकट दिलाने में सफल हुए। 5. सासाराम- यहां कांग्रेस के मनोज कुमार के सामने भाजपा के शिवेश राम हैं। यहां भाजपा ने सीटिंग एमपी छेदी पासवान का टिकट काट लिया। इसके बाद लगातार चर्चा रही की छेदी कांग्रेस की सदस्यता ले सकते हैं लेकिन कांग्रेस ने उन्हें पार्टी में शामिल नहीं किया और मनोज कुमार को टिकट दे दिया। मनोज कुमार वीआईपी से भी जुड़े रहे थे। उनकी मां यशोदा देवी जीवन भर कांग्रेस के साथ रही। मनोज पिछली बार लोकसभा चुनाव बसपा के टिकट पर सासाराम से लड़ चुके हैं। रुलर डेवलपमेंट की पढ़ाई इग्नू से की है। सासाराम से पांच बार एमपी रहीं मीरा कुमार ने घोषणा की थी कि वे अब चुनाव नहीं लड़ेंगी। मीरा कुमार के पति कुशवाहा जाति से आते हैं। इसलिए उनके पुत्र सासाराम की सुरक्षित सीट से चुनाव नहीं लड़ सकते। 6. समस्तीपुर- यहां का मुकाबला दिलचस्प हो गया है। जदयू नेता महेश्वर हजारी के पुत्र सनी हजारी को कांग्रेस ने टिकट दिया है। इनका मुकाबला जदयू नेता अशोक चौधरी की बेटी शांभवी लोजपा (रा) से होगा यानी एक ही पार्टी के दो नेताओं की संतानों के बीच राजनीतिक टक्कर है। यहां से पिछली बार लोजपा के रामचंद्र पासवान चुनाव जीते थे और कांग्रेस के अशोक कुमार को हराया था। रामचंद्र पासवान के निधन के बाद यहां उपचुनाव हुआ था और रामचंद्र पासवान के पुत्र प्रिंस राज ने चुनाव जीता था। कांग्रेस ने डॉ. अशोक राम को ही उतारा था। 7. मुजफ्फरपुर- यहां भाजपा ने अजय निषाद का टिकट काट कर राजभूषण चौधरी को टिकट दे दिया था। इसके बाद अजय निषाद ने बगावत कर कांग्रेस की सदस्यता ले ली थी। अब उन्हें मुजफ्फरपुर से कांग्रेस ने टिकट दिया है। पिछली बार यहां से भाजपा से अजय निषाद की जीत हुई थी और उन्होंने वीआईपी के राजभूषण चौधरी को हराया था। 8. पश्चिम चंपारण- यहां से कांग्रेस के मनोज मोहन तिवारी की भिड़ंत भाजपा के संजय जायसवाल से होगी। मदन मोहन तिवारी एमए और एलएलबी हैं। वे मुखिया और प्रखंड प्रमुख रह चुके हैं।

न्यूज ब्रीफ

निफ्टी स्मॉलकैप सूचकांक रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली।

निफ्टी मंगलवार को लगातार तीसरे सत्र में 0.14 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 22,368 अंक पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के डिप्टी हेड रिटेल रिसर्च देवर्ष वकील का कहना है कि हाल ही में 21,777 अंक के निचले स्तर से निफ्टी 670 अंक ऊपर आ गया है। उन्होंने कहा, भारतीय बाजार ने आखिरी घंटे की बिकवाली में दिन का अधिकांश लाभ गंवा दिया और लगातार तीसरे सत्र में मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। उन्होंने कहा कि निफ्टी मिडकैप 100 और स्मॉलकैप 100 सूचकांकों ने निफ्टी से बेहतर प्रदर्शन किया, और उनमें क्रमशः 1.06 प्रतिशत और 1.23 प्रतिशत की बढ़त रही। निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स ने 16,702 अंक के साथ एक नया सर्वकालिक उच्च स्तर दर्ज किया। लगातार दूसरे दिन बढ़त वाले शेयरों की संख्या गिरावट वाले शेयरों से अधिक रही। उन्होंने कहा कि निफ्टी में रियलिटी, एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टरों में सबसे ज्यादा तेजी रही, जबकि फार्मा, हेल्थकेयर और तेल एवं गैस में सबसे ज्यादा गिरावट आई। सेवा और विनिर्माण दोनों क्षेत्रों में मजबूती के कारण अप्रैल में देश की आर्थिक गतिविधियों का विस्तार जारी रहा। फ्लैश इंडिया कंपोजिट परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) मार्च की अंतिम रीडिंग 61.8 की तुलना में अप्रैल में 62.2 पर पहुंच गई।

असित सी मेहता इन्वेस्टमेंट इंटरमीडिएट्स के एवीपी (टेक्निकल एंड डेरिवेटिव्स रिसर्च) नीरज शर्मा ने कहा कि मजबूत वैश्विक बाजार रुझानों से उत्साहित घरेलू इक्विटी बेंचमार्क में मंगलवार को लगातार तीसरे दिन वृद्धि जारी रही। अस्थिरता सूचकांक, भारत वीआईएक्स, 19.72 प्रतिशत गिरकर 10.20 पर आ गया, जो बाजार में कम अस्थिरता का संकेत देता है।

सेफ्टी के मामले में फिसड्डी निकली महिंद्रा की ये एसयूवी, ग्लोबल एनसीएपी क्रैश टेस्ट में मिली 1-स्टार रेटिंग

नई दिल्ली।

महिंद्रा बोलेरो नियो कॉम्पैक्ट एसयूवी को ग्लोबल एनसीएपी के भारत के लिए सेफ कार प्रोग्राम के तहत क्रैश टेस्ट के लेटेस्ट ट्रेंड में एडल्ट और चाइल्ड सेफ्टी दोनों में 1-स्टार रेटिंग मिली है। जिस एसयूवी को टेस्ट किया गया था, उसमें स्टैंडर्ड तौर पर केवल दो एयरबैग लगे थे और कई पैरामीटर्स पर इसे कम रेटिंग मिली है। ग्लोबल एनसीएपी के अनुसार, बोलेरो नियो को लेटेस्ट प्रोटोकॉल के तहत टेस्ट किया गया है और इसे अधिकतम 34 में से 20.26 अंक मिले। रिपोर्ट में कहा गया है कि एसयूवी का स्ट्रक्चर और फुटवेल एरिया अस्थिर है, और इसके आलावा, इसमें चालक के लिए कमजोर चेस्ट और लेग सेफ्टी भी मिली। बोलेरो नियो सभी यात्रियों के लिए कर्टेन एयरबैग या सीट बेल्ट रिमाइंडर से लैस नहीं है। जहां तक चाइल्ड पैसेंजर सेफ्टी की बात है, तो बोलेरो नियो ने अधिकतम 49 अंकों में से 12.71 अंक प्राप्त किए। सभी यात्रियों के लिए 3-प्वाइंट सीट बेल्ट की कमी, यात्री एयरबैग स्विच की कमी और केवल एक चाइल्ड रेस्ट्रेंट सिस्टम (सीआरएस) के कारण इस एरिया में कम स्कोर मिले, भले ही चाइल्ड प्रोटेक्शन ने ''एक्सेप्टेबल मोबिलिटी परफॉर्मेंस'' दिखाया हो। बोलेरो नियो के लिए कम रेटिंग का एक और कारण साइड-फेसिंग थर्ड-रो सीटों की मौजूदगी है। जबकि महिंद्रा ने स्कॉर्पियो एन, एक्सयूवी700 और एक्सयूवी300 एसयूवी जैसे अपने प्रॉडक्ट्स के लिए अच्छी रेटिंग हासिल की है, लेकिन बोलेरो की कम रेटिंग आश्चर्यजनक नहीं है, क्योंकि यह एक पुराने प्लेटफॉर्म पर बेस्ड है। बोलेरो नियो एक अपडेटेड टीयूवी300 एसयूवी है और इसे दो साल के भीतर एक नए प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट किया जाएगा। बोलेरो नियो के अलावा, ग्लोबल एनसीएपी ने इस इवेल्यूएशन ट्रेंड में होंडा अमेज और किआ कैरेंस एमपीवी को भी टेस्ट किया गया है। सुरक्षा एजेंसी ने यह भी घोषणा की कि ये टेस्टिंग भारत के लिए सुरक्षित कारों के अभियान के अंतिम परीक्षणों में से हैं क्योंकि भारत एनसीएपी अब पूरी तरह से एक्टिव हो गया है।

जोमैटो से खाना मंगाना हुआ महंगा

नई दिल्ली।

फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने अपनी कस्टमर फीस में 25 फीसदी का इजाफा किया है। जोमैटो ने चुनिंदा बाजारों में अपनी प्लेटफॉर्म फीस को चार रुपये से बढ़ाकर पांच रुपये प्रति ऑर्डर कर दिया है। यह बदलाव दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, मुंबई, हैदराबाद और लखनऊ जैसे प्रमुख शहरों पर लागू है। जोमैटो ने अगस्त 2023 में प्लेटफॉर्म फीस लगाना शुरू किया था। शुरूआत में यह प्रति ऑर्डर 2 रुपये था। फिर अक्टूबर में कंपनी ने अपने ज्यादातर प्रमुख बाजारों में फीस बढ़ाकर 3 रुपये कर दिया था। कंपनी के ऐप के मुताबिक, उसने अपनी अंतर-शहरी फूड डिलीवरी सर्विस 'इंटरसिटी लीजेंड्स' को भी रोक दिया है। जोमैटो के प्रवक्ता ने इस बारे में पूछे जाने पर कहा, 'यह एक कारोबारी कदम है। इन्हें हम समय-समय पर विभिन्न कारकों के आधार पर लेते हैं।' कंपनी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, प्लेटफॉर्म फीस में बढ़ोतरी दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), बेंगलुरु, मुंबई, लखनऊ और हैदराबाद जैसे प्रमुख शहरों में लागू होगी। जोमैटो ने पिछले साल अगस्त से प्रति ऑर्डर प्लेटफॉर्म फीस लेना शुरू किया था। उस समय यह दो रुपये प्रति ऑर्डर था। इसे धीरे-धीरे बढ़ाकर अब पांच रुपये प्रति ऑर्डर कर दिया गया है। इसकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी कंपनी स्विगी पहले से ही प्रति ऑर्डर पांच रुपये का शुल्क लेती है। इसे समझने के लिए मुंबई में बर्गर की डलीवरी का उदाहरण लेते हैं।

सस्ता हो गया सोने का भाव! रिकॉर्ड हाई से रु.4500 गिरा रेट, अब आगे क्या है अनुमान?

नई दिल्ली।

सोने और चांदी के खरीदारों के लिए अच्छी खबर है। दोनो के भाव में 23 अप्रैल को तेज गिरावट आई है। भारतीय और ग्लोबल मार्केट में सोने और चांदी के भाव गिर गए हैं। सोने का भाव तो रिकॉर्ड हाई से करीब 4500 रुपए तक फिसल गए हैं। चांदी भी 7000 रुपए तक गिर गई है। घरेलू वायदा में सोना-चांदी का आज भाव 700-800 गिरकर खुले। एमसीएक्स पर सोना 657 रुपए फिसलकर 70540 रुपए प्रति 10 ग्राम के पास ट्रेड कर रहा है। चांदी

भी करीब 700 रुपए गिरकर 79858 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है।

रिकॉर्ड स्तर से सोना करीब 4,500 रुपए फिसल गया है। जबकि सोने ने इसी महीने 73,958 रुपए का ऑल टाइम हाई छुआ था। इसी तरह चांदी भी 86,126 रुपए प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड हाई लेवल से 7000 रुपए तक फिसल गई है।

ग्लोबल मार्केट में सोना टूटा

ग्लोबल मार्केट में सोने का भाव गिर गया है। कॉमैक्स पर सोने का भाव 2320 डॉलर प्रति ऑन्स पर ट्रेड कर रहे। सोना एक दिन में 85 डॉलर लुढ़का है। बता दें कि रिकॉर्ड ऊंचाई से सोने का रेट 120 डॉलर गिर गया है।

क्यों गिर रहे सोने-चांदी का भाव?

बुलियन मार्केट के लिए बड़ा ट्रिगर जियो पॉलिटिकल टेंशन है, जोकि कम हो रहा है। सुरक्षित निवेश की खरीदारी थमने का भी दबाव है। सोने के भाव पर डॉलर इंडेक्स और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में मजबूती का भी असर है। बता दें कि 106 के पास डॉलर इंडेक्स 6 महीने की ऊंचाई पर पहुंच गया है। यूएस में ब्याज दरें घटने में देरी का दोहरा असर है। इसके अलावा लगातार 4 हफ्ते तेजी के बाद सोने में मुनाफावसूली देखने को मिल रही है।

सोने-चांदी पर ब्रोकरेज आउटलुक

एमिरेट्स एनबीडी ने कहा कि मौजूदा स्तर से सोना-चांदी 2% और गिरने की संभावना है। घरेलू ब्रोकरेज फर्म निर्मल बंग ने सोने पर 69,000 रुपए प्रति 10 ग्राम का टारगेट दिया। चांदी पर 77,000 रुपए प्रति किलोग्राम का टारगेट दिया है। वहीं, मोतीलाल ओसवाल ने कॉमैक्स पर सोने के 2240 डॉलर प्रति ऑन्स का टारगेट दिया है। चांदी पर 26.40 डॉलर प्रति ऑन्स का टारगेट दिया है।

सोने-चांदी पर ब्रोकरेज आउटलुक

एमिरेट्स एनबीडी ने कहा कि मौजूदा स्तर से सोना-चांदी 2% और गिरने की संभावना है। घरेलू ब्रोकरेज फर्म निर्मल बंग ने सोने पर 69,000 रुपए प्रति 10 ग्राम का टारगेट दिया।

चांदी पर 77,000 रुपए प्रति किलोग्राम का टारगेट दिया है। वहीं, मोतीलाल ओसवाल ने कॉमैक्स पर सोने के 2240 डॉलर प्रति ऑन्स का टारगेट दिया है। चांदी पर 26.40 डॉलर प्रति ऑन्स का टारगेट दिया है।

कंपनी का शुद्ध मुनाफा चौथी तिमाही में 18,951 करोड़ रुपए रहा।

रिलायंस का मुनाफा ₹1 लाख करोड़ के पार पहुंचा

मुंबई।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का टैक्स से पहले का मुनाफा 1 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है। रिलायंस ऐसा करने वाली पहली भारतीय कंपनी है। इसके अलावा, कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 (अप्रैल 2023- मार्च-2024) में 10 लाख करोड़ रुपए की रिकॉर्ड सालाना आय दर्ज की है। रिलायंस ने 22 अप्रैल को वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे घोषित किए हैं। कंपनी के बोर्ड ने प्रति शेयर 10 रुपए के डिवेडेंड (लाभांश) को भी मंजूरी दी है। कंपनियां अपने शेयरधारकों को मुनाफे का कुछ हिस्सा देती हैं, उसे डिविडेंड कहते हैं।

चौथी तिमाही में सालाना आधार पर मुनाफा घटा, तिमाही आधार पर बढ़ा

कंपनी का शुद्ध मुनाफा चौथी तिमाही में 18,951 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल की समान तिमाही में ये 19,299 करोड़ रहा था। यानी, पिछले साल की तुलना में मुनाफा 2% कम हुआ है। वहीं पिछली तिमाही यानी द3ऋ24 में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 17,265 करोड़ रुपए रहा था। इससे पता चलता है कि तिमाही आधार पर मुनाफे में 10% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

चौथी तिमाही में आय 2.37 लाख करोड़ रही, सालाना आधार पर 11% बढ़ी

ऑपरेशंस से चौथी तिमाही में कंपनी की आय 2.37 लाख करोड़ रुपए हो गई। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में ये 2.13 लाख करोड़ रुपए रही थी। यानी, सालाना आधार पर आय 11% बढ़ी है। वहीं पिछली तिमाही में कंपनी की आय 2.25 लाख करोड़ रुपए रहा था। यानी, तिमाही आधार पर आय में 5.33% की बढ़ोतरी हुई है। कंपनी के चार मेन सेगमेंट है- ऑइल टू केमिकल, ऑयल एंड गैस, रिटेल, और जियो। यहां हम एक-एक कर सभी का परफॉर्मेंस बता रहे हैं...

1. रिलायंस जियो: ऐवरेज रेवेन्यू/यूजर 178.8 रुपए से बढ़कर 181.7 रुपए हुआ

टेलिकॉम कंपनियों के प्रदर्शन को मापने के लिए ऐवरेज रेवेन्यू पर यूजर (एआरपीयू) का इस्तेमाल होता है। एक साल पहले की तुलना में जियो का एआरपीयू 178.8 रुपए से बढ़कर 181.7 रुपए प्रति यूजर प्रति माह हो गया है। Q4 FY24 में जियो ने 1.09 करोड़ सब्सक्राइबर जोड़े। शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 13% बढ़कर 5,337 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल समान तिमाही में 4,716 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया था। वहीं तीसरी तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 5,208 करोड़ रहा था। यानी तिमाही आधार पर मुनाफा 2.5% बढ़ा है। चौथी तिमाही में कंपनी की आय सालाना आधार पर 11% बढ़कर 25,959 करोड़ रुपए हो गई। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में ये 23,394 करोड़ रुपए रही थी। वहीं पिछली तिमाही में आय 25,368 करोड़ रुपए रही थी। यानी, आय तिमाही आधार पर 2.3% बढ़ी है।

2. रिलायंस रिटेल: चौथी तिमाही में 1,840 स्टोर खोले, कुल स्टोर 18,836 हुए

रिलायंस रिटेल ने वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में 1.56 करोड़ वर्ग फीट के ग्रॉस एरिया एडिशन के साथ 1,840 नए स्टोर खोले। कुल स्टोर की संख्या बढ़कर 18,836 हो गई है, जो 7.91 करोड़ वर्ग फीड के क्षेत्र को कवर करती है। सॉफ्टड्रिंक ब्रांड कैम्पा कोला का अधिग्रहण रिलायंस के लिए सही रणनीति साबित हो रही है। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स की बिक्री में इस ब्रांड ने करीब 400 करोड़ रुपए का योगदान किया है। ये कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर्स की एफएमसीजी यूनिट है। रिलायंस रिटेल की आय 10.7% बढ़कर ₹76,683 करोड़ हो गई, जो एक साल पहले की अवधि में ₹69,288 करोड़ थी।

3. रिलायंस ऑइल टू केमिकल: सालाना आधार पर रेवेन्यू में 11% की बढ़ोतरी

O2C सेगमेंट ने चौथी तिमाही में साल-दर-साल आधार पर आय में 11% की बढ़ोतरी दर्ज की है। चौथी तिमाही में ये ₹1,42,634 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही यानी, Q4FY23 में ₹1,28,633 करोड़ आय रही थी।

सेगमेंट के भीतर, ऑइल एंड गैस की आय ₹6,468 करोड़ रही। एक साल पहले की समान तिमाही में ये ₹4,556 करोड़ रुपए रही थी। यानी सालाना आधार पर इसमें 42% की बढ़ोतरी हुई है। वहीं पिछली तिमाही में आय 6,719 करोड़ रही थी।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और एमडी मुकेश अंबानी ने कहा कि ग्लोबल लेवल पर फ्यूल की मजबूत मांग और दुनिया भर में रिफाइनिंग सिस्टम में लिमिटेड फ्लेक्सिबिलिटी ने O2C सेगमेंट के मार्जिन और प्रॉफिटेबिलिटी को सपोर्ट किया है।

रेवेन्यू 10 लाख करोड़ रुपए के पार, पिछले साल 9.74 लाख करोड़ रुपए था

FY24 में रिलायंस इंडस्ट्रीज की कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 10 लाख करोड़ रुपए को पार कर गया है। एक साल पहले यानी FY23 में ये 9.74 लाख करोड़ रुपए था। यह प्री-टैक्स प्रॉफिट में 100,000 करोड़ रुपए की सीमा पार करने वाली पहली भारतीय कंपनी बन गई है। पिछले साल की इसी तिमाही में टैक्स क्रेडिट का लाभ उठाने के कारण टैक्स एक्सपेंसेज सालाना आधार पर 138.8% बढ़कर 6,577 करोड़ रुपए हो गया।

मौसम बढ़ाएगा महंगाई? आरबीआई को सता रही ये चिंता... कहा- वैश्विक तनाव से दोहरा संकट

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक को एक बड़ी चिंता सता रही है, जिसका जिक्र केंद्रीय बैंक ने मंगलवार को जारी अपने बुलेटिन में किया है। ये चिंता है महंगाई बढ़ने की, जी हां रिजर्व बैंक ने अपने बुलेटिन में कहा है कि मौसम की प्रतिकूल स्थिति महंगाई का जोखिम बढ़ा सकती है। यही नहीं इसमें दोहरी मुसीबत के बारे में बताया गया है। एक तो मौसम से महंगाई में इजाफा और दूसरा कच्चे तेल में बढ़ोतरी का खतरा।

ऐसे पड़ सकती है महंगाई की दोहरी मार!

आरबीआई बुलेटिन के मुताबिक, खराब मौसम से मुद्रास्फीति का खतरा बढ़ने की आशंका है। अप्रैल बुलेटिन में प्रकाशित 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' पर एक लेख में केंद्रीय बैंक ने कहा है कि मौसम की खराब स्थिति मुद्रास्फीति के लिए जोखिम पैदा करने वाली साबित हो सकती है। इसके साथ ही वैश्विक स्तर पर लंबे समय तक भू-राजनीतिक तनाव भी कच्चे तेल की कीमतों को अस्थिर रख सकता है। ऐसे में महंगाई बढ़ने का खतरा बना हुआ है।

अभी ईरान-इजरायल वार से बेअसर है क्रूड ऑयल

गौरतलब है कि पहले रूस और यूक्रेन, फिर इजरायल और हमास, इसके बाद अब इजरायल और ईरान के बीच तनाव और संघर्ष से कच्चे तेल की कीमतों के अस्थिर होने का खतरा बढ़ा है और आरबीआई ने भी इसे लेकर चिंता जाहिर की है। हालांकि, Iranf-Israel War का कच्चे तेल की कीमतों पर फिलहाल तक को कोई बड़ा असर नहीं दिखा है, लेकिन रिजर्व बैंक को चिंता है कि अगर तनाव लंबा खिचा तो Crude Oil की कीमतों में अस्थिरता देखने को मिल सकती है।

बता दें कि अंतरराष्ट्रीय मार्केट में ब्रेंट क्रूड का भाव 86.52 डॉलर प्रति बैरल और WTI Crude 81.37 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था। हालांकि, इस युद्ध का शुरूआती असर सोने की कीमतों में जरूर देखने को मिला था और ये कुछ ही दिनों में 73,000 के आंकड़े को पार कर गई थी। हालांकि, दोनों देशों के बीच तनाव कम होने के संकेतों के चलते सोने के भाव में कमी देखने को मिली है।

देश में अभी खुदरा महंगाई की स्थिति

भारतीय रिजर्व बैंक अपनी हर हो महीने में होने वाली मौद्रिक नीति पर पहुंचते समय मुख्य रूप से खुदरा महंगाई के आंकड़ों पर फोकस रखता है। मार्च महीने में पांच महीने के निचले स्तर 4.85 फीसदी पर पहुंची है, जो कि इससे पिछले दो महीनों में औसतन 5.1 फीसदी पर बनी हुई थी। महंगाई दर में गिरावट के चलते फरवरी 2023 से ही रिजर्व बैंक ने नीतिगत दरों को 6.5 फीसदी पर स्थिर रखा है। अपने अप्रैल बुलेटिन में आरबीआई ने आगे कहा है कि साल 2024 की पहली तिमाही में वैश्विक विकास की गति बरकरार है और ग्लोबल बिजनेस के लिए दृष्टिकोण सकारात्मक हो रहा है। हालांकि, रिजर्व बैंक ने अपने बुलेटिन में कहा है कि लेख में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के हैं और केंद्रीय बैंक इन विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करता है।

एवरेस्ट कंपनी बोली- हमारे मसाले सिंगापुर-हॉन्गकॉन्ग में बैन नहीं

नई दिल्ली

भारतीय मसाला ब्रांड एवरेस्ट ने सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग में अपने प्रोडट्क्स बैन होने के रिपोर्टों का खंडन किया है। कंपनी ने कहा कि किसी भी देश में एवरेस्ट मसालों पर बैन नहीं है। हमारे सभी प्रोडक्ट्स सेफ और हाई क्वालिटी के हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि हांगकांग के अलर्ट के बाद सिंगापुर ने जांच के लिए हमारे मसालों को अस्थायी रूप से होल्ड किया है। 60 में से सिर्फ एक प्रोडक्ट को जांच होगी। दरअसल, सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग ने एमडीएच और एवरेस्ट के कुछ प्रोडट्क्स में पेस्टिसाइड एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा लिमिट से ज्यादा होने की जानकारी दी थी। इससे कैंसर होने का खतरा रहता है। दोनों देशों ने इनके 4 प्रोडक्ट्स को बाजार से हटाने का आदेश दिया था। हॉन्गकॉन्ग के फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने कहा कि एमडीएच ग्रुप के तीन मसाला मिक्स- मद्रास करी पाउडर, सांभर मसाला पाउडर और करी पाउडर में एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा ज्यादा पाई गई है। एवरेस्ट के फिश करी मसाला में भी यह कार्सिनोजेनिक पेस्टिसाइड पाया गया है।

भारत सरकार ने सभी मसालों की जांच के आदेश दिए

सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग में मसालों को लेकर विवाद के बाद भारत सरकार ने भी फूड कमिश्नर्स से सभी कंपनियों के मसालों का सैंपल कलेक्ट करने को कहा है। सूत्रों ने कहा कि देश के सभी फूड कमिश्नर्स को इस मामले को लेकर अलर्ट कर दिया गया है। मसालों के सैंपल कलेक्शन की प्रोसेस शुरू कर दी गई है। तीन से चार दिनों में एमडीएच और एवरेस्ट समेत देश की सभी कंपनियों की मसाला मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स से सैंपल्स कलेक्ट कर लिए जाएंगे। इनकी लैब रिपोर्ट करीब 20 दिनों में आएगी।

हानिकारक तत्व होने पर कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी

भारत में फूड आइटम्स में एथिलीन ऑक्साइड के इस्तेमाल पर बैन है। भारतीय मसालों में हानिकारक तत्व पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। आपराधिक कार्यवाही का भी प्रावधान है। सरकार ने मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के तहत स्पाइस बोर्ड से अपील की है कि वह जागरूकता फैलाए कि उत्पादों में कोई हानिकारक तत्व नहीं मिलाया जाना चाहिए।

पहले भी होती रही है सैंपलों की टेस्टिंग, इस बार ज्यादा सैंपल कलेक्ट करेंगे

सूत्रों ने ये भी कहा कि वे हॉन्गकॉन्ग और सिंगापुर की घटनाओं से पहले भी सैंपलों की टेस्टिंग कर रहे थे। दावा किया कि अब तक भारतीय बाजार में उपलब्ध विभिन्न ब्रांडों के मसालों में कोई हानिकारक तत्व नहीं पाए गए हैं। यह सैंपल लेने की एक सतत प्रक्रिया है। इस बार हम पहले जो भी सैंपल ले रहे थे, उससे कहीं अधिक तेजी और अधिक संख्या में सैंपल लेंगे।

कीटनाशक है एथिलीन ऑक्साइड, इससे कैंसर का खतरा

स्पाइस बोर्ड एथिलीन ऑक्साइड को 10.7 सेल्सियस से ऊपर के तापमान पर ज्वलनशील, रंगहीन गैस के रूप में परिभाषित करता है। यह कीटाणुनाशक, स्टरलाइजिंग एजेंट और कीटनाशक के रूप में काम करता है। इसका इस्तेमाल चिकित्सा उपकरणों को स्टरलाइज करने और मसालों में माइक्रोबियल कंटेमिनेशन को कम करने के लिए किया जाता है।

महंगाई पांव पखराई में भी नहीं देते चांदी की पायल, बिछुए और करधनी

सोने और चांदी के बढ़े भावों ने घटा दिया सराफा का 40 प्रतिशत कारोबार

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

सोना और चांदी के बढ़े हुए भाव ने सराफा बाजार का व्यापार 40 प्रतिशत तक घटा दिया है। अब केवल सहालगी कारोबार ही हो रहा है जो कि बहुत ही कम है। किसी समय दूल्हा-दुल्हन की पांव पखराई और व्यवहार में नजदीकी लोगों द्वारा सोना-चांदी तक के गहने दिए जाते थे जो अब बंद हो चुके हैं। अब केवल नगदी देकर ही काम चलाया जा रहा है। अब मई और जून में सहालगी सीजन नहीं होने के कारण सराफा का कारोबार काफी प्रभावित होने वाला है जिसको लेकर कारोबारी चिंतित बने हुए हैं।

सराफा बाजार में इस समय स्टेण्डर्ड सोना 76200 रुपए प्रति दसग्राम तो चांदी 85300 रुपए किलो हो गई है। जेवराती 69800 रुपए का दसग्राम है जिसमें मेकिंग चार्ज अलग से

जुड़ा हुआ है। दामों के इतने बढ़ने से आमजन ने इसकी खरीदारी से दूरी बना ली है। क्योंकि सोना और चांदी को खरीदना इनके बूते की बात नहीं है। दूसरी बात यह है कि इनको पहनना भी खतरनाक है। वहीं इनके दामों के बढ़ने के कारण निवेशक भी इसमें निवेश करने से कतराने लगे हैं।

मई और जून में नहीं सहालग

अप्रैल माह में 22, 23, 24, 25 और 26 का थोड़ा बहुत ही सहालग बचा हुआ है। इसके बाद मई और जून में शुक्र अस्त होने से विवाह का कोई योग नहीं है। जुलाई माह में 09, 10, 11, 12, 13, 14, 15 और 16 का सहालग है। इसके बाद 17 जुलाई को देवशयनी एकादशी है, इसके बाद चार माह तक मांगलिक कार्यों पर विराम लग जाएगा। इस लिहाज से सोना और चांदी के बढ़े हुए दाम व्यापार की दृष्टि से सराफा बाजार के लिए अच्छे नहीं है।

इनका कहना है

'वैश्विक स्तर पर बनी परिस्थितियों के कारण सोने-चांदी के दाम बढ़े हुए हैं। जब कोई वस्तु अधिक महंगी हो जाती है तो इसकी बिक्री कम हो जाती है। यही हाल सोना और चांदी का है। लोग इसे खरीदने में दिलचस्पी कम ही ले रहे हैं।'

पुरुषोत्तम जैन
अध्यक्ष, सराफा बाजार

'मार्च और अप्रैल व्यापार की दृष्टि से निल रहा। आगे भी कोई उम्मीद नहीं है। मात्र थोड़ी-बहुत सहालगी खरीदारी रह गई है। जो लोग व्यवहार के लिए चांदी की पायल, बिछुए और करधनी लेते थे उन्होंने भी लेना बंद कर दिया है। इसलिए हम भी कम मंगाते हैं। सोने-चांदी के दामों ने व्यापार को 40 प्रतिशत तक घटा दिया है।'

गौरव गोयल, स्वर्ण कारोबारी

मार्केट वैल्यू में मदद मिलेगी

कद्र सरकार पांच सरकारी बैंकों में हिस्सेदारी बेचने की तैयारी में

एजेंसी नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के 5 बैंकों में अपनी हिस्सेदारी घटाने की तैयारी शुरू कर दी है। वित्त वर्ष 2017 से 2022 के बीच सरकार ने इन सभी बैंकों में काफी पूंजी डाली थी। इसके चलते बैंकों की बड़ी हिस्सेदारी सरकार के पास है। सरकार विनिवेश करके इन बैंकों का एनपीए कम करने की कोशिश करेगी ताकि इनकी बैलेंस शीट सुधारी जा सके। सरकार जल्द ही सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, यूको बैंक और पंजाब एंड सिंघ बैंक में अपनी हिस्सेदारी कम कर सकती है। इस विनिवेश के जरिए सरकार मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग के नियम का भी पालन सुनिश्चित कर सकेगी।

नियम की डेडलाइन अगस्त

मार्केट रेगुलेटर सेबी के नियमों के अनुसार, किसी भी कंपनी को लिस्टिंग के 3 साल के अंदर मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग 25 फीसदी करनी होती है। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट दी है कि इन सभी 5 बैंकों के लिए एमपीएस नियम का पालन करने के लिए अगस्त, 2024 तक अक समय है। इसलिए सरकार इससे पहले ही इन बैंकों में अपनी हिस्सेदारी घटा सकती है।

सार.समाचार

मुझे अपनी क्षमताओं पर भरोसा थाः मरीना

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम के 33 सदस्यीय कोर ग्रुप में जगह बनाने वाली मिजोरम की युवा और ऊर्जावान मिडफील्डर मरीना लालरामनघाकी ने कहा कि मुझे अपनी क्षमताओं पर भरोसा था। अपने चयन को लेकर मरीना ने कहा, जब मुझे कोर ग्रुप में मेरे चयन की खबर मिली तो मैं खुशी से अभिभूत हो गई। यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा क्षण था और मेरी आंखे भर आईं। मुझे हमेशा आत्मविश्वास था मेरी क्षमताओं और सफल परीक्षणों ने मेरे विश्वास की पुष्टि की। उन्होंने कहा, मेरा अंतिम लक्ष्य 2026 महिला एफआईएच हॉकी विश्व कप और 2028 लॉस एंजिल्स ओलिंपिक में भारतीय महिला हॉकी टीम की सफलता में योगदान देना है। हालांकि, वर्तमान में मेरा ध्यान भारतीय टीम की टीम में जगह बनाना है। उन्होंने कहा, मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने और अपने देश को गौरवान्वित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं।

चोटिल मिचेल मार्श आईपीएल से बाहर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मिचेल मार्श हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 से बाहर हो गए हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने सोमवार को कहा कि ऑलराउंडर मिचेल मार्श आईपीएल 2024 के शेष भाग में हिस्सा नहीं लेंगे। मार्श फिलहाल दाहिनी हैमस्ट्रिंग की समस्या से उबर रहे हैं। इस चोट से उबरने के बाद वह भारत नहीं लौटेंगे और ऑस्ट्रेलिया में ही रहेंगे। मार्श क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के चिकित्सीय दल से परामर्श करने के लिए 12 अप्रैल को पर्थ वापस चले गए थे। आईपीएल में वह वापसी करेंगे या नहीं करेंगे, इस फैसले को लेने में थोड़ी देर हुई, क्योंकि मार्श को ठीक होने और उनकी चोट को पुनर्मूल्यांकन करने के लिए पर्याप्त समय दिया जा रहा था। पोंटिंग ने कहा, मुझे नहीं लगता कि वह वापस आएंगे। सीए चाह रहा था कि मार्श की चोट की रिकवरी ऑस्ट्रेलिया में ही हों।

विटैलिटी काउंटी चैंपियनशिप में नायर ने जड़ा दोहरा शतक

नॉर्थेप्टनशायर। विटैलिटी काउंटी चैंपियनशिप में ग्लमॉर्गन के खिलाफ करुण नायर के नाबाद दोहरे शतक की बदौलत नॉर्थेंप्टनशायर ने मैच पर अपनी स्थिति मजबूत पकड़ बना ली है। भारत के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज करुण नायर ने 253 गेंद में नाबाद 202 रन बनाए। उनके दोहरे शतक के बाद टीम ने 334 रनों की बढ़त के साथ छह विकेट पर 605 रन पर पारी घोषित की। नायर ने छठे विकेट के लिए सैफ जैब के साथ 212 रन की साझेदारी की। इस दौरान जैब ने भी अपने इस सत्र का पहला शतक बनाया। इसके अलावा सलामी बल्लेबाज रिकार्डो वासकॉनसेलोस ने भी 182 रनों की बेहतरीन पारी खेली। मेहमान टीम ने दिन का खेल समाप्त होने तक 104 रन पर तीन विकेट गंवा दिए हैं और ग्लमॉर्गन अभी भी 230 रन पीछे हैं। एक समय मेजबान टीम 82 रन पर पांच विकेट गंवाकर संकट में थी ऐसे समय में नायर ने 55 रन के साथ तीसरे दिन की शुरूआत की और जैब ने उनका अच्छा साथ दिया। नायर लगातार ग्लमॉर्गन के गेंदबाजों के प्रति आक्रामक रहे।

विराट के साथ बातचीत से बुरे दौर में काफी मदद मिलीः रियान पराग

नई दिल्ली। जब रियान पराग पहली बार मैदान पर उतरे तो वह अपनी बल्लेबाजी से ज्यादा सोशल

मीडिया पर बेबाकी से अपनी राय व्यक्त करने के लिए जाने जाते थे, लेकिन फिर महान बल्लेबाज विराट कोहली से 10-15 मिनट तक अच्छी सलाह मिली और चीजें बदलकर बेहतर हो गईं। कोहली से सलाह मांगने पर पराग ने बताया, मेरे दूसरे साल खेल रहा था और आईपीएल में बुरे दौर से गुजर रहा था। मैं उनसे चर्चा कर रहा था कि उस दौर से कैसे बाहर निकला जाए और वह इस तरह की परिस्थितियों को कैसे संभालते थे जिससे कि मैं उनके अनुभव से सीख सकूं। उन्होंने मुझे अपने समय में से 10-15 मिनट दिए और मेरे साथ कुछ चीजें साझा कीं। मुझे लगता है कि इससे मुझे काफी मदद मिली।

प्रियंका और अक्षदीप को मैराथन रेस वॉक मिश्रित रिले में पेरिस ओलिंपिक कोटा

अंताल्या। भारत की प्रियंका गोस्वामी और अक्षदीप सिंह ने विश्व एथलेटिक्स रेस वॉकिंग टीम चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए पेरिस ओलिंपिक कोटा हासिल किया है। तुर्की के अंताल्या में आयोजित विश्व एथलेटिक्स रेस वॉकिंग टीम चैंपियनशिप में मैराथन रेस वॉक मिश्रित रिले स्पर्धा में प्रियंका गोस्वामी और अक्षदीप सिंह ने भारत के लिए पेरिस 2024 ओलिंपिक कोटा हासिल किया। इस दौरान भारतीय एथलीट 18वें स्थान पर रहे। अक्षदीप सिंह और प्रियंका गोस्वामी ने कट हासिल करने के लिए 3:05:03 समय लिया। कोटा रेस में प्रतिस्पर्धा करने वाली अन्य भारतीय टीम में मुनिता प्रजापति और परमजीत सिंह 3:09:58 समय के साथ 35वें स्थान पर रहे।

युकी भांबरी ने बीएमडब्ल्यू ओपन 2024 टेनिस में जीता युगल खिताब

म्यूनिख। भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के अल्बानो ओलिवेटी जोड़ी ने बीएमडब्ल्यू ओपन 2024 टेनिस टूर्नामेंट में युगल खिताब जीत लिया है। जर्मनी के म्यूनिख

में गैरवरीयता प्राप्त भांबरी-ओलिवेट्टी की जोड़ी ने जर्मन एंड्रियास मिज और जान-लेनार्ड स्ट्रूफ की जोड़ी को एक घंटे 51 मिनट में तक चले फाइनल मुकाबले में 7-6(6), 7-6(5) से हराया। इंडो-फ्रेंच जोड़ी का पहला खिताब है। इससे पहले सेमीफाइनल में भांबरी-ओलिवेट्टी ने ऑस्ट्रिया के अलेक्जेंडर एर्लर और लुकास मीडलर को 6-1, 6-7(5), 10-7 से हराया और क्वार्टरफाइनल में उन्होंने अमेरिकी जोड़ी रॉबर्ट गैलोवे और इवान किंग को 6-3, 6-3 से पराजित किया था। शुरूआती दौर में, भांबरी-ओलिवेट्टी की जोड़ी ने बेल्जियम की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी सैंडर गिल और जोरान व्लिगेन की जोड़ी को 95 मिनट तक चले मुकाबले में 4-6, 7-6(5),10-6 से हराया था। ऐसा माना जा रहा है कि इस जीत से 31 वर्षीय भांबरी पुरुष युगल टेनिस रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग 56वें स्थान पर पहुंच जाएंगे।

कैस्पर रूड ने जीता बार्सिलोना ओपन खिताब, सितसिपास को दी मात

बार्सिलोना। नॉर्वे के कैस्पर रूड ने स्टेफानोस सितसिपास से मोंटे कार्लो मास्टर्स फाइनल में मिली पिछली हार का बदला चुकता करते हुए बार्सिलोना ओपन टेनिस फाइनल में सीधे सेटों में हरा दिया। कैस्पर रूड ने 7-5, 6-3 से जीत दर्ज करके सत्र का पहला खिताब अपने नाम किया। वह इस साल तीन अन्य फाइनल हार चुके हैं। यह उनके कैरियर का 11वां खिताब और क्लेकोर्ट पर दसवां खिताब है। पिछली बार उन्होंने अप्रैल 2023 में एस्टोरिल में खिताब जीता था। पिछले साल फ्रेंच ओपन में उपविजेता रहे रूड की नजरें अब रोलां गैरो पर खिताबी जीत दर्ज करने पर लगी हैं।

अंपायर से बहस, विराट पर मैच फीस का 50% जुर्माना

कोलकाता एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज विराट कोहली पर मैच फीस का 50% जुर्माना लगाया गया है। रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और आरसीबी के बीच खेले गए मैच के दौरान विराट कोहली फील्ड अंपायर से बहस करते हुए नजर आए थे। कोहली पर आईपीएल की आचार संहिता (कोड ऑफ कंडक्ट) के उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने आईपीएल की आचार संहिता के आर्टिकल 2.8 के तहत लेवल 1 का अपराध किया है। कोहली ने अपराध स्वीकार कर लिया और मैच रेफरी की मंजूरी स्वीकार कर ली। आईपीएल ने यह जानकारी सोमवार को दी। रविवार को खेले गए मैच में बेंगलुरु की पारी के तीसरे ओवर की पहली बॉल हर्षित राणा ने कराई, जो फुल टॉस रही। कोहली ने बॉल को सामने खेलना चाहा और कॉट एंड बोल्ड हो गए। फील्ड अंपायर्स के आउट देने पर कोहली ने नो-बॉल के लिए रिव्यू मांगा, लेकिन थर्ड अंपायर ने फील्ड अंपायर के फैसले को नहीं बदला और कोहली को आउट दे दिया। कोहली का कहना था कि गेंद कि ऊंचाई ज्यादा थी। इससे नाराज विराट कोहली फील्ड अंपायर से बहस करते नजर आए।

नियम के मुताबिक आउट थे कोहली

बीसीसीआई ने आईपीएल में खेल रहे सभी खिलाड़ियों की कमर की माप पहले ही कर ली थी। इसमें कोहली के कमर की हाइट 1.04 मीटर मापी गई थी। नई हॉक-आई बॉल ट्रैकिंग टेक्नोलॉजी के मुताबिक, अगर कोहली क्रीज पर सीधे बैटिंग पोजिशन में होते तो गेंद जमीन से 0.92 मीटर की ऊंचाई से उन्हें पार कर जाती। जिसका मतलब है कि गेंद उनकी कमर के नीचे से होकर गुजरती, इसलिए टीवी अंपायर माइकल गॉफ के मुताबिक गेंद ऊंचाई के हिसाब से लीगल थी।

डुप्लेसिस को लगा लाखों का फटका, सैम करैन पर भी बड़ा एक्शन

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के मैच नंबर-36 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को एक रन से हरा दिया। कोलकाता नाइट राइडर्स की यह सात मैचों में पांचवीं जीत रही। दूसरी ओर आरसीबी की यह आठ मुकाबलों में सातवीं हार रही। हार के बाद आरसीबी के कप्तान फाफ डुप्लेसिस को बड़ा झटका लगा है। डु प्लेसिस पर स्लो ओवर रेट के लिए 12 लाख रुपए जुर्माना लगाया गया है। यदि तीसरी बार गलती हुई, तो एक मैच का बैन लगाया जाएगा। डुप्लेसिस कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ आरसीबी की एक रन से पराजय में स्लो ओवर रेट के दोषी पाए गए। डुप्लेसिस से पहले केएल राहुल, रुतुराज गायकवाड़, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत, शुभमन गिल और संजू सैमसन की भी मैच फीस कट चुकी है। दूसरी ओर पंजाब किंग्स के कप्तान सैम करैन पर भी जुर्माना लगाया गया। करैन पर गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मैच में आईपीएल की आचार संहिता की धारा 2.8 के तहत लेवल एक के अपराध के लिए मैच फीस का 50 फीसदी जुर्माना लगाया गया। यह अपराध अंपायर के फैसले पर असंतोष जताने के संदर्भ में है।

17 साल की उम्र में जीता कैंडिडेट्स चेस टूर्नामेंट

विश्वनाथन आनंद के बाद टूर्नामेंट जीतने वाले दूसरे भारतीय गुकेश

नई दिल्ली एजेंसी

भारत के 17 साल के ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने टोरंटो में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रच दिया। वे वर्ल्ड खिताब के लिए सबसे कम उम्र में चुनौती देने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। अब वर्ल्ड चैंपियन खिताब के लिए उनकी भिड़ंत चीन के डिंग लिरेन से होगी। गुकेश से पहले 1984 में रूसी खिलाड़ी गैरी कास्परोव ने सबसे कम उम्र 22 साल में यह टूर्नामेंट जीता था।

वर्ल्ड चैंपियन खिताब के लिए चीन के डिंग लिरेन से भिड़ेंगे

अब गुकेश वर्ल्ड चैंपियन खिताब के लिए इस साल के आखिर में चीन के डिंग लिरेन से भिड़ेंगे। हालांकि यह मुकाबला कब होगा और कहां खेला जाएगा, इसकी घोषणा नहीं की गई है। गुकेश यह टूर्नामेंट जीतने वाले दूसरे भारतीय हैं। उनसे पहले पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने 2014 में यह टूर्नामेंट जीता था। तब वे 45 साल के थे। गुकेश ने जीत के बाद कहा, बहुत खुशी हो रही है। मैं उस रोमांचक खेल (फैबियो कारुआना और इयान नेपोमनिआचची के बीच) को देख रहा था, फिर मैं अपने सहयोगी (ग्रिगोरी गैजेव्स्की) के साथ टहलने गया, मुझे लगता है कि इससे मदद मिली।

गुकेश को टूर्नामेंट में 14 में से 9 अंक मिले

गुकेश ने टूर्नामेंट में 14 में से 9 अंक हासिल कर खिताब पर कब्जा जमाया। उन्होंने टूर्नामेंट के अपने आखिरी मुकाबले में अमेरिका के हिकारू नाकामुरा के खिलाफ ड्रॉ खेला। इससे उनके अंक 8.5 से बढ़ कर 9 हो गए। वहीं उन्होंने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा को हराकर अपने पॉइंट 8.5 कर लिए थे। अलीरेजा को हराने के साथ ही गुकेश ने टूर्नामेंट में नेपोमनियाच्ची, नाकामुरा और अमेरिका के फैबियानो कारूआना से हाफ अंक की बढ़त ले ली थी।

एशियन गेम्स में रजत जीतने वाली टीम के सदस्य

गुकेश ने पिछले साल चीन के हांग्जो एशियन गेम्स में रजत पदक जीता था। 2015 में गुकेश एशियाई स्कूल शतरंज चैंपियनशिप में अंडर-9 का खिताब जीतने के साथ कैंडिडेट मास्टर बने थे। गुकेश ने अब तक 5 गोल्ड एशियाई यूथ चैंपियनशिप जीती हैं। 2019 में वे भारत के सबसे युवा और वर्ल्ड के दूसरे सबसे युवा ग्रैंडमास्टर बने थे।

विश्वनाथन आनंद ने दी बधाई

विश्वनाथन आनंद ने ट्विटर पर युवा खिलाड़ी को बधाई देते हुए लिखा, सबसे युवा चैलेंजर बनने के लिए डी गुकेश को बधाई। आपने जो हासिल किया है उस पर बहुत गर्व है। मुझे निजी तौर पर बहुत गर्व है कि आपने कैसे खेला और कठिन परिस्थितियों को संभाला। इस पल का आनंद लें।

कतर के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ के बाद ऑस्ट्रेलिया बाहर, ओलिंपिक की उम्मीदें खत्म

दोहा। दोहा के जसीम बिन हमद स्टेडियम में मेजबान कतर के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ के बाद ऑस्ट्रेलियाई पुरुष फुटबॉल टीम ग्रुप चरण में एएफसी अंडर -23 एशियाई कप 2024 से बाहर हो गई है। ऑस्ट्रेलिया को अंतिम आठ में पहुंचने के लिए कतर के खिलाफ जीत के साथ-साथ जॉर्डन बनाम इंडोनेशिया मैच से अनुकूल परिणाम की आवश्यकता थी। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया शुरू से ही काफी दबाव में था। ऑस्ट्रेलिया ने एक भी गोल किए बिना ग्रुप चरण समाप्त किया और अपने तीन में से दो गेम ड्रॉ कराए। वे ग्रुप ए में तीसरे स्थान पर रहे और इंडोनेशिया ने दूसरे मैच में जॉर्डन को 4-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में कतर के साथ शामिल हो गया। प्रत्येक समूह से शीर्ष दो ने अंतिम आठ में जगह बनाई।

1958 में पहली बार हिन्द केसरी खिताब जीतने वाले रामचंद्र पहलवान नेपानगर का निधन

इंदौर

1958 हैदराबाद में पहली बार भारतीय शैली कुश्ती का सबसे बड़ा खिताब हिन्द केसरी जीतने वाले रामचंद्र पहलवान बाबू का 99 वर्ष की आयु में निधन होने से देशभर व प्रदेश की कुश्ती जगत में शोक छा गया। हिन्द केसरी खिताब जीतने पर उन्हें नेपानगर मिल ने आजीवन गोद ले रखा था। वे देशभर में नेपानगर मिल की ओर से भाग लेते रहे व देश के उस समय के सभी शीर्ष पहलवानों से कुश्तियां लड़कर मध्यप्रदेश की कुश्ती जगत में गहरी क्षति हुई है।

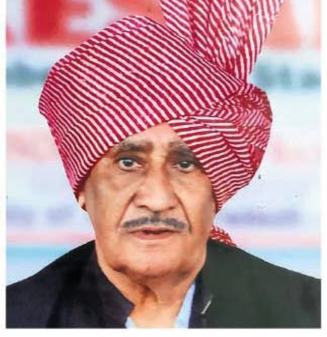

उनके 41 वर्ष बाद हिन्द केसरी खिताब विश्वामित्र अवार्डी शिवराम पटेल के बेटे राकेश पटेल ने हिन्द केसरी खिताब जीता व 2007 में पटेल जी के पोते रोहित पटेल ने भी यह दुर्लभ खिताब जीता। सोमवार को नेपानगर में उनका अंतिम संस्कार किया गया। मप्र कुश्ती संघ के ओलिम्पियन पप्पू यादव, विश्वामित्र अवार्डी शिवराम पटेल, विक्रम अवार्डी ओमप्रकाश खत्री, हिन्द केसरी राकेश पटेल, हिन्द केसरी रोहित पटेल, कुश्ती सम्राट सतीश मांडिया, सुरेश राणे, गोविंद गुर्जर, खंडवा के मंगल यादव, रतलाम के वैभव जाट, राजू रावत, सलाम पहलवान सहित कुश्ती जगत के सभी अखाड़ों ने रामचन्द्र पहलवान को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

अबीर, आराध्य, विदित, सामर्थ्य, रौनक, चैताली, गिरिजा और अन्नीता क्वार्टर फाइनल में

बैडमिंटन स्पर्धा

इंदौर

इंदौर जिला बैडमिंटन संगठन के तहत मल्हार क्रीड़ा मंडल द्वारा आयोजित 14वीं दिलीप बारगल स्मृति इंदौर जिला मिनी-सब जूनियर बैडमिंटन स्पर्धा में 13 वर्ष बालक एकल में आरव राज सिंह बग्गा, वैभव पाटीदार, सक्षम गुप्ता, अवनीश नेकिए, हिमांशु सरोदे, दिव्यांश पाटीदार, आराध्य सागर और शोभित गुप्ता ने चौथे दौर के मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में

जगह बनाई। अबीर चौधरी, अनवित गोयल, आराध्य सागर, कैवल्य अग्रवाल, हर्षवर्धन सिंह राजपूत, रिशान नांदिडकर,अदवैत पाटीदार और वेदांश सिंह तोमर 11 वर्ष बालक एकल के क्वार्टर फाइनल में हैं। सेमीफाइनल मुकाले सुबह 10 बजे से होंगे।

व्यक्तित्व

व्यक्ति का स्वास्थ्य बताएंगी उसकी आंखें

आंखें दिल की जुबान होती हैं। आंखों से ही हम लोगों के मन की बात को जान सकते हैं। सभी लोगों की आंखों का रंग अलग-अलग होता है। ऐसे में आंखों के रंग के हिसाब से उसके स्वभाव के बारे में भी पता लगाया जा सकता है। किसी व्यक्ति की आंखों का रंग काला और किसी का ब्राउन होता है। आइए जानिए, आंखों के हिसाब से व्यक्ति के स्वभाव के बारे में

भूरी आंखें

जिन लोगों की आंखों का रंग भूरा होता है, वे काफी अच्छे और प्यार करने वाले सदस्य होते हैं। ऐसे लोग दूसरों को जल्दी आकर्षित कर लेते हैं और घर से बाहर रह कर ज्यादा खुश रहते हैं। भूरी आंखों वाले लोग पैसों की परवाह नहीं करते और दोस्त बनाने में विश्वास रखते हैं।

हरी आंखें

हरी आंखों वाले लोग देखने में बहुत सुंदर होते हैं। ऐसे लोग बुद्धिमान और भावुक स्वभाव वाले होते हैं। ये लोग काफी मजाकिया स्वभाव के होते हैं और जिंदादिली से जीते हैं। इसके अलावा हरी आंखों वाले लोग थोड़े ईर्ष्यालु प्रवृति के होते हैं।

नीली आंखें

इस रंग की आंखों वाले लोग स्मार्ट और दयालु स्वभाव के होते हैं। ऐसे लोग दूसरों को जल्दी अपनी तरफ आकर्षित कर लेते हैं और जरूरत पड़ने पर मदद के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

काली आंखें

दुनिया में ज्यादातर लोगों की आंखें काले रंग की ही होती हैं। ऐसे लोग थोड़े भावुक स्वभाव के होते हैं लेकिन ये दूसरों पर जल्दी भरोसा नहीं करते। इसके अलावा काली आंखों वाले लोगों में धैर्य की कमी होती है।

ग्रे आंखें

इस तरह की आंखों वाले लोग शांत और बुद्धिमान स्वभाव के होते हैं और अपने आप में रहना पसंद करते हैं। इन्हें वफादार और सादा जीवन जीने वाले लोग पसंद होते हैं।

हल्की भूरी आंखें

हल्की भूरी आंखों वाले लोग रहस्यमयी और आजाद ख्यालों वाले होते हैं। ऐसे लोग मीठा बोलने वाले और दयालु स्वभाव के होते हैं लेकिन ये लोग अपने आप में खोए रहते हैं जिस वजह से इनके साथ रहना थोड़ा मुश्किल होता है।

कटहल के बीज के फायदे, आप भी जानिए

आम तौर पर कटहल की सब्जी और इससे बने पकवानों को लोग बेहद पसंद करते हैं, और बेशक यह मजेदार भी होते हैं। जहां कटहल स्वाद के साथ सेहत से जुड़े फायदे देता है, वहीं इसके बीज भी कम खास नहीं है। कटहल के बीज भी सेहत से भरपूर होते हैं। जानिए 5 फायदे - 1 कटहल के बीज डायट्री फाइबर से भरपूर होते हैं और इसमें कैलोरी भी कम होती है, अतः ये वजन कम करने में आपकी मदद करते हैं। 2 कटहल के बीज मैग्नीशियम, मैग्नीज जैसे तत्वों से भरपूर होते हैं जो हड्डियों में कैल्शियम अवशोषण में मददगार होते हैं। ये रक्त का थक्का जमने से रोककर रक्तसंचार में भी मदद करता है। 3 इसके बीजों में काफी मात्रा में स्टार्च पाया जाता है, जो आपके शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है। यह ऊर्जा के लिए बेहतरीन स्त्रोत है जो कि स्वादिष्ट भी है। 4 कटहल के यह बीज एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं, जो बढ़ती उम्र की गति धीमी करने के साथ ही आपको तनाव से भी दूर रखने में मददगार होते हैं। 5 इसमें लिग्नेंस, आइसोफ्लेवोन्स, सैपनिन्स एवं अन्य लाभारी फायटोन्यूट्रीएन्स पाए जाते हैं जो मानसिक व शारीरिक सेहत के लिए लाभकारी है।

एक्यूप्रेशर से करें थायराइड का उपचार

थायराइड जिसमें लक्षण शुरूआत में दिखाई नहीं देते, जैसे रोगों के उपचार के लिए एक्यूप्रेशर थेरेपी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। थायराइड डिस्ऑर्डर थायरॉयड ग्रंथि का आम विकार है। थायराइड हार्मोन शरीर के चयापचय और लगभग हर अंग प्रणाली के विनियमित को प्रभावित करता है। यह बताता है कि अंग कैसे तेजी या धीमी गति से काम करते हैं। थायराइड हार्मोन शरीर की ऑक्सीजन की खपत और हीट के उत्पादन को नियंत्रित करता है। थायराइड समस्याएं जैसे ओवर एक्टिव और अंडरएक्टिव थायराइड गंभीर रूप से चयापचय को प्रभावित करता है।

थायराइड ग्रंथि में गड़बड़ी से चयापचय प्रभावित होने से आपको अधिक थकावट महसूस होती है और वजन बढ़ने लगता है। साथ ही अन्य समस्याएं भी होने लगती है। हाल ही में हुए वैज्ञानिक अध्ययनों में थायराइड डिस्ऑर्डर जैसे हाइपोथायरायडिज्म को वजन बढ़ने से जोड़ा गया है। थायराइड हार्मोन एक महत्वपूर्ण अंत स्त्रावी हार्मोन है जो कई शारीरिक कार्यों के लिए आवश्यक है। यह चयापचय गतिविधि की बढ़ती दर और कुछ एंजाइमों का संश्लेषण के लिए जिम्मेदार होता है। हाइपोथायरायडिज्म को स्वाभाविक रूप से योग, प्राकृतिक चिकित्सा या एक्यूप्रेशर द्वारा ठीक किया जा सकता है, लेकिन सबसे पहले इसकी पुष्टि करना बहुत आवश्यक होता है।

उपचार के लिए एक्यूप्रेशर

थायराइड हार्मोन चयापचय की दर को सही बनाने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। इसके ठीक से काम न करने से वजन का बढ़ना, थकान, हाथों और पैरों में ठंडापन, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, चिंता, कब्ज, डिप्रेशन, बालों को झड़ना जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं। साथ ही कोमलता या दर्द थायराइड की समस्या को इंगित करता है। लेकिन घबराइए नहीं क्योंकि एक्यूप्रेशर थेरेपी से इसका इलाज किया जा सकता है। शरीर के विभिन्न हिस्सों खासकर हथेलियों और पैरों के तलवों के महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर दबाव डालकर विभिन्न रोगों का इलाज करने की विधि को एक्यूप्रेशर चिकित्सा तकनिक कहा जाता है। बिना दवा के इलाज करने वाली यह सरल, हानिरहित, खर्चरहित व अत्यंत प्रभावशाली व उपयोगी थेरेपी है। एक्यूप्रेशर का एक बड़ा लाभ यह है कि बीमारी का पता और इलाज दोनों एक ही तरह से किया जाता है।

थायराइड के उपचार के लिए एक्यूप्रेशर बिंदु

» थायराइड की समस्याओं को कम करने के लिए इस्तेमाल होने वाले एक्यूप्रेशर बिंदु आपकी आंखों के बीच में स्थिति होते हैं, जो पिट्यूटरी फंक्शन को उत्तेजित करते हैं।

» एक्यूप्रेशर थेरेपी के अनुसार थायरायड व पैराथायरायड के प्रतिबिम्ब बिंदु हाथों एवं पैरों दोनों के अंगूठे के बिलकुल नीचे ऊंचे उठे हुए भाग में स्थित होता है। थायरायड के अल्पस्राव की अवस्था में इन केन्द्रों पर घडी की सुई की दिशा में अर्थात बाएं से दायें प्रेशर दें तथा अतिस्राव की स्थिति में प्रेशर दायें से बाएं (घडी की सुई की उलटी दिशा में) देना चाहिए। इसके साथ ही पिट्यूटरी ग्लैंड के भी प्रतिबिम्ब बिंदु पर भी प्रेशर देना चाहिए।

» प्रत्येक बिंदु पर एक से तीन मिनट तक प्रतिदिन दो बार प्रेशर देना चाहिए। पिट्यूटरी ग्लैंड के केंद्र पर पम्पिंग मैथड (पम्प की तरह दो-तीन सेकेण्ड के लिए दबाएं फिर एक दो सेकेण्ड के लिए ढीला छोड़ दें) से प्रेशर देना चाहिए।

» अपने खुद के दबाव बिंदुओं को उत्तेजित करना सीखकर आप छोटे-मोटे लक्षणों से राहत पा सकते हैं और नाम प्रिस्क्रिप्शन दवाओं की आवश्यकता को कम कर सकते हैं।

व्यायाम

एकदम एक्सरसाइज छोड़ने से बॉडी पर होते है ये असर

समय बदलने के साथ लोग अपनी सेहत को लेकर सतर्क हो गए हैं। आजकल लोग खुद को फिट रखने के लिए एक्सोसाइज करते हैं, जोकि सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। वहीं, कुछ लोग एकदम एक्सोसाइज करना छोड़ देते है। जिससे सेहत संबंधित कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में कभी भी एकदम एक्सोसाइज करना न छोड़े।

» **लूज स्किन:** रोजाना एसरसाइज करने से मसल्स टाइट रहते है। वहीं एक दम एसरसाइज छोड़ने से स्किन लूज हो जाती है जोकि देखने में भी अच्छी नहीं लगती।

» **हाईब्लड प्रेशर की समस्या:** एसरसाइज छोड़ने से अधिकतर लोगों को हाई लड प्रेशर की समस्या का सामना करना पड़ता है।

» **कमजोरी:** एकदम एसरसाइज छोड़ने से कमजोरी महसूस होने लगती है। दरअसल, एसरसाइज करते रहने से बॉडी की स्ट्रेंथ बढ़ जाती है और छोड़ने से स्टेमिना कम हो जाता है।

» **वजन बढ़ना:** अधिकतर लोग वजन कम करने के लिए एसरसाइज करते हैं लेकिन जब वजन कंट्रोल हो जाता है तो इसे करना छोड़ देते है। आपको बता दें एक दम एसरसाइज छोड़ने से शरीर में फैट बढ़ने लगता है जिससे वजन बढ़ सकता है।

» **बॉडी पेन:** एसरसाइज छोड़ने से शरीर दर्द हो सकता है। इसके अलावा हार्ट प्रॉब्लम होने के चांस भी बढ़ जाते है।

किचन को दें सफेद कलर का टच

रसोई घर का सबसे खास हिस्सा मानी जाती है। हर औरत चाहती है कि उसकी किचन साफ-सुथरी हो। किचन में लगाई जाने वाली कैबिनेट,चिमनी,शैल्फ को घर के इंटीरियर का खास हिस्सा माना जाता है। जिस तरह से लोग ड्राइंग रूम,बैडरूम, गार्डन के अलावा बाकी सारे घर को सजाते हैं, उसी तरह रसोई का स्टाइलिश होना भी बहुत जरूरी है। हाउस वाइफ का तो आधे से भी ज्यादा दिन किचन में ही बितता है। रसोई ही अगर बोरिंग होगी तो यहां पर काम करने का मजा भी नहीं आएगा।

आजकल डार्क रंगों की बजाए व्हाइट कलर की किचन को ज्यादा पसंद किया जा रहा है। यह कलर रसोई के साथ-साथ घर को भी रॉयल लुक देता है। आप चाहे तो व्हाइट कलर के साथ अपने पसंदीदा रंग से भी किचन को हल्का-फुल्का टच दे सकते हैं। कैबिनेट,सिंक,टेबल और इलैक्ट्रोनिक सामान भी इसी रंग से मैच कर सकते हैं। इसके साथ वुडन फ्लोरिंग या फिर मार्बल फ्लोर भी बहुत खूबसूरत लगता है।

घर पर गहनों को साफ करने के बेहतरीन टिप्स

महिलाओं के पास कई तरह के गहने होते हैं। सोने के हों या चांदी के गहने, कुछ देर के बाद उनकी चमक खराब हो जाती है लेकिन व्यस्त शैड्यूल के कारण लोग जौहरी के पास ज्वैलरी को साफ करवाने के लिए नहीं ले जाते। ऐसे में घर पर ही कुछ आसान तरीके अपनाकर गहनों को साफ किया जा सकता है।

1. टूथपेस्ट

डायमंड की अंगुठी या ईयररिंग्स में कुछ समय के बाद कालापन आ जाता है और उनमें पहले जैसी चमक नहीं रहती। ऐसे में पुराने ब्रश पर टूथपेस्ट लगाएं और इससे डायमंड ज्वैलरी को साफ करें और फिर एक साफ कपड़े से पेस्ट को पोंछ लें। इससे गहने चमकदार बनेंगे।

2. सिरका

आधा कप सफेद सिरके में 2 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर मिश्रण तैयार करें और इसमें अपनी सोने या चांदी के गहनों को 2-3 घंटों तक भिगोकर रखें। इसके बाद ज्वैलरी को निकाल कर पानी से धो लें।

3. टोमेटो कैचप

टोमेटो कैचप का इस्तेमाल सिर्फ खाने के लिए ही नहीं गहनों को चमकाने के लिए भी किया जा सकता है। इसके लिए ज्वैलरी को कुछ मिनटों के लिए कैचप में डालें और फिर किसी टूथब्रश से साफ करें।

4. सोडा

रंग-बिरंगे या व्हाइट स्टोन ज्वैलरी जब काली पड़ जाए तो इसे साफ करने के लिए एक बर्तन में पीने वाला सोडा भरें और रात भर उसमें ज्वैलरी को रखें। सुबह गहनों को सोडे में से निकालकर अच्छी तरह पोंछ लें।

5. बीयर

किसी साफ कपड़े को बीयर में भिगोएं और इससे अपनी ज्वैलरी को साफ करें।

6. बेकिंग सोडा

आधा चम्मच बेकिंग सोडे में 2 चम्मच पानी मिलाकर पेस्ट बनाएं और किसी स्पंज की मदद से सोने और चांदी के गहनों को हल्के हाथों से साफ करें।

छोटी इलायची खाने के ये फायदे आपको हैरत में डाल देंगे

आमतौर पर छोटी इलायची का इस्तेमाल खुशबू और स्वाद के लिए किया जाता है। मीठे व्यंजनों में इसका स्वाद तो और खास हो जाता है। कुछ लोगों को इलायची वाली चाय भी खूब पसंद आती है लेकिन कम ही लोगों को पता होता है कि इलायची एक आयुर्वेदिक औषधि की तरह काम करती है। इसके और भी कई फायदे हैं, जिनके बारे में जानकर आप दंग रह जाएंगे।

» छोटी इलायची एक कारगर माउथ फ्रेशनर है। इसे खाने से मुंह की बदबू दूर होती है। इलायची में मौजूद तत्व मुंह की बदबू दूर करने का काम करते हैं। अगर आपके मुंह से आने वाली दुर्गंध बहुत तेज है तो आपको हर समय एक इलायची अपने मुंह में रखनी चाहिए।

» अगर आपको सेक्स लाइफ अच्छी नहीं है तो इलायची के इस्तेमाल से आपको फायदा होगा। इससे शरीर को ऊर्जा मिलती है, साथ ही नपुंसकता में भी इसका सेवन करना फायदेमंद माना जाता है।

» हमारे समाज में खाना खाने के बाद इलायची खाने का चलन है। खाना खाने के बाद इलायची का सेवन करना काफी फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद तत्व खाने को पचाने में मदद करते हैं।

» अगर आपके गले में खराश की समस्या है तो भी इलायची का सेवन करना फायदेमंद रहेगा। इसके सेवन से गले के दर्द में राहत मिलती है।

» इलायची के रसायनिक गुण शरीर में मौजूद फ्री-रेडिकल और दूसरे विषैले तत्वों को दूर करने में मददगार होते हैं। इससे खून भी साफ होता है।

रेसिपी

वेज शामी कबाब

सामग्री

1 कप काले चने (उबले हुए), 1 प्याज (कटा हुआ), 1 चम्मच पुदीने की पत्तियां, 1 चम्मच धनिए की पत्तियां, 1 चम्मच धनिया पाऊडर, 1/2 चम्मच लाल मिर्च पाऊडर, 1 हरी मिर्च (कटी हुई), 1/2 चम्मच अदरक का पेस्ट, 1/2 चम्मच गरम मसाला पाऊडर, 2 चम्मच बेसन, नमक स्वादानुसार, तेल तलने के लिए

विधि

सबसे पहले एक बाउल में उबले हुए चने, प्याज, पुदीने की पत्तियां, धनिए की पत्तियां, धनिया पाउडर, लाल मिर्च, अदरक का पेस्ट, गरम मसाला, बेसन और नमक डालकर अच्छी तरह से मैश करके मिक्सर तैयार कर लें। अब छोटे से मिक्चर को हाथ में ले और उसे कबाब का आकार दें। इसी तरह से बाकी के सारे कबाब तैयार कर लें। पैन में तेल डालकर गर्म करें। अब कबाब को तेल में डालकर फ्राई करें। फ्राई करने के बाद इन्हें प्लेट में निकाल लें। शामी वेज कबाब तैयार है। इसे चटनी के साथ सर्व करें।

मुंह के छालों ने छुड़वा दिया है खाना तो अपनाएं ये तरीके

यूं तो मुंह में छाले होना आम सी बात है लेकिन पेट की गड़बड़ी के कारण भी मुंह और जीभ पर छाले की समस्या हो सकती है। अगर समय रहते इनका इलाज न किया जाए तो इससे परेशानी और बढ़ जाती है और कुछ भी खाने-पीने में दिक्कत आने लगती है। इससे छुटकारा पाने के लिए मार्किट से दवाइयां तो बहुत मिलती है लेकिन कई बार दवाइयों से भी आराम नहीं मिल पाता है। अगर ऐसे में कुछ घेरलू तरीके अपनाकर देखे जाए तो शायद आप मुंह और जीभ के छालों से राहत पा सकते है। हम आपको मुंह और जीभ के छालों से राहत दिलाने वाले असरदार नुस्खों के बारे में बताएंगे।

1. हल्दी : हल्दी काफी गुणकारी होती है। एक गिलास गुनगुने पानी में आधा चम्मच हल्दी मिलाकर मिक्स कर लें और इस पानी से गरारे करें। दिन में 2-3 बार इस तरह करने से मुंह के छालों से राहत मिलेगी।

2. देसी घी : अगर आप मुंह और जीभ के छालों से कुछ ज्यादा ही परेशान है तो रात को सोने से पहले शुद्ध देसी घी को छालों पर लगा लें। सुबह तक छाले गायब हो जाएंगे।

3. नमक : एक गिलास पानी में थोड़ा सा नमक डालकर इससे कुल्ला करें। दिन में 1-2 बार लगातार इस प्रक्रिया को दोहराएं।

4. शहद : शहद को भी मुंह और जीभ के छाले दूर करने में कारगार माना जाता है। दिन में 3-4 बार छालों पर शहद लगाएं। इससे काफी राहत मिलेगी।

5. बर्फ : बर्फ का इस्तेमाल करके भी मुंह के छालों से राहत पाई जा सकती है। बर्फ को छालों पर रगड़े। दिन में ऐसा 4-5 बार करें।

कच्चे पपीते के अनगिनत फायदे, शायद आप नहीं जानते होंगे

पपीता सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन पाए जाते हैं जिससे कई बीमारियों को दूर किया जा सकता है। लेकिन क्या आपको पता है कि पके हुए पपीते की तरह कच्चा पपीता भी शरीर के लिए लाभकारी है। कुछ लोग इसकी सब्जी बनाकर भी खाते है। इसमें मैग्नीशियम, पोटेशियम, विटामिन पके हुए पपीते से ज्यादा मात्रा में पाए जाते हैं जिसका रोज सेवन करने से कई तरह की समस्याओं से बचा जा सकता है। आइए जानते है कच्चे पपीते के अनगिनत फायदों के बारे में

1. डायबिटीज से छुटकारा

कच्चे पपीते का जूस पीने से डायबिटीज को कंट्रोल किया जा सकता है। यह रक्त शर्करा के स्तर को कम करके इंसुलिन की मात्रा को बढ़ाता है।

2. ब्रैस्ट फीडिंग में फायदेमंद

बच्चे को दूध पीलाने वाली औरतों के ज्यादा न्यूट्रिशंस की जरूरत पड़ती है। कच्चा पपीता खाने से दूध बढ़ाने में मदद मिलती है।

3. कब्ज

इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर होता है जो कब्ज की समस्या से छुटकारा दिलाता है। कच्चे पपीते में कुछ ऐसे एंजाइम भी पाए जाते हैं जो पाचन तंत्र में सुधार करके पेट दर्द से राहत दिलाते है।

4. वजन कम

पके हुए पपीते के मुकाबले कच्चा पपीता वजन को जल्दी कम करता है। इससे शरीर में जमा अतिरिक्त फैट कम होती है।

5. सर्दी-जुखाम से राहत

कच्चे पपीते के बीज में काफी मात्रा में विटामिन पाए जाते हैं, जो कि सर्दी और जुखाम जैसी इंफेक्शन से छुटकारा दिलाते हैं।

सूजी ड्राय फ्रूट गुजिया

सामग्री

मैदा - 2 कप (250 ग्राम), घी - द कप (60 ग्राम), दही या दूध - 1/4 कप, **स्टफिंग के लिए:** सूजी - 3/4 कप (150 ग्राम), पाउडर चीनी - 3/4 कप, ड्राय फ्रूट्स - 1 कप (काजू, अखरोट, बादाम, किशमिश), छोटी इलायची - 7-8, घी - गुजिया तलने के लिए और सूजी भूनने के लिए

विधि

मैदा को किसी बर्तन में निकाल लीजिए, घी और दही आटे में डाल कर, अच्छी तरह मिलाइए। अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए पूरी के आटे से थोड़ा सख्त आटा गूंथ लीजिए। आटे को आधे घंटे के लिए ढककर रख दीजिए। **स्टफिंग बना लीजिए:** सभी ड्राय फ्रूट्स छोटे छोटे काट कर तैयार कर लीजिए और इलायची को छीलकर पाउडर बना लीजिए। कढ़ाई में 2 टेबल स्पून घी डालकर गरम कीजिए। घी में सूजी डालकर लगातार चलाते हुए हल्का गोल्डन ब्राउन होने तक भूनिए। सूजी के भूनने पर इसमें कटे हुए ड्राय फ्रूट्स डाल दीजिए और 1-2 मिनिट मिक्स करते हुए भून लीजिए। आटे को मसल-मसल कर मुलायम कीजिए, और आटे से छोटी छोटी 25 लोई तोड़ कर बना लीजिए, लोइयों को ढककर रखिए। सूजी के हल्का ठंडा होने पर इसमें पाउडर चीनी और इलायची का पाउडर डाल कर मिला लीजिए। एक लोई निकालिए 3-4 इंच के व्यास में पूरी बेलिए, बेली हुई पूरी थाली में रखते जाइए। अब इन्हें भर कर गुजिया तैयार कर लीजिए। एक पूरी उठाइए, पूरी को सांचे के ऊपर रखिए। एक या डेढ़ चम्मच स्टफिंग पूरी के ऊपर डालिए, किनारों पर उंगली के सहारे से पानी लगाइए। इसी तरह सारी गुजिया बेल कर भर कर बना कर तैयार कर लीजिए। **गुजिया तल लीजिए:** मीडियम गरम घी में गुजिया डालिए और हल्के ब्राउन होने तक पलट-पलट कर तल लीजिए। कढ़ाई से गुजिया, तिशु पेपर बिछी प्लेट में निकालिए। गुजिया तैयार है, गरमा गरमा गुजिया परोसिये और खाइए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित। संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)